शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 08 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-305

बांग्लादेश सीमा पर भारत ने पहली बार सेना तैनात की

पाकिस्तान से यूनुस के संदिग्ध प्रेमालाप पर नजर

पुख्ता की गई सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा

सिलीगुड़ी, 07 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश और पाकिस्तान की लगातार बढ़ रही साठगांठ को ध्यान में रखते हुए पहली बार बांग्लादेश से लगी सीमा पर सेना की तैनाती की गई है। पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाले सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर बांग्लादेश सीमा से संलग्न क्षेत्र में सेना के तीन अड्डे स्थापित किए गए हैं। बांग्लादेश सीमा पर पहले केवल सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की तैनाती होती थी। बांग्लादेश सीमा पर पहली बार सेना की तैनाती यह संकेत दे रही है कि मामला गंभीर है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के आला सैन्य

तीन सैन्य स्टेशन स्थापित किए गए

अधिकारियों की हाल ही हुई मुलाकातों ने भारत को गंभीर रणनीतिक तैयारियों का रास्ता खोला है। देश की पूर्वोत्तर लाइफलाइन की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए सिलीगुड़ी कॉरिडोर में सेना का बड़ा कदम इन्हीं रणनीतिक तैयारियों की सनद है।

बांग्लादेश सीमा से सटे क्षेत्रों में तीन नए सैन्य स्टेशन (गैरिसन) स्थापित किए जा चुके हैं। ये नए सैन्य ठिकाने असम के बामुनी, बिहार के किशनगंज और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा में बनाए गए हैं। सिलीगुड़ी कॉरिडोर के अत्यंत संवेदनशील भौगोलिक स्वरूप को देखते हुए इन स्थानों का चयन किया गया है। संकट की स्थिति में ये सैन्य ठिकाने सेना और बीएसएफ को तेज, लचीली और मजबूत रणनीतिक क्षमता प्रदान करेंगे। सिलीगुड़ी कॉरिडोर अपनी संकरी चौड़ाई के कारण चिकन नेक के नाम से प्रसिद्ध कुछ हिस्सों में मात्र 22 किलोमीटर ▶10 पर

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर स्मरणोत्सव शुरू : डाक टिकट व सिक्का जारी

वंदे मातरम् मां भारती की आराधना है : मोदी

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष भर चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। इसके साथ ही वंदे मातरम् वेबसाइट भी लॉन्च किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वंदे मातरम् शब्द एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है, एक संकल्प है। वंदे मातरम् शब्द मां भारती की साधना है, मां भारती की आराधना है। वंदे मातरम् शब्द हमें इतिहास में ले जाता है। यह हमारे वर्तमान को नए आत्मविश्वास से भर देता है और हमारे भविष्य को नया हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि न हो सके, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा न सकें। मैं देश के लाखों महापुरुषों को, मां भारती की संतानों को वंदे मातरम् के लिए जीवन खपाने के लिए आज श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं और देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं।

1937 में वंदे मातरम् का विभाजन देश के विभाजन की तैयारी थी

वही विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए बड़ी चुनौती बनी है

वंदे मातरम् के सामूहिक गान पर पीएम मोदी ने कहा, वंदे मातरम् के इस सामूहिक गान का यह अद्भुत अनुभव वाकई अभिव्यक्ति से परे है। इतनी सारी आवाजों में एक लय, एक स्वर, एक भाव, एक जैसा रोमांच, एक जैसा प्रवाह, ऐसा तारतम्य, ऐसी तरंग। इस ऊर्जा ने हृदय को स्पंदित कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हो रहा स्मरणोत्सव पूरे वर्षभर चलेगा। यह कार्यक्रम 7 नवंबर 2025 से लेकर 7 नवंबर 2026 तक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् रचित किए जाने के वर्ष भर चलने वाले राष्ट्रव्यापी स्मरण-ोत्सव का औपचारिक शुभारंभ है, जो इस कालातीत रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित है। इस राष्ट्रीय गीत ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया और सदा ही राष्ट्रीय गौरव एवं एकता का अलख जगाता रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, गुलामी के उस कालखंड में वंदे मातरम् इस संकल्प का उद्घोष बन गया था और वह उद्घोष था भारत की आजादी का, मां भारती के हाथों से गुलामी की बेड़ियां टूटेंगी और उसकी संतानें स्वयं अपने भाग्य की भाग्य विधाता बनेंगी। गुलामी के कालखंड में जिस तरह अंग्रेज भारत को नीचा और पिछड़ा बताकर अपने शासन को सही ठहराते थे, इस पहली पंक्ति ने उस दुष्-प्रचार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इसलिए, वंदे मातरम् न केवल आजादी का गीत बना, बल्कि वंदे मातरम् ने करोड़ों देशवासियों के सामने स्वतंत्र भारत कैसा होगा, वह सुजलाम सुफलाम सपना भी प्रस्तुत किया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 1927 में महात्मा गांधी ने कहा था वंदे मातरम् हमारे सामने पूरे भारत की एक ऐसी तस्वीर प्रस्तुत करता है जो अखंड है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज में समय के साथ कई बदलाव हुए हैं, लेकिन तब से लेकर आज तक, ▶10 पर

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दिया भारत आने का संकेत

मोदी महान व्यक्ति हैं मैं भारत जाऊंगा : ट्रंप

वॉशिंगटन, 07 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बातचीत बेहद अच्छी चल रही है और वे जल्द ही भारत दौरे पर आ सकते हैं। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, हमारे बीच बातचीत बहुत अच्छी चल रही है।

उन्होंने रूस से तेल खरीदना काफी हद तक बंद कर दिया है। मोदी मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं और उन्होंने मुझे भारत आने का न्यौता दिया है। हम तारीख तय करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी एक महान व्यक्ति हैं और मैं भारत जाऊंगा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अगले साल भारत का दौरा करेंगे, तो ट्रंप ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, हो सकता है, हां। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत अभी जारी है। ट्रंप ने कहा कि ट्रेड के कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं, लेकिन हमारी टीम इस पर काम कर रही है। दोनों देशों के बीच बीते कुछ समय से व्यापार को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाजारों को और अधिक खोलने पर विचार करे, जबकि भारत कृषि और तकनीकी क्षेत्र में अमेरिकी

व्यापार को लेकर चल रही है द्विपक्षीय बातचीत

रियायतों की उम्मीद कर रहा है। ट्रंप के कार्यकाल के दौरान भी दोनों देशों के बीच कई व्यापारिक समझौतों पर बात हुई थी, लेकिन कुछ मतभेदों के कारण वे अधूरे रह गए थे।

ट्रंप ने हाल ही में भारत-रूस तेल व्यापार को लेकर भी बयान दिया था। उनका कहना था कि भारत अब रूस के साथ तेल व्यापार को सीमित करेगा। पिछले महीने से ट्रंप इस मुद्दे पर कई दावे कर चुके हैं। इससे पहले भी ट्रंप ने अपने भाषण के दौरान भारत से जल्द व्यापार समझौता पूरा होने के संकेत दिए थे। ▶10 पर

सैन्य प्रतिष्ठानों ने कबाड़ की बिक्री से 41.64 करोड़ कमाए

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

सैन्य प्रतिष्ठानों ने सैन्य कबाड़ों के निपटारे का अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। सशस्त्र बलों और आईडीएस मुख्यालय ने अभियान के तहत चौकियों, इकाइयों, स्टेशनों, प्रतिष्ठानों, छावनियों में स्वच्छता अभियान चलाने और लंबित मामलों को कम करने में भरपूर योगदान दिया। स्वच्छता गतिविधियों के अलावा, जन शिकायतों, सांसद, प्रधानमंत्री कार्यालय और राज्य सरकार के संदर्भों, अपीलों और संसदीय आश्वासनों के लंबित मामलों को कम करने के लिए भी उल्लेखनीय प्रयास किए गए। विभाग द्वारा पहचान किए गए 5,274 अभियान स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया और विभिन्न संगठनों द्वारा कुल 455 प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया। कबाड़ के निपटान और बिक्री से लगभग 41.64 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। अभिलेख प्रबंधन के संबंध में, कुल 7,18,898 फाइलों की समीक्षा की गई और 9,602 फाइलों को हटाया गया। परिणामस्वरूप, सुधार और वैकल्पिक उपयोग के ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को दिया सख्त निर्देश

सार्वजनिक स्थानों से तत्काल हटाएं आवारा कुत्ते

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अहम निर्देश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सभी आवारा कुत्तों को सड़कों, राज्य के हाईवे और राष्ट्रीय राजमार्गों से तत्काल हटाया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लेकर राज्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और नगरपालिकाओं को भी निर्देश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि आवारा पशुओं को हटाने के

ध्यान रहे, दोबारा मोहल्लों में न घुसें कुत्ते

लिए हाईवे निगरानी टीमें बनाई जाएं जो उन्हें पकड़ कर सड़कों से हटाएगी और शेल्टर होम्स में रखेगी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, बस और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए और उन्हें शेल्टर होम में जगह दी जाए। साथ ही उन्हें टीकाकरण के बाद भी उसी इलाके में न छोड़े जाने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान कुत्तों के काटने के मामलों में चौंकाने वाली बढ़ोतरी की बात कही और आदेश दिया कि आवारा कुत्तों को पकड़ने के बाद उन्हें शेल्टर में टीके दिए जाएं। इसके बाद भी उन्हें पुरानी जगहों पर न छोड़ा जाए। इसके अलावा सार्वजनिक जगहों पर आवारा कुत्तों के दोबारा न घुसने देने के इंतजाम भी तय हों।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने अदालत के आदेश की नाफरमानी करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को सुप्रीम कोर्ट तलब किया था। पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के मुख्य सचिवों ▶10 पर

एसवीएल श्रेणी के आईएनएस इक्षक का जलावतरण

कोच्चि, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

विशाल सर्वेक्षण पोत (एसवीएल) श्रृंखला के तीसरे जहाज, आईएनएस इक्षक को 06 नवंबर को कोच्चि स्थित नौसेना बेस में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम के दौरान भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने की। इस महत्वपूर्ण अवसर पर वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, एफओसीआईएनसी (दक्षिण), वरिष्ठ नौसेना अधिकारी, नौसेना के पूर्व सैनिक, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता के प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। आईएनएस इक्षक को औपचारिक रूप से शामिल किया जाना, भारतीय नौसेना की अपनी जलविज्ञान और समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख को 50 जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन त्रिभुवन सिंह ने कमीशनिंग समारोह की शुरुआत जहाज के कमीशनिंग वारंट के वाचन के साथ की। ▶10 पर

राजद-कांग्रेस का गुब्बारा फट गया: मोदी

पटना, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औरंगाबाद और कैमूर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद ही राजद-कांग्रेस का गुब्बारा पूरी तरह फट गया है। उनके समर्थक भी फिर एक बार एनडीए सरकार का नारा लगा रहे हैं। राजद और कांग्रेस ने बिहार के लोगों को भ्रमित करने की काफी कोशिश की। पीएम मोदी ने कहा कि जंगलराज के युवराज से जब पूछा जाता है कि बड़े-बड़े वादे कैसे पूरे करेंगे? वह कहते हैं कि उनके पास प्लान हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस के नेता के कैसे-कैसे ▶10 पर

वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा

...जो आजादी की लड़ाई का प्रेरणा-गीत बना

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में उत्सव मनाया जा रहा है। 1875 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखे गए इस गीत ने भारत की आजादी की लड़ाई में अमर भूमिका निभाई। इसी गीत ने आजादी के संघर्ष में लाखों देशवासियों को नई ऊर्जा दी थी। यह गीत आज भी मातृभूमि के प्रति समर्पण, एकता और स्वाभिमान का प्रतीक है। बंगदर्शन पत्रिका में प्रकाशित यह गीत देश का राष्ट्रगीत बन गया।

वंदे मातरम् गीत पहली बार 1875 में बंगदर्शन पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। सन् 1882 में इसे बंकिम चंद्र की प्रसिद्ध कृति आनंदमठ में शामिल किया गया। इस गीत को संगीत में ढालने का काम गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने किया। 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में यह गीत पहली बार सार्वजनिक रूप से गाया गया। सात अगस्त 1905 को इसे पहली बार राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल किया गया, जब बंगाल विभाजन के विरोध में लोग सड़कों पर उतरे थे। ▶10 पर

शुभ-लाभ राष्ट्र-चिंतन

1875 में लिखा गया गीत बना भारत का राष्ट्रगीत

वंदे मातरम् से नेहरू ने हटवाए थे मां दुर्गा के श्लोक

महाराष्ट्र के फैजपुर में वर्ष 1937 में हुए कांग्रेस अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू ने वंदे मातरम् गीत से मां दुर्गा के श्लोक हटवा दिए थे। इतिहास के संदर्भों का हवाला देते हुए भाजपा नेता सीआर केसवन ने कहा कि नेहरू के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी ने वंदे मातरम् गीत के साथ आपराधिक छेड़खानी की थी।89 साल पहले किए गए कुकृत्य के तहत वंदे मातरम् से देवी दुर्गा की स्तुति वाले छंद हटा दिए गए थे। जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस पार्टी ने सांप्रदायिक समूहों को खुश करने के लिए यह कृत्य किया, जिन लोगों ने बाद में देश को धार्मिक आधार पर बांट लिया। केसवन कहते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने वंदे मातरम् के केवल पहले दो छंदों को ही स्वीकार किया। सांप्रदायिक तुष्टिकरण के कारण वंदे मातरम् ▶10 पर

बिहार में नहीं आने देंगे जंगलराज : शाह

जमुई, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

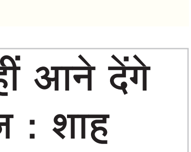

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जमुई में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में जंगलराज दोबारा नहीं आने देंगे।

और न नक्सलियों को दोबारा पनपने देंगे। जमुई सीट से भाजपा की मौजूदा विधायक और कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट श्रेयसी सिंह मैदान में हैं। अमित शाह ने मोदी सरकार की उपलब्धियों पर जोर देते हुए कहा कि एक समय जमुई लाल खून और लाल आतंक से सना था। नक्सलवादियों ने इसे अड्डा बना रखा था। ▶10 पर

जो आचरण अपने प्रति अनुचित लगे, वैसा आचरण दूसरों के प्रति न करें: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि संसार के सभी धर्म एक बात पर सहमत हैं जो आचरण अपने प्रति अनुचित लगे, वैसा आचरण दूसरों के प्रति न करें। यदि कोई आप पर क्रोध करता है और आपको अच्छा नहीं लगता, तो आपको भी किसी पर क्रोध नहीं करना चाहिए। संक्षेप में, यदि आप किसी की समाधि (शांति) में निमित्त बनें तो उत्तम है, परंतु असमाधि (क्लेश) में कारण न बनें। यह सृष्टि का सनातन नियम है-जो आप दूसरों को देंगे, वही आपको मिलेगा। जैसा ध्वनि, वैसा प्रतिध्वनि। जैसा बीज, वैसा फल, जो बोओगे, वही काटोगे, जो दोगे, वही पाओगे। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि संबंधों में मिठास बनाए रखने की एक ही शर्त है दिल का उपयोग करें, दिमाग का नहीं। पहले के समय में जब कोई अपने स्वजन को स्टेशन तक छोड़ने जाता था, तो आंखें नम हो जाती थीं। आज, जब वही स्वजन श्मशान तक पहुंचते हैं, तब भी आंखें सूखी रहती हैं। पहले के युग में घर मिट्टी के होते थे, अब सीमेंट-कंक्रीट के हो गए हैं। सड़कें धूल भरी थीं, अब डांबर और सीमेंट की पक्की बन गई हैं। नदियों पर लकड़ी के पुल थे, अब लोहे के हैं। यह सब ठीक है, पर पहले ऐसे मनुष्य भी थे जो दूसरों के छोटे-से दुःख पर भी रो पड़ते थे। आज सीमेंट और लोहे से भी अधिक कठोर हो गए हैं। मनुष्यों के हृदय - यही कड़वी सच्चाई है। कठोर वस्तुओं के बीच जीना आसान है, पर कठोर व्यक्तियों के बीच जीना अत्यंत कठिन है। वस्तु की सच्ची मालिकी पकड़ में नहीं, बल्कि छोड़ने में है। वस्तु और व्यक्ति इन दोनों में से यदि किसी को छोड़ना पड़े, तो वस्तु को छोड़ देना चाहिए, व्यक्ति को कभी नहीं। जड़ वस्तुओं को संभालने में जीव की उपेक्षा बहुत हुई है, फिर भी जड़ वस्तुएं टिक नहीं पाईं। इसलिए संपत्ति हमें छोड़े उससे पहले या हम संपत्ति को छोड़ें उससे पहले, उसे परोपकार में लगाना चाहिए। यदि संपत्ति दुःखी लोगों के आंसू पोंछने में काम न आए, तो तिजोरी में रखा पैस हो या पस्ती दोनों की कीमत शून्य है। भगवान महावीर स्वामी के 108 अभिषेक का लाभ निर्मला बाई, पुखराज जैन ने लिया। इस अवसर पर अरुणा बाई, पवित्रा जैन, ममता सोलंकी, टिना सोलंकी, मधु जैन आदि सकल संघ ने अभिषेक किया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हमारे जीवन की किताब का पहला पृष्ठ जन्म और अंतिम पृष्ठ मृत्यु है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिराज श्री मलयप्रभागरजी एवं साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी का चार माह के सफल श्रुतोपासना चातुर्मास के पश्चात चातुर्मास परिवर्तन विहार पन्नालाल, गौतमचंद पुखराज कवाड के निवास पर हुआ। पूज्य गुरुदेव और गुरुवर्या श्री विहार करके बसवनगुड़ी स्थित कवाड निवास पर पधारे जहां धर्मसभा को संबोधित करते हुए मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि यह परमात्मा की आज्ञा है कि साधु साध्वी जी का विहार चातुर्मासिक चतुर्दशी की आराधना के पश्चात कार्तिक पूर्णिमा के दिन होता है। हमारे जीवन की किताब का पहला पृष्ठ जन्म और अंतिम पृष्ठ मृत्यु का होता है। इस किताब के बीच के पृष्ठों में हमें अपने कर्मों का हिसाब किताब लिखना होता है। जैसा हम कर्म करेंगे उसी प्रकार से हमारा परभव का बंध होगा। इससे पूर्व प्रातः कार्तिक पूर्णिमा के उपलक्ष्य में शत्रुंजय गिरिराज की भाव यात्रा बहुत ही भावपूर्वक करवाई। साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी ने कहा कि चातुर्मास के पश्चात ही हमारी सही परीक्षा होती है कि हमने चातुर्मास काल में क्या सीखा और क्या पाया और उसी को हमें पूरे वर्षभर की अपनी जीवनचर्या में आचरण में लाना है। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, संघवी तेजराज गुलेच्छा, संघवी विजयराज डोसी, राजेन्द्र गुलेच्छा एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति में दादावाड़ी से प्रातः गुरु वन्दन और मांगलिक के पश्चात विहार हुआ। जिसमें सकल संघ ने गुरुदेव और गुरुवर्या जी को भावभीनी विदाई दी। कवाड निवास पहुंचने पर परिवार द्वारा चारित्र आत्माओं का भावभीना स्वागत किया और अभिनन्दन में गीतिकाएं प्रस्तुत की। उपरोक्त जानकारी ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने प्रदान की। विहार में दादावाड़ी ट्रस्ट के सदस्यों के साथ समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

वर्षीतप पारणा भवन के लाभार्थी परिवार का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट बेंगलूरु के तत्वावधान में विश्व में सर्व प्रथम वर्षीतप भवन 6600 वर्ग फिट भूखण्ड पर कुल 42000 वर्ग फिट का 6 मंजिला वर्षीतप पारणा भवन का निर्माण होने जा रहा हैं। जैन समाज के लिये सर्वोपयोगी भव्य वर्षीतप भवन धार्मिक सामाजिक एवं व्यवारिक कार्यों के लिए उपलब्ध रहेगा एवं बाहर गांव से अध्ययन एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिये हॉस्टल की व्यवस्था एवं कायमी भोजनालय का निर्माण भी किया जायेगा। बाहर गांव से इलाज या व्यवहारिक कार्य के लिये बेंगलूरु पधारने वालों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था रहेगी। इस वर्षीतप भवन के मुख्य लाभार्थी भंवरीबाई घेवरचंद, दिलीपकुमार, आनंदकुमार सुराणा बालराई निवासी परिवार बेंगलूरु ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता, उपाध्यक्ष महावीर श्रीश्रीमाल, मंत्री संतोष चौहान, कोषाध्यक्ष गजेंद्र चंदावत, भवन निर्माण के वित्त कमेटी चेयरमैन प्रवीण सोनिगरा एवं अरविंद डोशी ने लाभार्थी परिवार का आभार प्रकट करते हुए सम्मानित किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

दान देने के लिए भी पुण्य चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दान श्रेष्ठ है। छहकाय जीवों को दान अनुकरणीय है और दीक्षा का दान सर्व श्रेष्ठ है। आचार्य जयमल जी ने अपनी संयम यात्रा में 700 जनों को संयम रत्न का दान दिया। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आचार्य जयमल दीक्षा जयंती प्रसंग पर प्रवचन में उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि दान देने के लिए भी पुण्य चाहिए। बिना पुण्य के दान देने की इच्छा भी नहीं होती है। श्रावक जयमल ने आचार्य भूधर जी का मात्र एक प्रवचन ब्रह्मचर्य विषय पर सुना और अब्रह्म से होने वाली हिंसा को सुनकर यौवन में काम भोग की भावना से स्वयं को मुक्त कर वैरागी हो गए और मुनि बन गए। जीवन में 40 मासखमन किए। बीकानेर धरा को धर्म के नाम पर हो रहे पाखंड से मुक्त किया और अपनी आत्मा को मोक्ष के योग्य बना लिया। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि इतिहास पढ़ना, लिखना सरल है किंतु स्वयं का स्वर्णिम इतिहास बनाने के लिए साधना करनी होती है। दूसरों को धक्का देना सरल है, स्वयं को साधना के क्षेत्र में धक्का देने वाले आचार्य जयमल जी थे। वे वचनों के उत्कृष्ट धनी थे। लांबिया में मो-हनदास महिमा देवी के यहां जन्मे जयमल जी ने मात्र 3 घंटों में आवश्यक सूत्र कंठस्थ किया। अनेक क्षेत्रों में विचरण करते हुए जैन साहित्य को भी समृद्ध किया। उनकी दीक्षा भूमि मेड़ता थी 31 दिन के संथारे के साथ नागौर में देवलोक गमन हुआ। प्रवचन सभा में बेंगलूरु महासंघ के अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा, जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण गोटावत, प्रांतीय अध्यक्ष उत्तमचंद गादिया सहित अनेक पदाधिकारियों ने ब्रह्मचर्य व्रत स्वीकार करने के लिए महेंद्र कुमार लाड़कंवर बाई भंसाली का सम्मान किया। साध्वी रिद्धिप्रभा जी, नवकार बहु मंडल एवं जयमल महिला मंडल ने गीतिका प्रस्तुत की। अलसूर संघ की ओर से मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्य जयमल जी का गुणानुवाद करते हुए उन्हें युग क्रांति महापुरुष कहा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

जीएसटी कटौती के बावजूद अक्टूबर में वाणिज्यिक कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कटौती के बाद भी, अक्टूबर में राज्य के वाणिज्यिक कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले सात महीनों में सबसे अधिक कर संग्रह हुआ है। वाणिज्यिक कर विभाग के अनुसार, पिछले साल अक्टूबर में वाणिज्यिक करों में कुल 9498.67 करोड़ रुपये एकत्र हुए थे। अप्रैल के बाद से यह सबसे अधिक मासिक कर संग्रह है। यह पिछले साल अक्टूबर की तुलना में 387.25 करोड़ रुपये अधिक है। पिछले साल अक्टूबर में वस्तु एवं सेवा कर में 7291.54 करोड़ रुपये, कर्नाटक बिक्री कर में 2104.53 करोड़ रुपये और व्यावसायिक कर में 102.60 करोड़ रुपये एकत्र हुए थे। व्यावसायिक कर को छोड़कर, अन्य दो कर सितंबर की तुलना में अधिक हैं। यदि तीनों करों के कुल संग्रह को शामिल किया जाए, तो अक्टूबर में सितंबर की तुलना में 607.04 करोड़ रुपये अधिक संग्रह हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 102585.52 करोड़ रुपये कर संग्रह किए गए।

संपत्ति विवाद को लेकर व्यक्ति ने मां की हत्या की

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के विद्यानगर थाना पुलिस ने संपत्ति विवाद में अपनी वृद्ध मां की बेरहमी से हत्या करने वाले 60 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने संवाददाताओं को बताया कि आर-ोपी अशोक मूलखोड़ (60) अपनी मां निंगव्वा मूलखोड़ (78), जो ब्रह्मगिरी कॉलोनी में रहती हैं, द्वारा अपनी बेटियों को अपने गहने देने से कथित तौर पर नाराज था। बुजुर्ग महिला के नाम एक छोटा सा आव-ासीय प्लॉट था। अशोक उस पर प्लॉट अपने नाम करने का दबाव बना रहा था। हालांकि, उसकी मां ऐसा करने से हिचकिचा रही थी। उसने बताया कि अशोक ने अपनी मां पर एक लकड़ी के तख्ते से हमला किया जिसमें एक कील लगी थी।

सीनियर सिटीजन हेल्थ चेक-अप कैंप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री तुलसी महाप्रज्ञ सेवा केंद्र चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार को सीनियर सिटीजन हेल्थ चेक-अप कैंप का शुभारंभ किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत बेंगलूरु के विभिन्न आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर्स पर लगभग 200 वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सेवाएं प्रदान की गई। कार्यक्रम के संयोजक राजेश चावत ने बताया कि पूरे बेंगलूरु से इस कैंप को अत्यंत उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सेवा भावना को समर्पित है। ट्रस्ट के अध्यक्ष ललित मांडोत ने सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। ट्रस्ट के मंत्री लादू लाल बाबेल ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों और स्वयंसेवकों को धन्यवाद प्रेषित किया। इस सेवा कार्य में राजेश देरसरिया, राकेश छाजेड़, संतोष तथा एटीडीसी टीम का विशेष योगदान रहा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीएमएस पीयूसी महिला महाविद्यालय बसवनगुड़ी में क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक उत्सव गैलेक्सी 2025 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, डॉक्टर सुरेश, सुनीता के, डॉक्टर रघु कुमार एन ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा खेल को खेल की भावना से खेलें। 25 से भी ज्यादा महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

सम्मेत शिखर एवं अन्य कल्याणक भूमियों का यात्रा हर्षोल्लास से सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ, ब्यावर के तत्वावधान में एक विशाल 204 सदस्यों का यात्रा संघ श्री सम्मेत शिखर जी तथा अन्य तीर्थों एवं कल्याणक भूमियों की यात्रा सानंद संपन्न कर लौटा।

इस यात्रा संघ के मुख्य संयोजक अभय कुमार, संदीप कुमार चौपड़ा परिवार, ज्ञानचंद, कमल कुमार श्रीश्रीमाल परिवार, विनोद कुमार भंडारी परिवार भीलवाड़ा निवासी और भंवरी देवी, लक्ष्मी देवी, दीपक छाजेड़ बेंगलूरु फालना निवासी हाला वाला परिवार थे। संघ के संयोजक अभय कुमार चोपड़ा ने बताया कि संघ बिलाड़ा दादा गुरुदेव के दर्शन करते हुए जोधपुर से वर्धमान पहुंचा वहां से अजीमगंज जियागंज होते हुए चम्पापुरी, काकंदी, लच्छवाड़, क्षत्रियकुंड, सम्मेत शिखर, पावापुरी, कुंडलपुर, ऋजुवालिका, सीतामढ़ी, राजगृही, गुणाया जी, भद्दिलपुर होते हुए कलकत्ता से वापसी की। इस दौरान संघ के संयोजक कमल श्रीश्रीमाल ने बताया कि सभी यात्रियों ने 50 कल्याणक भूमियों की सेवा- पूजा व दर्शन-वंदन किए। यात्रा संघ में अरविंद कोठारी ने सभी तीर्थ स्थानों पर उनका इतिहास व उन तीर्थों की महिमा बताई। संघ के मार्गदर्शक निहाल चंद चोपड़ा ने बताया कि इस संघ में दिल्ली, चेन्नई, बेंगलूरु, जयपुर, अहमदाबाद से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया व ऐसे ऐसे सूदूर तीर्थों की स्पर्शना की जहां अकेला व्यक्ति नहीं जा सकता है। संघ के ललित डाकलिया ने बताया कि जिस भूमि पर तीर्थंकर परमात्माओं के च्यवन, जन्म, दीक्षा, केवलज्ञान और मोक्ष होते हैं उन्हें कल्याणक भूमि कहते हैं। इस यात्रा के दौरान पचास कल्याणक भूमि की यात्रा हुई और अनेक प्राचीन तीर्थों की स्पर्शना का लाभ मिला। संघ सहयोगियों का भद्दिलपुर तीर्थ में तिलक, शाल, माला और स्मृति चिन्ह द्वारा अभिनन्दन बहुमान यात्रियों की ओर से किया गया और साथ ही सभी यात्रियों ने बढ़ चढ़ कर सभी तीर्थों में अपनी लक्ष्मी का सदुपयोग किया।

जनवरी में गिर जाएगी कांग्रेस सरकार, भाजपा मध्यावधि चुनाव के लिए तैयार: सुनील कुमार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला से भाजपा विधायक सुनील कुमार ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के जल्द ही गिरने की भविष्यवाणी की है और दावा किया है कि भाजपा मध्यावधि चुनावों की तैयारी कर रही है। सुनील कुमार ने संवाददाताओं से कहा राज्य सरकार निश्चित रूप से जनवरी तक गिर जाएगी। इसलिए हम मध्यावधि चुनावों की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने आंतरिक नेतृत्व विवादों में उलझे रहने के कारण विकास को अवरुद्ध करने के लिए सत्तारूढ़ दल की आलोचना की। पिछले ढाई साल से समय बर्बाद हो रहा है। तथाकथित 'नवंबर क्रांति' की शुरुआत कांग्रेस ने की थी। मंत्री इस पर अंतहीन चर्चा करते रहते हैं, लेकिन गांवों से लेकर विधान सभा तक, शासन के पतन पर कोई बहस नहीं होती। मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह कांग्रेस का मामला है, भाजपा का नहीं। इस असमंजस को देखते हुए, सत्तारूढ़ दल के विधायक अलग-अलग गुटीय बैठकें करते दिख रहे हैं। सुनील कुमार ने आगे कहा कि जनता के स्पष्ट जनादेश के बावजूद, सरकार आंतरिक कलह में डूब गई है। विकास एक मृगतृष्णा बन गया है। यह सरकार अपनी ही आंतरिक अराजकता में गिर जाएगी। पहले वे प्रधानमंत्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए विशेष विमानों से उड़ान भरते थे। अब उनका ध्यान केवल सत्ता बरकरार रखने और उसे सुरक्षित रखने पर है। दिल्ली की चर्चाओं का विकास या शासन से कोई लेना-देना नहीं है। लोग इस सरकार के गिरने का अनुमान लगा रहे हैं। इस मुद्दे पर बोलते हुए, सुनील कुमार ने कहा जो लोग अज्ञानी हैं वे लगातार आरएसएस के बारे में बात करते रहते हैं। अज्ञानी और अशिक्षित लोगों के बारे में अत्यधिक चर्चा मददगार नहीं है। बेलगावी में गन्ने की कीमतों को लेकर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा लोग पहले से ही एक निश्चित मूल्य पर जोर दे रहे थे।

युद्ध की स्थिति में मुख्यमंत्री को शस्त्र अभ्यास नहीं करना चाहिए: विजयेंद्र

गन्ना किसानों से माफी मांगने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधायक यशवंत रायगौड़ा पाटिल ने गन्ना किसानों के संघर्ष की बात करते हुए कहा है कि वे गन्ना किसान हैं ही नहीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मांग की कि गन्ना किसानों का अपमान करने के लिए वे तुरंत माफी मांगें। युद्ध की स्थिति में शस्त्र अभ्यास करने के बजाय, मुख्यमंत्री को गन्ना पेराई शुरू होने से एक-दो महीने पहले यह वार्ता बैठक बुलानी चाहिए थी। देर हो चुकी है। किसानों के धैर्य की परीक्षा मत लीजिए। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर हाथ बांधकर मत बैठिए। मुख्यमंत्री जी, आपको जितनी कुर्सी की चिंता है, उससे दस प्रतिशत गन्ना किसानों की भी चिंता कीजिए। फिर किसान आपकी पूजा करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे इसमें राजनीति करने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। हमारी प्रतिबद्धता केवल गन्ना उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए है। गन्ना उत्पादकों को ऐसी स्थिति में नहीं आना चाहिए था कि उन्हें सड़कों पर उतरकर संघर्ष करना पड़े। मुख्यमंत्री गन्ना उत्पादकों के मुद्दे पर सुस्ती बरत रहे हैं। उन्होंने उदासीनता दिखाई है। अब संघर्ष तेज हो गया है। सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। क्या अब आप प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर राज्य सरकार की शिकायत करने की कोशिश करेंगे। एफआरपी अकेले प्रधानमंत्री तय नहीं करते। सभी राज्य अधिकारी और विशेषज्ञ राय लेकर यह तय करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र चाहे जितना भी एफआरपी तय करे, राज्य सलाहकार मूल्य (एसएपी) ज्यादा चुकाने की संभावना है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मानवीय दृष्टिकोण से सोचने का आग्रह किया। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इससे पहले, जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब इसी भाजपा ने गन्ना उत्पादकों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक बैठक की थी और मूल्य तय किया था। हमें केंद्र और हम पर दोषारोपण करना बंद कर देना चाहिए। अगर समस्या का समाधान करने की इच्छाशक्ति है, तो आज ही निर्णय लें। सिद्धरामैया, क्या आपको विठ्ठल अरबावी की आत्महत्या याद है? आप तब भी लापरवाह थे। आबकारी विभाग को अधिक राजस्व तभी मिल सकता है जब गन्ने की पेराई हो। उन्होंने आपत्ति जताई कि आप, जो आय की चिंता में हैं, गन्ने का वैज्ञानिक मूल्य तय करने की जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे हैं। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा गन्ना किसानों के मुद्दे पर राजनीति नहीं कर रही है। अगर राजनीति करनी होती, तो हम पहले ही दिन संघर्ष में शामिल हो जाते। हम चुप थे, कह रहे थे कि हमें राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने आलोचना की कि छह दिन बीत जाने के बाद भी एक जिम्मेदार सरकार ने एक भी मंत्री नहीं भेजा है। उन्होंने पूछा कि समस्या के समाधान के लिए आपका क्या प्रयास है। वंदे मातरम गीत ने देश के स्वतंत्रता संग्राम की आग को प्रेरित किया है। देश के प्रत्येक स्वाभिमानी भारतीय को वह गीत याद रखना चाहिए। भारत को 2047 तक एक विकसित देश बनना है। भारत एक शक्तिशाली और समृद्ध देश के रूप में उभरा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वंदे मातरम उन्हें इस दिशा में प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पूरे देश में सार्थक रूप से मनाई जा रही है।

सामूहिक गायन आयोजित

इससे पहले मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में शुक्रवार सुबह 'वंदे मातरम' गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, सांसद पी.सी. मोहन, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, प्रदेश महासचिव पी. राजीव, विधायक डॉ. शैलेंद्र बेलदाले, बसवराज मट्टीमाडु, विधान परिषद सदस्य भारती शेट्टी, केशव प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं वंदे मातरम 150वीं वर्षगांठ की प्रदेश समन्वयक मालविका अविनाश, प्रदेश सचिव विनय बिद्रे, अंबिका हुलिनाईकर, शरणु तारिकेरी, एच.सी. तमेश गौड़ा, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा, राज्य पदाधिकारी, पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम का उद्घाटन किया, इससे पहले बी.वाई. विजयेंद्र और अन्य गणमान्य लोगों ने इसे टीवी पर देखा।

वन मंत्री ने बांदीपुर और नागरहोल में सफारी बंद करने का आदेश दिया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु क्षेत्र में बाघों के बढ़ते हमलों और किसानों की दुखद मौतों के बीच, कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने नागरहोल और बांदीपुर में सफारी गतिविधियों को तत्काल बंद करने के आदेश दिए हैं, साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष क्षेत्रों में ट्रैकिंग गतिविधियों को भी स्थगित कर दिया है। मंत्री ने निर्देश दिया है कि मनुष्यों पर बार-बार हमले करने वाले बाघ को पकड़ने के अभियान में सभी उपलब्ध वन कर्मियों को तैनात किया जाए। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और मुख्य वन्यजीव वार्डन को लिखे एक लिखित निर्देश में, खंड्रे ने चौदैया नायका (35) की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया, जिनकी शुक्रवार सुबह मैसूरु जिले के सारागुर तालुक के मोलेयुर रेंज में हेल हेग्गोडिलु गांव के पास बाघ के हमले में मौत हो गई थी। उन्होंने आदेश दिया कि दोनों सफारी गतिविधियां अगली सूचना तक बंद रहेंगी और अधिकारियों और सफारी कर्मचारियों की सेवाएं बाघ को पकड़ने के अभियान में लगाई जाएं। मंत्री ने बताया कि पिछले एक महीने में मैसूरु और चामराजनगर जिलों के नागरहोल-बांदीपुर जंगलों के किनारे बाघों के हमलों में तीन लोगों की जान जा चुकी है, जिसे उन्होंने बेहद दुखद बताया। 27 अक्टूबर को बांदीपुर और 2 नवंबर को चामराजनगर में हुई बैठकों का जिक्र करते हुए, जिनमें चामराजनगर जिले के प्रभारी मंत्री के. वेंकटेश, मैसूरु जिले के प्रभारी और समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच.सी. महादेवप्पा और स्थानीय विधायकों ने हिस्सा लिया था, खंड्रे ने कहा कि बाघ को पकड़ने के प्रयासों को तेज करने और जरूरत पड़ने पर सफारी अभियान बंद करने के लिए तैयार रहने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा फिर भी, ऐसी दुखद घटना की पुनरावृत्ति चौंकाने वाली है। शुक्रवार को बाघ के हमले से हुई मौतों की सूचना के मद्देनजर, मंत्री ने आदेश दिया है कि संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में ट्रैकिंग रोक दी जाए और सभी अधिकारियों, सफारी कर्मचारियों और वाहन चालकों को बाघ को पकड़ने के अभियान में फिर से लगाया जाए। उन्होंने अतिरिक्त पीसीसीएफ (वन्यजीव) और प्रोजेक्ट टाइगर निदेशकों को मौके पर डेरा डालने और बाघ को पकड़ने के प्रयासों की व्यक्तिगत निगरानी करने का भी निर्देश दिया है।

मैसूरु जिले में बाघ के हमले में किसान की मौत

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के सारागुर तालुका में शुक्रवार को बाघ के हमले में एक और किसान की मौत हो गई, जिससे मानव-बाघ संघर्ष ने अधिकारियों को सकते में डाल दिया है। यह इस तरह की तीसरी मौत है। यह ताजा घटना हेल हेग्गुडिलु गांव में भोर में हुई। किसान अपने खेत में गया था, तभी एक बाघ उसे घसीटकर ले गया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना तब प्रकाश में आई जब स्थानीय ग्रामीणों ने जंगल और गांव से सटी हाथी-रोधी खाई में एक शव देखा। अनुमान लगाया जा रहा है कि पास में ही छिपे बाघ ने किसान पर हमला किया, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और उसे उस खाई में घसीटकर ले गया जहां उसका शव मिला। बांदीपुर टाइगर रिजर्व के उप वन संरक्षक, प्रभाकरण, जिन्होंने घटना की पुष्टि की, ने बताया कि जिस गांव में बाघ का हालिया हमला हुआ, वह पिछली घटना स्थल, मुलियुरु रेंज के कूडागी गांव से 6 से 7 किलोमीटर की हवाई दूरी पर है,

जहां डोड्डानिंगैया की बाघ के हमले में जान चली गई थी। हालांकि अधिकारी उसी बाघ के शामिल होने की संभावना से इनकार करते हैं, अन्य सूत्रों का कहना है कि सर्दियों की शुरुआत के साथ ही वन्यजीवों का प्रजनन के लिए आवागमन भी शुरू हो जाता है, और किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले कुछ हफ्तों में सारागुर-एचडी कोटे क्षेत्र में बाघों के चार हमले हुए हैं। तीन किसानों की जान जा चुकी है, जबकि एक की आंखों की रोशनी चली गई है और उसका मैसूरु के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। चार जगहों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है जहां संघर्ष की खबरें आई हैं, या मानव बस्तियों के पास बाघ देखे गए हैं। इस ताजा घटना के साथ-साथ यह पांचवां ऐसा अभियान होगा। बाघों के चार हमलों में से, अधिकारियों ने कैमरा ट्रैप तस्वीरों के आधार पर दो बाघों की पहचान कर ली है, जबकि एक को पकड़कर बन्नेरघट्टा भेज दिया गया है। हाल ही में, वन मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने मानव-पशु संघर्ष के समाधान पर विचार-विमर्श करने के लिए चामराजनगर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और किसानों से मुलाकात की। उन्होंने संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए एक आठ-सूत्रीय कार्ययोजना तैयार की। इसमें संघर्ष के प्रमुख क्षेत्रों में अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती भी शामिल थी।

हरिप्रसाद ने भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए असंवैधानिक हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधान पार्षद बी के हरिप्रसाद ने मेंगलूरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा पर असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक तरीकों से चुनावी जीत हासिल करने का आरोप लगाया। बिहार चुनावों पर बोलते हुए, हरिप्रसाद ने अराजक रस्साकस्सी की धारणाओं को खारिज करते हुए कहा कि असली मुकाबला कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन और चुनाव आयोग के बीच है। जब अंपायर मैदान में उतरता है तो ध्यान से देखना चाहिए कि क्या होता है। हरियाणा, जहां वे जिम्मेदार हैं, के बारे में हरिप्रसाद ने आरोप लगाया कि आठ निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग 22,000 वोट गायब थे। उन्होंने दावा किया, 210 मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए ब्राजीलियाई मॉडलों की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा पहले विधायकों की चोरी में शामिल रही है और जैसा कि राहुल गांधी

ने कहा है, अब वोटों में हेराफेरी कर रही है। उन्होंने कहा इन तरीकों से भाजपा संविधान और लोकतांत्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है। हरिप्रसाद ने कागेरी की इस टिप्पणी की निंदा की कि 'जन गण मन' भारत का राष्ट्रगान नहीं है। उन्होंने मांग की कि उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाए। हमारा राष्ट्रगान नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित था। भाजपा के कृत्य हमारी संस्कृति के प्रतीक टैगोर और गांधी का अपमान करते हैं। यह उनके आचरण को स्पष्ट रूप से राष्ट्र-विरोधी बनाता है। मंत्रियों के दिल्ली दौरे के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में, हरिप्रसाद ने कहा आपको कैसे पता कि वे किसी खास मकसद से जाते हैं? मैं खुद अक्सर दिल्ली जाता हूं। किसी भी तरह की गलत मंशा रखने की कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस के भीतर फैसले राज्य के विधायकों और राष्ट्रीय नेताओं द्वारा लिए जाते हैं, न कि किसी व्यक्ति द्वारा। कैबिनेट विस्तार के दौरान खुद को मंत्री पद मिलने की अटकलों के बारे में उन्होंने कहा अगर सोनिया गांधी या राहुल गांधी कुछ कहते हैं, तो हम उसका पालन करते हैं बस इतना ही। हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा बच्चों पर अत्याचार से लेकर कश्मीर के हालात तक, भाजपा के मंत्री आरोपी पक्षों के साथ खड़े रहे हैं। आरएसएस ने हमें कुछ नहीं सिखाया और सनातन धर्म के लिए खतरा है। पिछले 100 वर्षों में, इस संगठन ने हमारे धर्म और राष्ट्र को खतरे में डाला है। उन्होंने उन लोगों की भी आलोचना की जो पहले तालिबान का विरोध करते थे, लेकिन अब उन्हें आमंत्रित कर रहे हैं और 200 करोड़ रुपये की सहायता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसे कदमों का समर्थन नहीं कर सकती। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता, बहुलवाद और संवैधानिक शासन की पक्षधर है, और आरोप लगाया कि भाजपा की रणनीति इन लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा है। आरएसएस पृष्ठभूमि वाले कांग्रेस सदस्यों के दावों पर उन्होंने कहा हो सकता है कि दो या तीन हों, लेकिन उनके नाम मेरे ध्यान में नहीं आए हैं। यहां उनकी संस्कृति अलग है, और हमने उन्हें सुधारा है।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आर्थिक ब्लैकमेल के लिए ट्रंप पर निशाना साधा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जिन्होंने कहा कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा राष्ट्रीय हित के संबंध में व्यक्त किए गए विचारों से सहमत हैं, ने अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाने पर सवाल उठाया है। अपने सोशल मीडिया पर, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने को आर्थिक ब्लैकमेल बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सच्ची कूटनीति और राष्ट्रीय हित के अनुरूप कार्य न करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी इससे पहले जीएसटी, नोटबंदी, चीनी आक्रामकता, मोदी-अडानी गठजोड़, कोविड की विफलता, कृषि कानूनों, राफेल घोटाले, पीएम-केयर्स फंड, चुनावी

बॉन्ड को लेकर बयान दे चुके हैं। भाजपा ने उनका मजाक उड़ाया था। लेकिन सिद्धरामैया ने कहा कि राहुल गांधी ने बार-बार अपने दावों को साबित किया है। 2019 में, मोदी और नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम क्रमशः अमेरिका और भारत में आयोजित किए गए थे। लेकिन सिद्धरामैया ने कहा कि ट्रंप इनमें से किसी भी घटना से प्रभावित नहीं हुए और उन्होंने कूटनीतिक तौर पर इन पर ध्यान नहीं दिया। भारत पर कर लगाना सच्चे दोस्त नहीं करते। ट्रंप ने 33 बार दावा किया है कि ऑपरेशन सिंधूर के दौरान युद्धविराम के लिए वे जिम्मेदार थे। सिद्धरामैया ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख पर अमेरिका में उनकी मेजबानी करने का भी आरोप लगाया है। विदेश नीति को व्यक्तिगत प्रचार से नहीं चलाया जा सकता। 1970 के दशक में भारत की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी ने अमेरिकी दबाव के बावजूद कड़ा रुख अपनाया था। सिद्धरामैया ने सुझाव दिया कि मोदी को उनसे बहुत कुछ सीखना है। भारत पर टैरिफ लगाने वाले ट्रंप अब उस पर रूस से संबंध तोड़ने का दबाव बना रहे हैं। यह हमारे देश की संप्रभुता पर सीधा हमला है। सिद्धरामैया ने चेतावनी दी कि विदेशी ताकतों द्वारा घरेलू हितों के अनुसार व्यापार के विकल्प तय करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

सरकार ने 3 लाख करोड़ रुपये के ऋण की गारंटी दी: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है कि राज्य की कांग्रेस सरकार पिछले तीन सालों में 3 लाख करोड़ रुपये का कर्जदार हो गई है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के राज्य आगमन का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि आइए प्रार्थना करें कि माँ महालक्ष्मी वित्तीय संकट से जूझ रही राज्य सरकार को सारी संपत्ति प्रदान करें। इस संबंध में उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया कि राज्य के जीएसडीपी में कर्ज का अनुपात 24.91 प्रतिशत है। आपकी गारंटी योजना के लिए हर साल 55 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार पर पिछले तीन सालों से एक लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष कर्ज होने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक खुद कह रहे हैं कि विकास के लिए पैसा नहीं है, जो राज्य सरकार की वित्तीय तंगी की पुष्टि करता है।

गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र में भी फर्जी मतदाता पंजीकरण: गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि जिस गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र का वे प्रतिनिधित्व करते हैं, वहां भी बड़ी संख्या में फर्जी मतदाता पंजीकरण हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गंभीर आरोप लगाया है कि उनके पास इसके समर्थन में दस्तावेज मौजूद हैं। बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित एक विशाल विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि चिक्कपेट में 100 वर्ग फुट की 10 10 फुट की दुकान के पते पर 70 से 100 मतदाता पंजीकृत हैं। जब हमने इसकी जांच की, तो पता चला कि वहां कोई भी नहीं था। मैंने इस संबंध में चुनाव आयोग को व्यक्तिगत रूप से एक पत्र लिखा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। राहुल गांधी द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद, चुनाव आयोग निर्धारित प्रारूप में प्रमाण पत्र मांग रहा है। मैंने गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में कमियों के बारे में आयोग को पत्र लिखा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। राहुल गांधी द्वारा उन्हें प्रमाण पत्र जमा करने के लिए कहना कितना सही है? जब गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो चुनाव आयोग को कमियों को दूर करने के लिए दृढ़ रहना चाहिए। लेकिन अपनी जिम्मेदारी न निभाने वाला आयोग विपक्षी दलों के नेताओं की आलोचना कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह निष्पक्ष चुनाव कराने की अपनी जिम्मेदारी से बच रहा है। चाहे कितनी भी आलोचना और विरोध का सामना करना पड़े, राहुल गांधी डरपोक नेता नहीं हैं। वह निडरता से सच बोलते हैं। पिछले दिनों कोविड काल में उन्होंने चीनी अतिक्रमण, नोटबंदी और अवैज्ञानिक जीएसटी समेत कई मुद्दों पर सच बोला था। भाजपा ने उनका मजाक उड़ाया था। हालांकि, राहुल गांधी ने सच बोलना बंद नहीं किया है और न ही रुकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी समेत कोई भी राहुल गांधी का मुंह बंद नहीं कर सकता है। नेहरू और इंदिरा गांधी के समय में भारत की विदेश नीति मजबूत थी। अब यह क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि देश की अर्थव्यवस्था खतरे में है।

ऑपरेशन सिंदूर-2 की आहट, पर एलओसी पर बंकर हुए नहीं तैयार

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 07 नवंबर। ऑपरेशन सिंदूर-2 की आहट फिर से आने लगी है। पर एलओसी से सटे इलाकों में रहने वालों को ऑपरेशन सिंदूर-1 के दौरान पाक गोलाबारी से हुई तबाही याद आ रही है। ऑपरेशन सिंदूर-1 के छह महीने बाद भी उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उड़ी इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास रहने वाले निवासियों का कहना है कि उनकी जिंदगी में कोई बदलाव नहीं आया है, क्योंकि बंकरों की लंबे समय से चली आ रही मांग अनसुनी हो रही है। ऑपरेशन से पहले, ग्रामीणों ने सीमा पार से गोलाबारी के दौरान अपनी सुरक्षा के लिए बंकरों के निर्माण की बार-बार अपील की थी। आधे साल बाद भी, मांग जस की तस बनी हुई है।

एलओसी से सटे चरुंडा गांव के पूर्व सरपंच लाल दीन खटाना बताते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से एक भी बंकर नहीं बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों में सरकार ने कोई नया बंकर नहीं बनाया है। हमारे यहां जो भी बंकर हैं, वे लगभग चार साल पहले बनाए गए थे। स्थानीय निवासी लाल हुसैन कोहली कहते हैं कि यह इलाका सीमा पार से गोलीबारी के लिए बेहद संवेदनशील बना हुआ है और यहां तत्काल कार्यात्मक बंकरों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कि यहां लगभग आठ सामुदायिक बंकर हैं, लेकिन वे सभी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं और उपयोग के लायक नहीं हैं।

इसी तरह से गरकोट गांव के बशीर अहमद भट ने भी इसी तरह की चिंताएं व्यक्त कीं। वे कहते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बंकर निर्माण के लिए कोई सरकारी सहायता नहीं मिली है। अगर सीमा पार से फिर से गोलाबारी हुई, तो हम कहां जाएंगे? भट कहते हैं कि सरकारी मदद के अभाव में, कई ग्रामीणों ने अपने सीमित संसाधनों का उपयोग करके खुद ही अस्थायी बंकर बनाने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि हम गरीब लोग हैं, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हमें अपने परिवारों की रक्षा करनी है। उड़ी के मोथल गांव के निवासी मंजूर अहमद ने तो चौंकाने वाला रहस्योदघाटन किया कि उनके गांव में तो एक भी बंकर नहीं बना है। सीमावर्ती एक अन्य बस्ती, सिलिकोटे गांव के इरशाद अहमद के मुताबिक यहां कोई नया बंकर नहीं बना है। हमारी जान को खतरा बना हुआ है। वे कहते थे कि पुराने बंकर भी जर्जर हो गए हैं और गोलाबारी के दौरान निवासियों को सुरक्षित रूप से रहने की अनुमति नहीं देते हैं।

वर्ष 2020 में सरकार ने नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़ी में कई सामुदायिक बंकरों के निर्माण का प्रस्ताव रखा था। कुछ पूरे हो गए, जबकि कई विभिन्न चुनौतियों के कारण अधूरे रह गए हैं। पिछले महीने, जम्मू कश्मीर सरकार ने विधानसभा को सूचित किया कि उड़ी के सीमावर्ती गांवों में स्वीकृत 202 व्यक्तिगत बंकरों और ऊपरी सुरक्षा खाइयों में से 40 का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि शेष 162 का निर्माण अगले चार सप्ताह में पूरा होने की उम्मीद है। यहां यह बताना जरूरी है कि इसी साल मई में, बारामुल्ला के उपायुक्त (डीसी) ने भी उड़ी सेक्टर में 202 ऊपरी सुरक्षा खाइयों के निर्माण को मंजूरी दी थी। हालांकि, कई निवासियों ने इन खाइयों को पैसे की बर्बादी बताया है। कमलकोट गांव के निवासी तारिक हाशिम बताते हैं कि वे उथली भूमिगत खाइयां खोद रहे हैं और उन्हें लकड़ी के तख्तों और मिट्टी से ढंक रहे हैं। भारी गोलाबारी के दौरान ऐसी संरचनाएं असुरक्षित और बेकार होती हैं। हमें उचित कंक्रीट के बंकरों की जरूरत है।

महाराष्ट्र में मंत्री के बेटे को दलितों की जमीन कौड़ियों में बेची, मोदी हैं मौन : राहुल

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को दलित विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया और कहा कि महाराष्ट्र के एक प्रभावशाली मंत्री के बेटे को दलितों के लिए आरक्षित सरकारी जमीन कौड़ियों के भाव बेची जाती है लेकिन श्री मोदी इस पर कुछ नहीं बोलते।उन्होंने कहा कि इस जमीन की कीमत 1800 करोड़ रुपए से अधिक है लेकिन राज्य सरकार के प्रभावशाली मंत्री के बेटे को कंपनी चलाने के लिए सरकार ने यह जमीन महज 300 करोड़ रुपए में बेच दी और स्टाम्प ड्यूटी में भी छूट भी दे दी। आश्चर्य की बात यह है कि खुद को दलितों का हितैषी बताने वाले प्रधानमंत्री मोदी इस बारे में मौन साध लेते हैं।श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार

को एक पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र में दलितों के लिए आरक्षित 1800 करोड़ रुपए की सरकारी ज़मीन सिर्फ़ 300 करोड़ रुपए में मंत्री जी के बेटे की कंपनी को बेच दी गई है। ऊपर से स्टाम्प ड्यूटी भी हटा दी। मतलब एक तो लूट और उस पर कानूनी मुहर में भी छूट।

कांग्रेस नेता ने कहा ये है 'ज़मीन चोरी', उस सरकार की, जो खुद 'वोट चोरी'से बनी है। उन्हें पता है, चाहे जितना भी लूटें, वोट चोरी कर फिर सत्ता में लौट आएंगे। न लोकतंत्र की परवाह, न जनता की, न दलितों के अधिकार की।उन्होंने ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि वह लुटेरों की लूट पर मौन हैं क्योंकि वे ही उनकी सरकार का आधार हैं। उन्होंने कहा मोदी जी, आपकी चुप्पी बहुत कुछ कहती है - क्या आप इसीलिए खामोश हैं क्योंकि आपकी सरकार उन्हीं लुटेरों पर टिकी है जो दलितों और वंचितों का हक़ हड़पते हैं।इसके साथ उन्होंने एक अखबार में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री तथा उनके बेटे की फोटो के साथ 1800 करोड़ की जमीन 300 करोड़ में खरीदी, 500 रुपए स्टांप ड्यूटी भरी.... शीर्षक से छपी खबर को भी पोस्ट किया है।

सरकारी धन और सामान लेने के लिए किया फर्जीवाड़ा

दोबारा दुल्हन बनने से पहले पकड़ी गईं 69 युवतियां

बागपत, 07 नवंबर (एजेंसियां)। दोबारा दुल्हन बनने से पहले ही 69 युवतियां पकड़ी गईं। इन सभी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 60 हजार रुपए और सामान झटकने के लिए खुद को अविवाहित बताकर ऑनलाइन आवेदन कर दिया था। सत्यापन कराने पर यह फर्जीवाड़ा पकड़ में आया और पता चला कि इनकी एक-दो महीने पहले शादी हो चुकी है।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शादियां कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए तो 31 अक्टूबर तक 593 आवेदन आए। इनकी सूची ब्लॉक पर भेजकर सचिवों से सत्यापन कराया गया। सत्यापन में पता चला कि आवेदन करने वाली 69 युवतियां पहले से ही शादीशुदा हैं। इनमें सबसे अधिक बागपत शहर में 16 युवतियां हैं। बिनौली में 12, छपरौली में दस युवतियां हैं तो अन्य ब्लॉकों में भी इस तरह के मामले पकड़ में आए हैं। इन सभी को अपात्र घोषित करते हुए आवेदन निरस्त कर दिए गए। जिला विकास अधिकारी राहुल वर्मा ने बताया कि योजना के तहत आए आवेदनों का सत्यापन कराया गया। आवेदन करने वाली 69 युवतियों को इसलिए अपात्र घोषित किया गया क्योंकि उनकी कुछ समय पहले ही शादी हो चुकी।

तकनीकी समस्या के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 100 से अधिक उड़ानों में देरी, यात्री परेशान

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को तकनीकी समस्या के कारण पूर्वाह्न 11 बजे तक 100 से अधिक उड़ानों की रवानगी में देरी हुई, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि ऑटोमेटिक मैसेजिंग स्विच सिस्टम (एएमएसएस) में तकनीकी समस्या के कारण उड़ानों में देरी हो रही है। यह सिस्टम एयर ट्रैफिक कंट्रोल डाटा को समर्थन प्रदान करता है और हवाई यातायात के स्वचालित नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।एएआई ने बताया कि फिलहाल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर मैन्युअली फ्लाइट प्लान को प्रोसेस कर रहे हैं और सिस्टम को ठीक करने की कोशिश की जा रही है।हवाई अड्डे पर सुबह से ही यह समस्या आ रही थी। कई बोर्डिंग गेट पर यात्री संबंधित एयरलाइंस के कर्मचारियों से बहस करते और परेशान दिखे।

एयरपोर्ट की संचालक कंपनी दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने एक बयान में बताया यात्रियों को उड़ान की अद्यतन स्थिति के लिए संबंधित एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी है।कई विमान सेवा कंपनियों ने काफी देर से बोर्डिंग गेट पर अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहे यात्रियों के लिए जलपान की व्यवस्था की है।

वंदे मातरम् गीत कांग्रेस की बैठकों का हिस्सा, आरएसएस और भाजपा ने कभी नहीं स्वीकारा : खड़गे

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'वंदे मातरम्' गीत को राष्ट्र की सामूहिक आत्मा जागृत करने वाला स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोषक गीत बताते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा भाजपा पर हमला किया और कहा कि राष्ट्रभक्ति का डंका पीटने वाले इस संगठन के लोगों ने अपनी शाखाओं में और बैठकों में इस गीत को कभी नहीं गया।श्री खड़गे ने वंदे मातरम् गीत की 150वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को एक सन्देश में कहा कि इस राष्ट्रीय गीत ने हमारे राष्ट्र की सामूहिक आत्मा को जागृत किया और स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोष बना रहा। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत भारत माता अर्थात् भारत के लोगों की एकता और विविधता का प्रतीक है। कांग्रेस वंदे मातरम् की गौरवशाली ध्वजवाहक रही है और 1896 में कलकत्ता में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष रहमतुल्ला सयानी के नेतृत्व में, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने पहली बार सार्वजनिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया था और तब इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में नयी ऊर्जा भर दी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ब्रिटिश साम्राज्य की फूट डालो और राज करो नीति को समझती थी और उस समय अंग्रेजों की इस नीति के विरुद्ध वंदे मातरम् अटूट शक्ति का गीत बनकर उभरा, जिसने सभी भारतीयों को भारत माता की भक्ति में शक्ति के रूप में एक सूत्र में बांध दिया था। फिर 1905 के बंगाल विभाजन से लेकर स्वतंत्रता सेनानियों के अंतिम सांसों तक वंदे मातरम् की गूंज पूरे देश में सुनाई देने लगी। यह गीत लाला लाजपत राय के प्रकाशन का शीर्षक था, भीकाजी कामा के उस तिरंगे पर अंकित था जो उन्होंने जर्मनी में फहराया। यही गीत पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की क्रांति गीतांजलि में भी शामिल था। इसकी लोकप्रियता से भयभीत होकर ब्रिटिश सरकार ने इसे प्रतिबंधित कर दिया, क्योंकि वंदे मातरम उसे दौरान भारत की आज़ादी की धड़कन बन चुका था।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महात्मा गांधी ने भी इस गीत की प्रशंसा करते हुए 1915 में लिखा वंदे मातरम् बंगाल में हिंदू-मुसलमान दोनों के बीच सबसे शक्तिशाली युद्धघोष बन गया था। यह साम्राज्यवाद विरोधी उद्घोष

था। जब मैंने इसे पहली बार सुना, तो यह मुझे मंत्रमुग्ध कर गया और मैं इससे भारत के शुद्धतम राष्ट्रीय भाव को जोड़ने लगा।फिर 1938 में पंडित नेहरू ने कहा, पिछले 30 वर्षों से यह गीत सीधे भारतीय राष्ट्रवाद से जुड़ा है। ऐसे जनगीत न तो बनाये जाते हैं और न ही किसी पर थोपे जा सकते हैं, वे स्वयं ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं। इसी तरह 1937 में उत्तर प्रदेश विधानसभा में पुरुषोत्तमदास टंडन की अध्यक्षता में वंदे मातरम् का गायन प्रारंभ हुआ। उसी वर्ष कांग्रेस ने पंडित नेहरू, मौलाना आज़ाद, सुभाषचंद्र बोस, रवीन्द्रनाथ ठाकुर और आचार्य नरेंद्र देव के नेतृत्व में इसे औपचारिक रूप से राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता दी, जो भारत की एकता में विविधता का प्रतीक बना।उन्होंने वंदे मातरम के बहाने आरएसएस पर हमला किया और कहा, दुर्भाग्य से आज जो संगठन राष्ट्रवाद के स्वयंभू ठेकेदार बने हुए हैं, आरए-सएस और भाजपा उन्होंने कभी वंदे मातरम् या हमारे राष्ट्रीय गान जन गण मन का गायन अपनी शाखाओं या कार्यालयों में नहीं किया। वे आज भी नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे गाते हैं, जो राष्ट्र की नहीं, संगठन की स्तुति है। 1925 में स्थापना के बाद से आरएसएस ने कभी वंदे मातरम् को अपने साहित्य या पाठ्यक्रम में स्थान नहीं दिया। यह सर्वविदित है कि आरएसएस और संघ परिवार ने स्वतंत्रता आंदोलन में ब्रिटिशों का समर्थन किया, 52 वर्षों तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया, संविधान का अपमान किया और बापू और बाबा साहेब अंबेडकर के पुतले जलाये। सरदार पटेल के शब्दों में, वे गांधीजी की हत्या की साजिश में भी शामिल थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस वंदे मातरम् और जन गण मन दोनों पर गर्व करती है। हर कांग्रेस अधिवेशन, सभा और कार्यक्रम की शुरुआत और समापन इन दोनों गीतों के साथ श्रद्धा और गर्व से होता है। उनका कहना था कि 1896 से लेकर आज तक हर कांग्रेस बैठक में,अधिवेशन में या ब्लॉक स्तर की सभा में, वंदे मातरम् गर्व और देशभक्ति के साथ गाया जाता है।श्री खरगे ने कहा, कांग्रेस पुनः अपने अटूट विश्वास को दोहराती है और मानती है कि वंदे मातरम् भारत माता का अमर गीत है, हमारी एकता का शंखनाद है, और भारत की अडिग आत्मा की आवाज़ है। वंदे मातरम्।

आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम, तेजस के लिए एचएएल-जीई डील, रक्षा क्षेत्र में नई क्रांति

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने शुक्रवार को अमेरिका स्थित जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के साथ 97 विमानों वाले एलसीए एमके1ए कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए 113 एफ404-जीई-आईएन20 इंजनों की आपूर्ति और एक सहायक पैकेज के लिए एक समझौता किया। अधिकारियों ने बताया कि समझौते के तहत इंजनों की आपूर्ति 2027 में शुरू होगी और पूरी आपूर्ति 2032 तक पूरी हो जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 62,370 करोड़ रुपये का सौदा किया।

सितंबर में रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 97 तेजस एमके1ए हल्के लड़ाकू विमान खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 62,370 करोड़ रुपये का सौदा तय किया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 62,370 करोड़ रुपये (करों को छोड़कर) से अधिक की लागत से 68 लड़ाकू विमानों और 29 दो सीटों वाले विमानों सहित 97 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके1ए और संबंधित उपकरणों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। तेजस एक एकल इंजन वाला, बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है जिसे उच्च-खतरे वाले युद्ध परिदृश्यों में प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह वायु रक्षा, समुद्री टोही और हमला करने वाले अभियानों में सक्षम है।

यह सरकारी स्वामित्व वाली एयरोस्पेस दिग्गज को दिया गया अपनी तरह का दूसरा अनुबंध है। इससे पहले, फरवरी 2021 में रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना को 83 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए थे।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस विमान में 64 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी, जिसमें जनवरी 2021 में हस्ताक्षरित पिछले एलसीए एमके1ए अनुबंध के अलावा 67 अतिरिक्त वस्तुएँ शामिल होंगी। इसमें कहा कि उत्तम एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (एईएसए) रडार, स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल सरफेस एक्ट्यूएटर्स जैसी उन्नत स्वदेशी रूप से विकसित प्रणालियों का एकीकरण आत्मनिर्भरता पहल को और मजबूत करेगा।

आरबीआई ने 35 टन सोना बेचने की रिपोर्ट्स को किया खारिज

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर चल रही उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया है कि केंद्रीय बैंक ने अपने भंडार से करीब 35 टन सोना बेच दिया है। इसके साथ ही, आरबीआई इन रिपोर्ट्स को केवल निराधार अफवाह बताया है और आधिकारिक जानकारी के लिए लोगों को वेरिफाइड सोर्स से जानकारी प्राप्त करने को कहा है। पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट द्वारा की गई एक्स पोस्ट में बताया गया कि केंद्रीय बैंक ने स्पष्टीकरण दिया है कि इस प्रकार की कोई बिक्री नहीं की गई है और जनता से अपील की कि केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।आरबीआई ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, भारतीय रिजर्व बैंक ने पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट के माध्यम से उन दावों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि आरबीआई ने अपने भंडार से 35 टन सोना बेचा है। आरबीआई सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही निराधार अफवाहों के प्रति आगाह करता है। आरबीआई से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए कृपया आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।यह स्पष्टीकरण सोने के बाजार में बढ़ती वैश्विक रुचि और अस्थिरता के बीच आया है, क्योंकि कई प्रमुख केंद्रीय बैंक अपनी सोने की खरीदारी में लगातार वृद्धि कर रहे हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाएं, विशेष रूप से, अमेरिकी डॉलर से दूर जाने के लिए अपने सोने के भंडार में वृद्धि कर रही हैं। यह ट्रेंड 2022 में पश्चिमी देशों द्वारा रूस की रिजर्व एसेट्स को फ्रीज करने के बाद और तेज हो गया है।केंद्रीय बैंक की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 31 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह तक आरबीआई के बाद मौजूद गोल्ड रिसर्व की वैल्यू बढ़कर 101.72 अरब डॉलर हो गई है।

वहीं, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड रिजर्व की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 15 प्रतिशत हो गई है, जो कि कई दशकों का उच्चतम स्तर है।बीते एक दशक में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है, जो कि पहले 7 प्रतिशत थी।

व्यापार और निवेश, अर्थव्यवस्था तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को अधिक मजबूत बनायेंगे भारत और फिनलैंड

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत और फ़िनलैंड ने व्यापार एवं निवेश, डिजिटलीकरण, क्वांटम कंप्यूटिंग, 5 जी और 6 जी प्रौद्योगिकी , कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग मज़बूत करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत और फिनलैंड के बीच 13 वें विदेश कार्यालय परामर्श की हेलसिंकी में गुरुवार को हुई बैठक में यह सहमति बनी।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां एक वक्तव्य जारी कर बताया कि फिनलैंड ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को अपना समर्थन दोहराते हुए समझौते के जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई है।

बैठक में भारत का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने और फ़िनलैंड का नेतृत्व फ़िनलैंड के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव जुक्का सलोवारा ने किया। हेलसिंकी यात्रा के दौरान सचिव (पश्चिम) ने फ़िनलैंड के रोज़गार मंत्री मतियास मार्टिनेन से भी शिष्टाचार भेंट की। दोनों पक्षों ने भारत-फ़िनलैंड द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश, डिजिटलीकरण, क्वांटम कंप्यूटिंग, 5 जी/ 6 जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सततता, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, अनुसंधान एवं विकास और लोगों से लोगों के बीच संबंध के क्षेत्रों में सहयोग को और मज़बूत करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

भारत फ़िनलैंड को यूरोपीय संघ और नॉर्डिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण और विश्वसनीय भागीदार मानता है।

भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी के अंतर्गत सहयोग में उल्लेखनीय प्रगति के साथ साथ फिनलैंड ने महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र संपन्न करने के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। आर्कटिक और संयुक्त राष्ट्र सहित बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग पर भी चर्चा हुई।

फिनलैंड ने पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपने समर्थन को दोहराया।

दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग और वैश्विक चुनौतियों पर निरंतर संवाद के महत्व को रेखांकित किया।दोनों देशों के बीच अगली बैठक भारत में होगी।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर बोले सीएम योगी

यह गीत राष्ट्र प्रथम की भावना को जगाता है

लखनऊ, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस गीत ने आजादी की लड़ाई के दौरान देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। इसलिए आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आजादी के आंदोलन का मंत्र बने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने इस दिवस को स्मृति दिवस के रूप में आयोजित करने के लिए देशवासियों को नई प्रेरणा दी। सीएम ने कहा कि वंदे मातरम् भारत की आजादी का अमर मंत्र बन गया था। उस दौरान विदेशी हुकूमत के द्वारा दी जाने वाली अनेक यातनाओं, प्रताड़नाओं की परवाह किए बिना भारत का हर नागरिक (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, क्रांतिकारी) वंदे मातरम् गीत के साथ गांव, नगर, प्रभात फेरी के माध्यम से भारत की सामूहिक चेतना के जागरण के अभियान से जुड़ चुका था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। इस दौरान राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन हुआ और स्वदेशी का संकल्प भी लिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। लोकभवन में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा।

सीएम योगी ने कहा कि 1875 में रचा गया यह गीत केवल आजादी का ही गीत नहीं रहा, बल्कि देश के अंदर आजादी के मंत्र को बढ़ाने में भी सफल हुआ। वंदे मातरम् गीत संस्कृत व बांग्ला की सामूहिक अभिव्यक्ति को भले ही प्रदर्शित करता हो, लेकिन यह संपूर्ण भारत को राष्ट्र माता के भाव के साथ जोड़ने

का अमर गीत बन गया। इसने भारत की शाश्वत अभिव्यक्ति को देशवासियों के सामने प्रस्तुत किया था। सीएम ने कहा कि जब विदेशी हुकूमत ने 1905 में बंग-भंग के माध्यम से भारत की भुजाओं को काटने का दुस्साहिक निर्णय लिया था, उस समय भी इस गीत ने पूरे भारतवासियों को एकजुट होकर प्रतिकार करने की प्रेरणा दी। उसके बाद के कालखंड में जब भी किसी क्रांतिकारी ने फांसी के फंदे को चूमा, तब उसके मुख से वंदे मातरम् मंत्र ही निकलता रहा।

सीएम योगी ने कहा कि भारत की आजादी के आंदोलन के दौरान भी जब स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने कोई स्लोगन, फ्लैग दिया तो वंदे मातरम् उसका स्वर बना। वंदे मातरम् संपूर्ण भारत की सामूहिक अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने वाला मंत्र बना। इस गीत ने हर भारतीय के मन में यह भाव रचने का प्रयास किया कि व्यक्ति जाति-मत-मजहब से ऊपर उठकर राष्ट्र के बारे में सोच सके और राष्ट्रप्रथम के भाव के साथ राष्ट्रमाता के प्रति सामूहिक अभिव्यक्ति हो। सीएम योगी ने वंदे मातरम् को भारत की भक्ति-शक्ति के सामूहिक शाश्वत अभिव्यक्ति का सामूहिक स्वरूप बताया। सीएम ने कहा कि वंदे मातरम् के अमरगीत के साथ उसके 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हम सभी इसके रचयिता को भी याद कर रहे हैं। संविधान सभा ने इस गीत को 24 जनवरी 1950 को भारत के राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी।

सीएम योगी ने कहा कि यह भले ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के आनंद मठ के उस अमर उपन्यास पर आधारित है, जिन्होंने भारत व बंगाल में उस दौरान भूख से तड़पती, अकाल-अभाव से ग्रसित जनता के उन स्वरों को, जिसे संन्यासियों ने बाद में आंदोलन का रूप दिया। लेकिन वास्तव में यह अमर गीत भारत को नई दिशा देने व भारत की सामूहिक चेतना को आगे बढ़ाने में सफल हुआ है। आज इसके 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। यह गीत 150 वर्ष से भारत को प्रतिनिधित्व देते हुए नई राष्ट्रीयता का भाव पैदा करने में सफल हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि हम सब वंदे मातरम् का हिस्सा हो सकते हैं। वंदे मातरम् किसी उपासना विधि, किसी जाति-व्यक्ति का महिमा मंडन करने के प्रति नहीं, बल्कि हमारे कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनाता है। सीएम ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा 26 नवंबर 1949 को भारत के संविधान की ड्राफ्टिंग प्रति सौंपने का भी जिक्र किया।

सीएम ने पीएम मोदी के उस कथन की चर्चा की और कहा कि हम देश में रहते हैं, अधिकारों की बात करते हैं पर क्या कभी कर्तव्य के बारे में स्मरण किया है। कर्तव्य ऐसा हो, जो वर्तमान व भावी पीढ़ी के भविष्य को भी उज्ज्वल बना सके। वंदे मातरम् राष्ट्रमाता के प्रति हमारे कर्तव्यों के प्रति हमें आग्रही बनाता है। उत्तर प्रदेश पिछले 8 वर्ष में जिन ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हुआ है, यह हमारे कर्तव्यों की ही अभिव्यक्ति है। नागरिक जब स्वार्थ से उठकर कर्तव्य के मार्ग पर बढ़ता है तो सही मायने में वह वंदे मातरम् का गान कर रहा होता है।

सीएम योगी ने कहा कि जब एक शिक्षक अपने छात्र को संस्कारवान बनाता है, जब जवान विपरीत परिस्थितियों (सियाचिन ग्लेशियर में जो जवान खड़ा होगा, वहां तापमान माइनस 40 होगा और मई-जून में राजस्थान के रेगिस्तान में जो जवान सीमाओं की रक्षा कर रहा होगा, वह 55 डिग्री टेंपरेचर में भी गर्मी की परवाह किए बिना सीमाओं की सुरक्षा के लिए जूझता है) का सामना करते हुए भी देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अडिग खड़ा रहता है। जब किसान खेती की उर्वरता को बढ़ाते हुए अन्न उत्पादन करता है और जब भारत का हर नागरिक स्वार्थ से उठकर कर्तव्यों के मार्ग पर बढ़ता है तो सही मायने में वह वंदे मातरम् का गान कर रहा होता है। इस दौरान मुख्य सचिव एसपी गोयल, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार आदि मौजूद रहे।

यूपी के सहारनपुर में श्रीनगर पुलिस ने मारा छापा

नर्सिंगहोम का डॉक्टर गिरफ्तार जैश-ए-मोहम्मद से लिंक

सहारनपुर, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

श्रीनगर पुलिस ने सहारनपुर में छापा मारकर एक निजी अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक डॉ. आदिल अहमद को हिरासत में लिया। डॉक्टर के लिंक आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से पाए गए हैं। कानूनी औपचारिकताओं के बाद पुलिस उस डॉक्टर को गिरफ्तार कर अपने साथ कश्मीर ले गई।

सहारनपुर जनपद में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर पुलिस ने देर रात सहारनपुर में पहुंची। यहां से एक निजी अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक डॉ. आदिल अहमद को हिरासत में लिया और अपने साथ ले गई। चिकित्सक श्रीनगर में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा था। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग का रहने वाला डॉ. आदिल अहमद अंबाला रोड स्थित एक बड़े निजी अस्पताल में मेडिसिन विशेषज्ञ के रूप में तैनात था। कुछ दिन पहले श्रीनगर के कई इलाकों में उसी डॉक्टर ने जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर लगाए थे। इनमें आतंकी संगठन के समर्थन में मेसेज लिखे हुए थे। उस घटना की जांच में श्रीनगर पुलिस को डॉक्टर के आतंकी संगठन से लिंक पता चले। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें डॉ. आदिल का नाम सामने आया। कुछ दिन पहले श्रीनगर पुलिस ने डॉ. आदिल के घर अनंतनाग पहुंची थी। वहां से पता चला था कि डॉ. आदिल सहारनपुर के एक निजी अस्पताल में तैनात है। बृहस्पतिवार देर शाम श्रीनगर पुलिस शहर में पहुंची। यहां एसएसपी से मिली। इसके बाद स्थानीय एसओजी के साथ लेकर थाना कुतुबशेर क्षेत्र में अंबाला रोड स्थित एक निजी अस्पताल में पहुंची। इससे पहले कोर्ट की सभी प्रक्रिया पूरी की। श्रीनगर पुलिस डॉ. आदिल को अपने साथ ले गई। एसएसपी आशीष तिवारी ने बताया कि श्रीनगर पुलिस ने मुलाकात कर सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की। डॉ. आदिल दिल्ली रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भी कार्यरत रह चुका है। इसके बाद अंबाला रोड स्थित एक निजी अस्पताल में नौकरी कर रहा था।

अतीक के बहनोई, वकील, ड्राइवर और नौकर की जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने माफिया अतीक अहमद के बहनोई, वकील, ड्राइवर और नौकर की जमानत अर्जी खारिज कर दी। सभी ने जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। अतीक के बहनोई पर आरोप है कि उसी ने बमबाज गुड्डू मुस्लिम को शरण दी थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी माफिया अतीक अहमद के बहनोई डॉ. अखलाक अहमद, वकील विजय मिश्रा, ड्राइवर कैश व नौकर नियाज की जमानत अर्जी खारिज कर दी। पिछली सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया। सभी आरोपियों की ओर से दाखिल अपराधिक अपील पर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकल पीठ सुनवाई कर रही थी। मेरठ निवासी अतीक के बहनोई डॉ अखलाक अहमद पर हत्याकांड के बमबाज गुड्डू मुस्लिम को शरण देने का आरोप है। जबकि, बाकी मुल्जिमों पर हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

हत्याकांड के बाद से फरार बमबाज गुड्डू मुस्लिम पांच लाख का इनामी है। पुलिस का दावा है कि घटना को अंजाम देने के बाद इसने डॉ अखलाख के मेरठ स्थित घर पर शरण ली थी। मेरठ से गिरफ्तार एकलाख ने जमानत पर रिहाई के लिए सितंबर 2023 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। डॉ. अखलाक के अधिवक्ता के दलील दिया था कि वह एफआईआर में नामजद नहीं है। वह पेशे से डॉक्टर हैं। अपराध की दुनिया से उसका कोई वास्ता नहीं है। उसे केवल अतीक के रिश्तेदार होने के कारण फंसाया गया है। अतीक के वकील विजय पर उमेश पाल हत्याकांड में मुखबिरी करने का आरोप है। विजय की गिरफ्तारी लखनऊ से हुई थी। जमानत पर रिहाई की मांग करते हुए उनकी अधिवक्ता मंजू सिंह ने दलील कि उन्हें अतीक के वकील होने के कारण फंसाया जा रहा हैं। इसी तरह कैश व नियाज की ओर से भी बेगुनाह होने की दलीलें दी गई। उनके अधिवक्ता ने दलील दी कि कैश ड्राइवर था, जबकि काफी समय पहले से नौकरी छोड़ चुका था। कोई अपराधिक इतिहास नहीं है। नियाज़ के वकील ने भी उसे बेकसूर बताया। कहा कि उसका घटना से कोई सरोकार नहीं है। उसके पास से की बरामदगी नहीं है, न ही वह एफआईआर में नामजद है। लंबी बहस में दौरान उमेश पाल की पत्नी जया पाल के अधिवक्त प्रवीण पांडे, सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जमानत पर रिहाई का विरोध किया। कहा कि सभी आरोपी हत्याकांड में सक्रिय रूप से शामिल रहे है। अभी तक ट्रायल कोर्ट में आरोप निर्मित होने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। मौजूदा समय में अतीक की इनामी बीवी शाइस्ता परवीन, अशरफ की बीवी जैनब व बमबाज गुड्डू मुस्लिम समेत कुल सात अन्य आरोपी फरार हैं। ऐसे में उनकी रिहाई से लंबित ट्रायल प्रभावित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में 24 फरवरी 2023 को बसपा विधायक रहे राजू पाल हत्याकांड के आखिरी गवाह उमेश पाल की हत्या कर दी गई थी। इस हमले में उनके गनर की भी मौत हो गई। हत्या के बाद उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने हत्या के आरोप अतीक के भाई अशरफ दोनों बेटों व पत्नी शाइस्ता परवीन पर लगाया था।

बिहार ले जाया जा रहा काला धन पकड़ा गया

वैशाली एक्सप्रेस में एक करोड़ रुपए बरामद

गोरखपुर, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल के लिए ले जाया जा रहा काला धन पकड़ा गया। एक करोड़ रुपए बरामद करने में गोरखपुर जीआरपी को सफलता मिली। गुरुवार देर रात गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर नियमित चेकिंग के दौरान वैशाली एक्सप्रेस से एक युवक को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक करोड़ रुपए की नकदी बरामद हुई। बताया जा रहा है कि युवक ये रुपए बिहार के मोकामा ले जाने की तैयारी में था।

चुनावों के मद्देनजर रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इसी क्रम में जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम वैशाली एक्सप्रेस में जांच कर रही थी। जब टीम एसी कोच के पास पहुंची, तो एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। शक के आधार पर जब उसके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें नोटों के कई बंडल बरामद हुए। गिनती में करीब एक करोड़ रुपए पाए गए। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मुकुंद माधव, निवासी मोकामा, जिला पटना (बिहार) बताया। उसने कहा कि वह किसी परिचित के कहने पर यह नकदी लेकर यात्रा कर रहा था, लेकिन रकम के स्रोत और गंतव्य के बारे में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। अधिकारियों को शक है कि यह धनराशि हवाला कारोबार से जुड़ी हो सकती है और इसे चुनावी खर्च के लिए भेजा जा रहा था।

रेलवे क्षेत्राधिकारी (सीओ) विनोद कुमार सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान मोकामा निवासी मुकुंद माधव को एक करोड़ रुपये नकद के साथ पकड़ा गया है। वह रकम के स्रोत के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दे सका। बरामद नकदी को सीज कर दिया गया है और आयकर विभाग को सूचना दे दी गई है। जीआरपी यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और किसके लिए भेजी जा रही थी। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि यह धनराशि हवाला के माध्यम से चुनावी प्रयोजन के लिए भेजी जा रही थी। आयकर विभाग और खुफिया एजेंसियों को इस मामले की विस्तृत जांच के लिए शामिल किया गया है। गोरखपुर जीआरपी की यह कार्रवाई चुनावों के दौरान काले धन के प्रवाह पर रोक लगाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। फिलहाल युवक से पूछताछ जारी है और उसके मोबाइल व संपर्क सूत्रों की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

यूपी में एक और एनकाउंटर

50 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर

आजमगढ़, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

आजमगढ़ में एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार के इनामी गोतस्कर को ढेर कर दिया गया। मौके से तीन बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने पिकअप लदे कई पशु बरामद किए हैं। यह मुठभेड़ आजमगढ़ जिले के रौनापार थाना इलाके में हुई। जोकहरा गांव में छोटी सरयू नदी के पास लखनऊ एसटीएफ, आजमगढ़ स्वाट टीम और सिधारी पुलिस की टीम से पशु तस्करों की मुठभेड़ हुई, जिसमें 50 हजार का इनामी पशु तस्कर वाकिफ गोली लगने से ढेर हो गया। जबकि उसके तीन साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस तलाश में जुटी है।

रौनापार थाना के जोकहरा गांव के पास छोटी सरयू नदी के रास्ते पर बृहस्पतिवार की देर रात लखनऊ एसटीएफ, आजमगढ़ की स्वाट टीम और थाना सिधारी पुलिस की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर बदमाशों तस्करों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। पुलिस ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश ढेर हो गया, जबकि तीन अन्य मौके से फरार हो गए।

मारे गए बदमाश वाकिफ पर गौ तस्करी, चोरी, हत्या और लूट के आजमगढ़, गोरखपुर, कुशीनगर, संत कबीर नगर व जौनपुर समेत कई जिलों में 67 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह 50 हजार रुपए का इनामी था। पुलिस ने मौके से असलहा और कारतूस बरामद किए हैं और फरार बदमाशों की तलाश में कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

छह माह में बना दिए दो हजार से ज्यादा फर्जी आधार कार्ड

सरकारी साइट हैक कर बनाते थे आधार कार्ड

अलीगढ़, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

देश के अलग अलग राज्यों की आधार कार्ड बनाने वाली सरकारी साइटों को हैक कर आधार कार्ड सहित अन्य फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का एसटीएफ ने भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 6 नवंबर तड़के गिरोह के दो जनसेवा केंद्र संचालक सदस्यों को क्वार्सी के जीवनगढ़ इलाके से दबोचा है। दोनों के तार दिल्ली के हैकर गिरोह से जुड़े हैं, जिन्होंने अब तक उत्तराखंड-झारखंड सहित कई राज्यों की सरकारी साइटों को हैक कर आधार कार्ड सहित अन्य प्रमाण पत्र बनाना स्वीकारा है। दोनों को पूछताछ के बाद मुकदमा दर्ज कर शाम को जेल भेज दिया गया।

एसटीएफ की लखनऊ यूनिट को इस हैकर गिरोह के विषय में सूचनाएं मिल रही थीं। उस पर काम करते हुए बुधवार रात में टीम यहां पहुंची। क्वार्सी पुलिस के सहयोग से इनपुट जुटाकर मुखबिर की मदद से बृहस्पतिवार तडक़े जीवनगढ़ गली नंबर 12 में अगल-बगल में दो घरों के बाहर दुकानों में संचालित जनसेवा केंद्रों पर छापा मारा। यहां से दोनों के संचालक साजिद हुसैन व नईमुद्दीन को दबोच लिया गया। दोनों जगहों पर फर्जीवाड़ा कर बनाए गए आधार कार्ड सहित उन्हें बनाने के संसाधन व अन्य उपकरण मिले। साथ में उनके कंप्यूटर सिस्टम में कई सरकारी साइटों के विंडो भी मिले। पूछताछ में उनके द्वारा जो खुलासे किए गए, उन्हें सुन खुद एसटीएफ टीम दंग रह गई।

साजिद ने पुलिस को बताया कि 2016-17 से उसने आधार कार्ड बनाने वाली टेक स्मार्ट कंपनी में काम किया है। 2020 में आधार कार्ड डाकघरों से बनने लगे तो उसकी कंपनी का काम खत्म हो गया। उसकी जॉब चली गई। तभी उसने व उसके पड़ोसी नईमुद्दीन ने जनसेवा केंद्र का संचालन शुरू कर दिया। जिसके जरिये वह जन्म, मूल, आय, जाति आदि के प्रमाण पत्र बनाने के आवेदन व डेटा फीडिंग का काम नियमानुसार करते रहे। करीब एक वर्ष पहले उसका संपर्क दिल्ली के आकाश नाम के व्यक्ति से हुआ। जिसने उसे राज्य सरकारों की आधार कार्ड बनाने वाली अधिकृत साइटों को हैक कर उनका एक्सिस देना तय किया। उसने अपने अलीगढ़ के ही दो बंदे अमित व शरद को हमारे पास भेजा। उन्होंने हमारे कंप्यूटर सिस्टम, थंब व आई इंप्रेशन लेने वाली मशीनों में सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया जिसके बदले में 50-50 हजार रुपए लिए गए।साजिद के साथ नईमुद्दीन ने भी यह काम शुरू किया। इसके बाद हमें उत्तराखंड व झारखंड राज्यों की आधार कार्ड बनाने वाली सरकारी साइटों का एक्सिस मिलने लगा। हम ग्राहकों का डेटा उसमें फीड करते थे। ऑनलाइन आकाश ही आधार कार्ड बनाकर हमें वापस भेजता था, जो हम ग्राहक को देते थे। इसके एवज में 200 रुपए प्रति आधार हम आकाश या उनके बंदों को ऑनलाइन भेजते थे, जबकि ग्राहक से 1000 रुपए प्रति आधार लेते थे। नए आधार कार्ड बनाने के साथ-साथ उन्हें अपडेट करने का भी काम करते थे। इस तरह इस मुकदमे में इन दोनों को पकड़ा गया है, जबकि आकाश, अमित व शरद फरार हैं, जिनके विषय में टीमें काम कर रही हैं। दोनों ने स्वीकार किया है कि आधार कार्ड बनाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या मूल निवास प्रमाण पत्र की जरूरत होती है। ये प्रमाण पत्र वे साइटों से फर्जीवाड़ा कर बनाते थे। उसी की मदद से आधार कार्ड बनता था। दोनों जनसेवा केंद्रों से फर्जीवाड़ा कर बनाए गए 88 आधार कार्ड, 2 फिंगर प्रिंटर, 3 आई रीडर, 5 फर्जी मोहर, 4 कंप्यूटर सिस्टम, 1 डेस्कटॉप, 3 प्रिंटर, 3-3 माउस व कीबोर्ड, 2 मोबाइल व 2300 रुपए नकद बरामद किए गए।एसटीएफ को इनके कंप्यूटरों में जन्म, मृत्यु व निवास प्रमाण पत्र बनाने वाला पोर्टल मिला है। जिसके जरिए वे 50 से 100 रुपए ऑनलाइन सरकारी खाते में जमा कर प्रमाण पत्र बनाते थे। जिसके बदले 1 हजार रुपए ऑनलाइन ग्राहक से लेते थे। जीवनगढ़ और उससे सटा इलाका नवविकसित है। दोनों हैकर इसी इलाके में सक्रिय थे। इस नवविकसित इलाके में अपने जिले के साथ-साथ आसपास के तमाम जिलों व दूसरे राज्यों के लोगों का बसना भी जारी है। पिछले कुछ वर्षों में इस इलाके में आबादी काफी तेजी से बढ़ी है। अब जांच टीम व एसटीएफ का अंदेशा है कि इनके द्वारा बड़ी संख्या में यहां आकर बसे बाहरियों के आधार कार्ड तो नहीं बनाए गए। इस सवाल का जवाब जांच के आधार पर मिलेगा।पुलिस पूछताछ में दोनों ने स्वीकारा कि एक वर्ष पहले साजिद की मुलाकात उसके साथ जॉब करने वाले गुजरात के साथी प्रशांत व पश्चिम बंगाल के साथी नोमान, मुजीबुर व अमीन से हुई। प्रशांत वर्तमान में गुजरात राज्य के आधार कार्ड बनाने वाली अधिकृत एजेंसी का ऑपरेटर है, जबकि नोमान, मुजीबुर व अमीन ने पूर्व में यह काम किया है। उन्होंने साजिद की बात आकाश से कराई। इसके बाद आकाश ने अपने बंदे साजिद के पास भेजे। फिर इनका धंधा चल पड़ा। फर्जी जन्म व मूल निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए इनके पास से संतोष कुमार गर्ग नोटरी अधिवक्ता, हेड मास्टर ब्लू हिल्स पब्लिक स्कूल राज विहार कालोनी अलीगढ़, महिला आरोग्य समिति अध्यक्ष-सचिव, रहीसुद्दीन पार्षद वार्ड 47 रजा नगर, जनस्वास्थ्य केंद्र सराय हकीम की मोहर भी मिली हैं।

जानकारी

जिम जाने के बाद यह सब खाइए, फिर देखिये कैसे बनती है सेहत

आजकल हर कोई एक गुड लुक्स पाने की चाह में जिम में एक्सरसाइज करता हुआ नजर आता है। लेकिन अगर आप खुद को फिट रखना चाहते हैं तो सिर्फ ट्रेडमिल पर घंटों दौड़ लगाने से कुछ नहीं होने वाला। आपको एक्सरसाइज के साथ-साथ एक नजर अपने खाने पर भी घुमानी होगी। आमतौर पर लोग बॉडी बिल्डिंग के लिए सप्लीमेंटस आदि का सहारा लेते हैं, लेकिन यदि आपकी डाइट अच्छी हो तो आपको इन सप्लीमेंट्स की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। तो आज जानते हैं कि पोस्ट वर्कआउट डाइट प्लान के बारे में-

अंडे :अंडे न सिर्फ प्रोटीन का एक अच्छा माध्यम है, बल्कि इससे आपकी मसल्स ग्रोथ में भी काफी मदद मिलती है। वेजीटेबल स्टफ आमलेट वर्कआउट के बाद टेस्ट व न्यूट्रिशन का एक अच्छा कॉम्बिनेशन साबित हो सकते हैं।

एवोकैडो : एवोकैडो आपको विटामिन बी प्रदान करता है, जिसके कारण आपको कार्बोहाइडेट व प्रोटीन के चयापचय में मदद मिलती है। इसलिए आप एक्सरसाइज के बाद कुछ स्लाइस एवोकैडो की अवश्य लें। आप चाहें तो स्मूदी बनाकर भी इसका इनटेक कर सकते हैं।

चेरी : चूंकि चेरी में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है, इसलिए वर्कआउट के बाद इसका सेवन करने से मांसपेशियों में होने वाले दर्द से काफी राहत मिलती है।

ब्राउन राइस : अगर अब तक आप सफेद चावल खाते थे तो अब अपने चावलों को ब्राउन राइस से बदल दीजिए। ब्राउन राइस न सिर्फ एंटीऑक्सीडेंट का एक अच्छा सोर्स है, बल्कि इसमें फाइबर भी पाया जाता है। जो आपके मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाकर आपकी वेट लॉस में काफी मदद करता है। इसे आप किसी भी समय खा सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स : अगर आप अपनी फिटनेस को लेकर काफी सीरियस हैं तो आपको अपनी डाइट में डाईफ्रूट्स को अवश्य शामिल करना चाहिए। खासतौर से, वर्कआउट के तुरंत बाद डाई फ्रूट्स जैसे बादाम, किशमिश आदि खाना काफी अच्छा रहता है।

रहें हाइड्रेट: चूंकि जिम के दौरान आप काफी पसीना बहाते हैं, जिससे आपके शरीर से इलेक्ट्रोलाइट्स कम हो जाते हैं। अगर आप सामान्य कसरत करते हैं तो आपको इलेक्ट्रोलाइट्स की आवश्यकता नहीं होती लेकिन जो लोग लंबे समय तक और काफी कठिन कसरत करते हैं, उन्हें इसकी आवश्यकता होती है। अपने शरीर को दोबारा रिचार्ज करने के लिए पानी के अतिरिक्त विकल्पों पर भी ध्यान दें। जैसे आप पानी के स्थान पर नारियल पानी का सेवन कर सकते हैं। इसमें पोटेशियम काफी मात्रा में पाया जाता है और यह एक्सरसाइज के बाद होने वाले ऐंठन व दर्द से भी आपको काफी राहत पहुंचाता है।

टाइम का रखें ध्यान: जब भी बात पोस्ट वर्कआउट डाइट की होती है तो उसमें आपके जिमिंग टाइमिंग्स काफी अहम रोल अदा करते हैं। मसलन, अगर आप शाम के समय जिम जाते हैं तो आपको रात में कार्ब्स नहीं लेने चाहिए। वहीं सुबह के समय वर्कआउट करने वालों को कार्ब्स अवश्य खाने चाहिए। इसके अतिरिक्त आपकी डाइट आपके हाइट, वेट और आपके एक्सरसाइज करने के टाइम पर भी निर्भर करती है।

लेकिन फिर आपको 7 से 15 ग्राम प्रोटीन अपनी एक्सरसाइज के बाद अवश्य खाना चाहिए। याद रखें कि पोस्ट वर्कआउट डाइट को रिकवरी मील भी कहा जाता है क्योंकि यह आपके मसल्स गेन में एक अहम रोल अदा करता है। इसलिए ऐसा कुछ भी न खाएं जो आपकी हेल्थ के लिए अच्छा न हो। वैसे वर्कआउट के आधे घंटे के बाद प्रोटीन युक्त भोजन करना अच्छा रहता है।

जीवन की गुणवत्ता सुधारने में मदद कर सकता है ज़ुम्बा डांस

जुम्बा डांस आधारित फिटनेस कार्यक्रम सुस्त जीवनशैली बिताने वाले यूनीवर्सिटी के कर्मचारियों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने एवं उनकी भावनात्मक बेहतरी में मदद कर सकते हैं। एक नए अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। शोध में प्रतिभागियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव के अध्ययन के लिये अल्प एवं मध्यम दोनों अवधि में एक संक्षिप्त अभ्यास कराया गया। वर्तमान में यूनीवर्सिटी में हर दिन आठ घंटे कामकाज होता है और काम करने का तरीका भी बेहद सुस्त होता है। इसलिए यूनीवर्सिटी कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिये संभावित जोखिम इसमें अहम कारक बन रहा है।

इसका अर्थ है कि सेहत के सुधार के लिये जीवनशैली में जरूरी बदलाव, सेहतमंद जीवनशैली की आदतें और मेहनत वाले नये एवं आकर्षक अभ्यास कार्यक्रमों को अपनाकर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना आवश्यक हो जाता है। जीवन की गुणवत्ता एक व्यापक अवधारणा है जिसमें हमारे जीवन के विभिन्न पहलू समाहित हैं। खास तौर पर इसमें आठ महत्वपूर्ण आयाम हैं सामाजिक, भावनात्मक, शारीरिक अवस्था, शारीरिक कष्ट, शारीरिक क्रियाशीलता, जीवनशैली, मानसिक स्वास्थ्य एवं सामान्य स्वास्थ्य। यह शारीरिक अभ्यास कार्यक्रम सप्ताह के आखिरी तीन दिन किया गया। एक घंटे के इस कार्यक्रम में प्रामाणिक प्रशिक्षक ने कक्षाएं लीं। हेल्थ एजुकेशन पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार अभ्यास से जीवन के अधिकतर आयामों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आया।

स्वास्थ्य टिप्स

धूप से विटामिन डी मिलता है और बीमारियों के कीटाणु नष्ट होते हैं

कुदरत ने इंसान को जीवन के आधार तत्व पृथ्वी, आकाश, जल, वायु और अग्नि में समाहित असंख्य नियामतें बख्शी हैं जो मुफ्त होने के साथ लाजवाब भी हैं। हालांकि हमने अपने स्वार्थ साधने के लिए सभी तरह की प्राकृतिक संपदाओं का मनमाने ढंग से उपयोग किया है फिर भी सब कुछ सहते हुए मां प्रकृति अपनी ओर से मानव जीवन को बेहतर बनाए रखने के लिए तोहफे अभी भी निरंतर उपलब्ध करा रही है। इन्हीं बेहद उपयोगी उपहारों में से एक है सूरज की धूप। संसार में किसी भी किस्म का प्राणी बिना धूप के जिंदा नहीं रह सकता। आम तौर पर सभी जानते हैं कि सूरज की किरणों में अनेक बीमारियों के कीटाणुओं को नष्ट करने की शक्ति समाहित होती है।

धूप का सेवन मानव शरीर को विटामिन डी उपलब्ध करवाता है जिसे धूप विटामिन या सनशाइन विटामिन भी कहा जाता है जो फास्फोरस और कैल्शियम से भरपूर होने के कारण दांतों और हडिड्यों को सुदृढ़ बनाने में सहायक बनता है। धूप के अभाव में त्वचा पर हानिकारक विजातीय तत्वों की एक परत सी जम जाती है जो शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न कर सकती है। इस प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए धूप का प्रयोग बेहद जरूरी है। हम सभी को नियमित रूप से धूप का सेवन करते रहना चाहिए हां गोरी चमड़ी वालों को कम व दूसरों को थोड़ा ज्यादा। हर व्यक्ति, शरीर, चमड़ी सृष्टि ने भिन्न बनाई है इसलिए सभी के लिए धूप की जरुरत भी अलग अलग होगी। चिकित्सीय परामर्श भी आवश्यक है।

गर्मियों की धूप तो, इंसान द्वारा ग्लोबल टेम्प्रेचर बिगाड़ देने के बाद जानलेवा हो गई है इसलिए सर्दियों की धूप की ही बात की जाए तो मानसिक शांति बरकरार रहेगी। सर्दियों के मौसम में तो आवश्यक रूप से धूप स्नान करना ही चाहिए। धूप स्नान की पहली शर्त है पिगमेंट प्राप्त करना। पिगमेंट दरअसल एक ऐसी हल्की सी परत है जो नियमित रूप से धूप सेवन करने से त्वचा पर स्वतः चढ़ जाती है। ऐसी अवस्था में त्वचा का रंग हल्का बादामी सा हो जाता है। यह रंग धीरे धीरे गहरा होता जाता है। त्वचा पर पिगमेंट जितना गहरा होगा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता उतनी ही अधिक होती जाएगी। सर्दी में प्रतिदिन सहनशक्ति व समय की उपलब्धता के मुताबिक सुबह से दोपहर बाद तक की धूप का सेवन करना उचित रहता है। बच्चों के रोग रिक्टेस, पाचन रोग, रक्ताल्पता आदि में धूप स्नान अत्यंत उपयोगी है। धूप स्नान से रक्त संबंधी रोगों में भी पर्याप्त लाभ होता है। खासतौर पर रक्ताल्पता वाले रोगों के रोगियों के लिए तो धूप स्नान वरदान है। गठिया, वायु रोग व जोड़ों के दर्द आदि बीमारियों में धूप चिकित्सा खासी उपयोगी सिद्ध हुई है। स्नायू संबंधी मानसिक रोगों के उपचार में धूप चिकित्सा अनुपम योगदान कर सकती है। हमारी भारतीय संस्कृति में हजारों बरस से सुबह उठकर सूर्य नमस्कार की अद्भुत परम्परा विद्यमान है क्योंकि उस समय आ रही सूर्य की सौम्य किरणें शरीर के लिए बहुत उपयोगी होती हैं। राजयक्ष्मा जैसे भयानक रोग के कीटाणुओं को भी सूर्य की प्रखर किरणें नष्ट करने की क्षमता रखती हैं। इसके अतिरिक्त भगंदर हडिड्यों का शैथिल्य आदि रोग धूप स्नान से नष्ट हो जाता है। सूर्य स्नान के कारण शरीर की रक्त कोशिकाओं में वृद्धि होने के साथ साथ वजन भी बढ़ता है। सूर्य की धूप में मल विकार दुर्गन्ध और विष को दूर करने की अद्भुत क्षमता विद्यमान है। सूरज की एक एक किरण में सेहत की रोशनी भरी है। मगर यह रोशनी हमें संयमित तरीके से लेनी चाहिए ज्यादा धूप सेंकनी ही हो तो चमड़ी के कैंसर से बचने के लिए सनस्क्रीन अवश्य उपयोग में लाना चाहिए। मैदानी इलाकों में गर्मियों की धूप तो बेहद तड़पाती है मगर सर्दी में सूर्य के दर्शन दुर्लभ हो जाते हैं और उधर इस ठिठुरते मौसम में पहाड़ों पर सुबह ही धूप अवतरित हो जाती है। कुदरत का यही तोहफा हर बरस अनगिनत पर्यटकों को आमंत्रित करता है, वह धूप सेंकने ही पहाड़ों पर आते हैं। यहां रहने वाले मकान ऐसे बनाए जाते हैं जिनमें धूप अवश्य प्रवेश करती हो क्योंकि धूप है ही अनूठी हमारे जीवन के लिए।

सर्दियों में खाएं पालक, चुकंदर और संतरे, रहेंगे एक्टिव

सर्दियों का मौसम खान-पान के लिहाज से काफी अहम होता है। इस सीजन में कुछ खास फल और सब्जियां हैं जो आपकी बॉडी के लिए बहुत हेल्दी और फायदेमंद हैं। जानते हैं कुछ ऐसे ही फूड आइटम्स और उनमें समाए ढ़ेर सारे फायदों के बारे में। इसमें फाइबर की मात्रा काफी होती है। विटामिन और मिनरल दोनों इस सब्जी को लेने से शरीर को मिल जाते हैं। इसको खाने से आयरन की कमी की शिकायत दूर हो जाती है। सर्दियों में सलाद में इसे जरूर शामिल करें, शरीर में लोहे सी मजबूती इससे आएगी।

पालक से दूर रहता है इंफेक्शन

इस सीजन में मार्केट में अच्छी पालक आती है। इस सब्जी की खपत से शरीर को बेहद फायदेमंद एंटी-ऑक्सीडेंट विटामिन मिलते हैं। जैसे विटामिन ए और सी। इसमें विटामिन-के की मात्रा भी काफी होती है, जिससे बोन मास को स्ट्रेंथ मिलती है। यह सब्जी मौसम में इन्फेक्शन से दूर रहने में भी मदद करती है।

चुकंदर भी फायदेमंद

वैसे तो चुकंदर पूरे साल मिलता है, लेकिन सर्दियों में यह ज्यादा उगाया जाता है। इस मौसम में शरीर का मेटाबॉलिज्म कम हो जाता है, इसलिए ऐसे फूड लेने के लिए कहा जाता है जो कम कैलरी के हों मगर जिनमें पोषण यानी न्यूट्रिएंट वैल्यू ज्यादा हो, जो चुकंदर यानी बीटरूट में है।

मूली से बढ़ती है इम्युनिटी

ठंड की सबसे लोकप्रिय सब्जियों और सलाद में से एक है मूली। इस सीजन में शरीर को इम्यून पावर ज्यादा चाहिए और मूली इम्युनिटी बढ़ाती है। इसमें मैग्निशियम, आयरन, कॉपर, कैल्शियम, मिनरल्स की काफी मात्रा में होती है। चीन के लोगों में तो मूली को लेकर यह मान्यता है कि इसे डायट में लेने से बॉडी हमेशा हेल्दी बनी रहती है।

गाजर में है विटामिन का भरमार

इसमें कैरोटिन की मात्रा बाकी के फल और सब्जियों से ज्यादा होती है। साथ ही इसमें काफी तरह के विटामिन भी मौजूद होते हैं। जैसे विटामिन बी, सी, डी, ई और के। मूली की तरह इसे सलाद में भी लिया जा सकता है और सब्जी भी बनाई जा सकती है।

संतरे में जर्म्स से लढ़ने की ताकत

संतरे को सर्दी में लेने के काफी फायदे हैं। इसमें विटामिन सी की मात्रा काफी होती है, जिससे इस मौसम में जर्म्स से लढ़ने में मदद मिलती है। सबसे खास है कि यह लो-कैलरी फ्रुट है। यानी इसे लेने से वजन नहीं बढ़ेगा।

मेकअप करते समय अपनाएं ये छोटे-छोटे टिप्स

मेकअप करने से खूबसूरती और भी बढ़ जाती है लेकिन कुछ लड़कियां चेहरे पर मेकअप का बेस लगाते समय फाउंडेशन का चुनाव सही तरीके से नहीं कर पाती। इससे चेहरे पर धब्बे दिखाई देने लगते हैं। हर किसी की स्किन टोन अलग-अलग होती है और उसी के हिसाब से फाउंडेशन का शेड भी लगाने से ग्लो आता है। आपको भी अपनी स्किन टोन के मैच करते फाउंडेशन के शेड चुनने में परेशानी हो रही है तो ध्यान में रखें ये बातें।

» गोरे रंग के लिए रोजी टिंट बेज कलर टोन वाला फाउंडेशन बैस्ट रहता है। लालिमा लिए गोरे रंग के लिए ऑरेंज शेड का फाउंडेशन बैस्ट रहता है। इसके साथ ही अगर गोरापन सुनहरी रंगत में है तो बेज या हल्के ब्राउन कलर टोन का फाउंडेशन अच्छा रहता है।

» डस्की स्किन के लिए ब्राउनिश बेज शेड का फाउंडेशन लगाएं। इसके साथ चेहरे पर ग्लो आएगा। इस फाउंडेशन के साथ पिंक कलर का ब्लशर न लगाएं।

» चेहरे को हाइलाइट करना चाहते हैं तो हाइलाइटिंग पाउडर से चीकबोंस,नाक और माथे को हाइलाइट करें।

» मेकअप करने के एकदम बाद ब्रॉन्जर का इस्तेमाल न करें।

» लाइट शेड का फाउंडेशन चेहरे पर न लगाएं। यह स्किन टोन से मेल नहीं खाएगा।

आपका मोबाइल हो रहा हीट तो न करें नजरअंदाज

हो सकता है ये नुकसान

पिछले कुछ वक्त से स्मार्टफोन ब्लास्ट होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में यूजर्स के मन में सवाल उठता है कि उनके पास जो फोन है, वो कितना सुरक्षित है और कैसे ये पता लगाया जाए कि उनका स्मार्टफोन फट सकता है या उसमें आग लग सकती है।

आपके मन में उठ रहे इन्हीं सब सवालों के जवाब हम आपको बताने की कोशिश करेंगे

बैटरी का फूल जाना-

अगर आपके फोन की बैटरी फूल गई है तो उसे तुरंत बदलवा लें। वहीं अगर आपके फोन का बैक पैनल उभरा हुआ नजर आता है, तो उसका भी ध्यान रखें। इस स्थिति में बैटरी फटने की सम्भावना सबसे ज्यादा होती है। फूली हुई बैटरी के साथ किसी भी सूरत में छेड़छाड़ न करें, ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

फोन का गर्म होना-

अगर आपका फोन जरा सी देर में ही गर्म हो जाता है तो उसे तुरंत सर्विस सेंटर पर ले जाएं। रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि अधिक गर्म होने वाल स्मार्टफोन फटते हैं या फटने से पहले स्मार्टफोन ज्यादा हीट-अप होते हैं।

बार-बार गिरने से बचाएं-

फोन के बार-बार गिरने से भी बैटरी डैमेज होती है। ऐसे में फोन को बार-बार गिरने से बचाएं। वर्ना आपकी बैटरी कभी भी जल सकती है।

फोन चार्ज ना करें

फोन को हमेशा ऐसी जगह पर ही चार्ज करें जहां का तापमान ज्यादा गरम न हो। अक्सर ज्यादा धूप में भी फोन को रखने से वो हीट हो जाता है और फोन की पावर ऑफ हो जाती है। इसलिए फोन को चार्जिंग के समय सामान्य तापमान में रही रखें।

सही से ठीक करवाएं फोन

अक्सर जब भी किसी का फोन पानी में गिर जाता है तो लोग घर पर ही उसे ठीक करने की कोशिश करने लग जाते हैं। जबकि बेहतर यही होता है की उसे सर्विस सेंटर में रिपेयर करा लिया जाए। फोन के पानी में जाने से बैटरी में शार्ट सर्किट हो सकता है।

मार्बल साफ करने के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स

आजकल लोगों का लाइफस्टाइल बहुत बदल गया है। हर कोई चाहता है कि उसका घर बहुत खूबसूरत हो और लोगों ने घरों में खूबसूरत मार्बल भी लगा रखा है। इस घर तो अच्छा लगता है लेकिन सही तरह से सफाई न होने के कारण गंदा लगने लगता है। इसके रख-रखाव में बहुत ध्यान रखना पड़ता है। आपके घर में भी मार्बल है और ठीक तरह से सफाई नहीं कर पा रहे तो कुछ आसान से तरीके अपना कर इसकी सफाई की जा सकती है। जिससे घर शीशे की तरह चमक जाएगा और मेहमान भी आपकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाएंगे।

1. मॉर्बल की सफाई करने के लिए पीएच नैचुरल या फिर जेंटल क्लीनर से ही सफाई करें। घटिया क्वालिटी के क्लीनर से सफाई करने से मार्बल पर निशान पड़ने शुरू हो जाते हैं।

2. मार्बल पर कुछ गिर जाने से इस पर दाग पड़ जाते हैं। जिससे मार्बल की रंगत खराब हो जाती है। इसे साफ करने के लिए अमोनिया युक्त हाइड्रोजन परऑक्साइड के घोल से इसकी सफाई करें।

3. फर्श पर तेल,चिकनाई,फर्नीचर रगड़ने के दाग पड़ जाएं तो ये पानी से और भी बदरंग हो जाते हैं। ऐसे कोई भी दाग दिखाई दें तो तुरंत ही इन्हें साफ कर दें। वर्ना फर्श की चमक खराब हो जाएगी।

4. मार्बल के फर्श को साफ करने के लिए टेरी क्लॉथ का इस्तेमाल करें। ज्यादा गर्म पानी की बजाए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। बिना वजह के फर्श को न रगड़ें और इस पर सिर्फ फ्लोर क्लीनर का ही इस्तेमाल करें। टाइल क्लीनर से फर्श खुरदरा हो जाएगा।

रेसिपी

हैल्दी पालक सूप

सामग्री

- तेल- 1 छोटा चम्मच
- लहसुन- 1 छोटा चम्मच
- प्याज- 60 ग्राम
- पालक- 165 ग्राम
- जल- 330 मिलीलीटर
- दूध- 220 मिलीलीटर
- नमक- 1 छोटा चम्मच
- काली मिर्च- 1/2 छोटा चम्मच

विधि

मध्यम आंच पर एक पैन में 1 छोटा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। फिर इसमें 1 चम्मच लहसुन, 60 ग्राम प्याज डालकर एक मिनट तक भूनें। बाद में इसमें 165 ग्राम पालक डालकर 2 मिनट तक भून लें। अब इसमें 330 मिलीलीटर पानी डालकर उबाल लें। इस मिश्रण को ब्लेंडर में डालकर अच्छे से ब्लेंड करें। मध्यम आंच पर एक पैन में ब्लैंड किया हुआ मिश्रण, 220 मिलीलीटर दूध, 1 छोटा चम्मच नमक, 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसे 2 मिनट तक पकाएं और बीच-बीच में हिलाते रहे। आपका हैल्दी लो कैलोरी पालक सूप तैयार है। इसे गर्मा-गर्म परोसे।

चावल के रसगुल्ले

सामग्री

1. एक कप चावल 2. ढाई कप दूध
3. दो कप चीनी 4. 2-3 पीसी हुई छोटी इलायची
5. फ्राई करने के लिए घी 6. आवश्कतानुसार पानी

विधि

सबसे पहले चावल लें और इन्हें साफ पानी से धो लें। इसके बाद एक बर्तन में दूध के साथ डालकर इन्हें मध्यम आंच पर पका लें। जब चावल पक जाएं और दूध पूरी तरह से सोख ले तो गैस बंद कर दें और ठंडा होने दें। इसके बाद चाशनी बनाएं। इसके लिए एक गहरी कढ़ाई में पानी और आवशकतानुसार चीनी डालकर माध्यम आंच में पकाएं। फिर इसमें इलायची पाउडर डाल दें। एक या दो तार की चाशनी न बनाएं। बस पानी को बॉयल करें। अब चावल भी ठंडे हो गए होगे। इन्हें आप बारीक पीस लें। पीसने के बाद इसे ठीक तरह से फेंट लें। इसके बाद एक कढ़ाई में घी डालकर माध्यम आंच में गर्म करें। जब वह गर्म हो जाएं, तो हथेलियों में थोड़ा-सा घी लगाकर चिकना कर लें और फिर थोड़ा-सा चावल का पेस्ट इसे गुलाब जामुन के आकार का बनाएं और घी में डालकर उलट-पलट कर धीमी आंच पर सेंक लें। इन्हें जब तक सेंके। जब तक कि गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके। इसके बाद इन्हें निकालकर चाशनी में डाल दें। चाशनी में 2-3 घंटे पड़े रहने के बाद इन्हें बाउल में निकाल लें और सर्व करें।

संपादकीय

बिना छात्र स्कूल

निस्संदेह शिक्षा मंत्रालय की वह रिपोर्ट परेशान करने वाली है, जिसमें बताया गया है कि बीते शिक्षा सत्र में देश के आठ हजार सरकारी स्कूलों में किसी बच्चे ने दाखिला नहीं लिया। लेकिन विडंबना यह है कि इन स्कूलों में बीस हजार शिक्षक तैनात हैं। वहीं देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी कक्षाएं चल रही हैं। वैसे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार तीस विद्यार्थियों पर एक शिक्षक अनिवार्य रूप से होना चाहिए, लेकिन इसकी अनदेखी करके हर जगह विसंगतियां नजर आती हैं। यही वजह है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में आठ हजार स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल में है। यह संख्या 3,812 है, जो बेहद चौंकाने वाली बात है। स्थिति का दूसरा परेशान करने वाला तथ्य यह है कि इसी राज्य के बिना दाखिले वाले स्कूलों में बाकायदा करीब अठारह हजार शिक्षक तैनात हैं। कमोबेश तेलंगाना की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 2,245 स्कूल जीरो एडमिशन वाले हैं तथा एक हजार से ज्यादा शिक्षक यहां तैनात हैं। वहीं भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश, जिसका स्थान इस सूची में तीसरा है, वहां 463 स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। बाकायदा 223 शिक्षक इन जीरो एडमिशन वाले स्कूलों में तैनात हैं। वैसे चौंकाने वाली बात यह है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में इस बार के मुकाबले पांच हजार स्कूल अधिक ऐसे थे, जहां कोई विद्यार्थी दाखिल नहीं हुआ था। एक विसंगति यह भी है कि स्कूली शिक्षा राज्य सरकारों के अधीन होती है, अतः केंद्र सरकार का दखल इसमें नहीं होता। लेकिन राज्य सरकार व शिक्षा विभाग की नीतियों पर सवाल तो उठता ही है। इसके बावजूद केंद्रीय शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे शून्य दाखिले की परंपरा रोकने के लिये यथासंभव प्रयास करते रहें। बहरहाल, यहां एक सवाल यह भी है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों के शिक्षक छात्रों को स्कूल में लाने के व्यक्तिगत प्रयास क्यों नहीं करते? वैसे कुछ राज्यों के शिक्षा विभाग ने इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए हैं। जहां शिक्षा विभाग ने स्कूलों में छात्रों की कम संख्या को देखते हुए उनका समायोजन अधिक छात्र संख्या वाले स्कूलों में करके संतुलन साधने का प्रयास किया है। यहां हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ आदि के शिक्षा विभाग की सराहना करनी होगी, जहां एक भी स्कूल जीरो एडमिशन वाला नहीं था। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग ने राज्य भर के जीरो एडमिशन वाले 81 स्कूलों की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया आरंभ की। इसका मानक यह होगा कि जहां पिछले लगातार तीन शैक्षणिक वर्षों में कोई छात्र दाखिल न हुआ हो। एक परेशान करने वाला आंकड़ा यह भी है कि देश के एक लाख स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं के छात्रों को पढ़ा रहा है, जिसमें करीब तैंतीस लाख छात्र अध्ययनरत हैं। जाहिर है वे छात्र क्या पढ़ रहे होंगे और उनका भविष्य क्या होने जा रहा है। यहां विचारणीय प्रश्न यह भी है कि छात्रों का सरकारी स्कूलों से मोहभंग क्यों हो रहा है? यह समाज विज्ञानियों के लिए अध्ययन का विषय होना चाहिए कि कम फीस व पर्याप्त शिक्षक व शिक्षण व्यवस्था के बावजूद छात्र इन स्कूलों में क्यों पढ़ना नहीं चाहते? यह विडंबना ही है कि जिन संस्थानों में नौकरी सुरक्षित और सुविधाएं पर्याप्त होती हैं, वहां कर्मचारी अपना बेहतर प्रदर्शन करते नजर नहीं आते। जबकि निजी स्कूलों में कम वेतन और कम सुविधाओं के बावजूद कर्मचारी जमकर मेहनत करते हैं। वहां शिक्षकों का खूब दोहन होता है लेकिन कक्षाएं छात्र-छात्राओं से भरी होती हैं। विडंबना यह भी कि अभिभावक ज्यादा फीस देकर भी संतुष्ट नजर आते हैं। अक्सर कहा जाता है कि जिस दिन सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों व नेताओं के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ने लगेंगे, उस दिन सरकारी स्कूलों की दशा-दिशा सुधर जाएगी। फिलहाल देश में लाखों स्कूलों की स्थिति असंतोषजनक है और इस दिशा में गंभीर प्रयास की मांग की जाती है।

कमोबेश तेलंगाना की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 2,245 स्कूल जीरो एडमिशन वाले हैं तथा एक हजार से ज्यादा शिक्षक यहां तैनात हैं। वहीं भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश, जिसका स्थान इस सूची में तीसरा है, वहां 463 स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। बाकायदा 223 शिक्षक इन जीरो एडमिशन वाले स्कूलों में तैनात हैं। वैसे चौंकाने वाली बात यह है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में इस बार के मुकाबले पांच हजार स्कूल अधिक ऐसे थे, जहां कोई विद्यार्थी दाखिल नहीं हुआ था। एक विसंगति यह भी है कि स्कूली शिक्षा राज्य सरकारों के अधीन होती है, अत: केंद्र सरकार का दखल इसमें नहीं होता। लेकिन राज्य सरकार व शिक्षा विभाग की नीतियों पर सवाल तो उठता ही है। इसके बावजूद केंद्रीय शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे शून्य दाखिले की परंपरा रोकने के लिये यथासंभव प्रयास करते रहें। बहरहाल, यहां एक सवाल यह भी है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों के शिक्षक छात्रों को स्कूल में लाने के व्यक्तिगत प्रयास क्यों नहीं करते? वैसे कुछ राज्यों के शिक्षा विभाग ने इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए हैं। जहां शिक्षा विभाग ने स्कूलों में छात्रों की कम संख्या को देखते हुए उनका समायोजन अधिक छात्र संख्या वाले स्कूलों में करके संतुलन साधने का प्रयास किया है।

कुछ अलग

अहंकार मर्दन

द्वारका में श्रीकृष्ण सिंहासन पर रानी सत्यभामा के साथ विराजमान थे। बातों-बातों में सत्यभामा ने पूछा, 'प्रभु, क्या त्रेता युग में सीता मुझसे भी अधिक सुंदर थीं?' श्रीकृष्ण समझ गए कि उन्हें रूप का अहंकार हो गया है। तभी गरुड़ ने अपनी गति पर गर्व किया और सुदर्शन चक्र ने अपनी शक्ति पर। भगवान मुस्कुराए और समझ गए तथा तीनों का अहंकार दूर करने की योजना बनाई। उन्होंने गरुड़ को हनुमान को द्वारका बुलाने भेजा, स्वयं राम का रूप धारण किया और सत्यभामा को सीता का रूप लेने को कहा। सुदर्शन चक्र को द्वार पर पहरा देने का आदेश दिया। गरुड़ जी, हनुमान के पास गए और उन्हें द्वारका चलने को कहा। हनुमान ने कहा, 'आप चलिए, मैं आता हूं।' गरुड़ जी ने सोचा कि पता नहीं यह बूढ़ा वानर कब द्वारका पहुंचेगा। जब गरुड़ द्वारका पहुंचे तो देखा कि हनुमान उनसे पहले ही भगवान के चरणों में विराजमान थे। गरुड़ जी लज्जित हो उठे। भगवान ने पूछा, 'तुम बिना आज्ञा के भीतर कैसे आए?' हनुमान ने सुदर्शन चक्र को अपने मुंह से निकालकर कहा, 'इन्होंने रोकने की कोशिश की, इसलिए इन्हें साथ ले आया।' फिर हनुमान ने सत्यभामा की ओर देखकर पूछा, 'प्रभु, आज सीता माता के स्थान पर सिंहासन पर आपके साथ यह दासी क्यों बैठी हैं?' यह सुनकर सत्यभामा का रूप-अहंकार चूर-चूर हो गया। गरुड़ का वेग-अहंकार और सुदर्शन का शक्ति-अहंकार भी पल में चूर हो गए। वे तीनों प्रभु चरणों में झुककर कृतज्ञता से भर उठे।

आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे

अमीरी में अभिवृद्धि विद्रोह एवं संकट का बड़ा कारण

ललित गर्ग

रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है। यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं।

विश्व अर्थव्यवस्था पर किए गए हालिया अध्ययन विशेषकर जी-20 पैनल की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है। यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं। सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है। जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब अभाव, तंगी एवं जहालत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग सतहत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि निचले साठ प्रतिशत लोगों के हिस्से में मात्र 4.7 प्रतिशत संपत्ति आती है। बीते दशक में अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी

स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीबी मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी आश्चर्यकारी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। करीब 25 करोड़ लोगों को गरीब से बाहर लाया गया है। इस साल की शुरुआत में, विश्व बैंक ने भी बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। मोदी सरकार के जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने करोडों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। फिर भी देश में धन-संपत्ति की असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि असंतोष और हिंसा की जड़ है। जब परिश्रमी व्यक्ति को उसका उचित मूल्य नहीं मिलता, जब समाज में अवसर और सम्मान का समान वितरण नहीं होता, तब भीतर आक्रोश और विद्रोह जन्म लेता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने कहा है कि जब पूंजी की आय दर आर्थिक वृद्धि दर से अधिक हो जाती है, तब समाज में असमानता बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें हिल जाती हैं। आज यही हो रहा है। आर्थिक असंतुलन से सामाजिक असंतुलन उपज रहा है, अविश्वास और द्वेष का वातावरण बन रहा है। कोरोना महामारी ने इस असमानता को और गहरा किया। जब करोड़ों लोग बेरोजगार और निर्धन हो गए, तब कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों और कंपनियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई। इसका अर्थ यह है कि संकट भी अब वर्ग विशेष के लिए अवसर बन गया है। युद्धों, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने गरीब देशों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया। अमीर देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इन संकटों से भी मुनाफा कमाया जबकि विकासशील देशों में भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की उपलब्धता घटती गई। विकास का अर्थ हमने केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि तक सीमित कर दिया है। समाज में नैतिकता, समानता, सहानुभूति और पर्यावरणीय न्याय जैसे तत्व विकास की परिभाषा से गायब हो गए हैं। अमीर देशों की कंपनियां गरीब देशों के संसाधनों का दोहन करती हैं, और गरीब देशों के श्रमिक उनके उत्पादन का आधार बन जाते हैं। यह एक नया आर्थिक उपनिवेशवाद है, जहां अब सत्ता नहीं, पूंजी शासन करती है। गरीबी उन्मूलन की तस्वीर को केवल संख्याएं ही पूरी तरह नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव भी नजर आना चाहिए, आम जीवनस्तर उन्नत होता हुआ भी दिखना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही नये भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है। गरीबी-अमीरी के असंतुलन की स्थिति से निकलने का एक ही मार्ग है-धन का न्यायपूर्ण पुनर्वितरण, समान अवसर और समाजोपयोगी नीति। कर व्यवस्था ऐसी हो जो अमीरों से अधिक कर लेकर गरीबों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सुदृढ़ करे। अवसरों की समानता तभी संभव है जब शिक्षा और स्वास्थ्य सभी के लिए समान रूप से सुलभ हों। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है ताकि नीति पूंजी के लिए नहीं, नागरिक के लिए बने। परंतु केवल नीतियों से नहीं, दृष्टि से परिवर्तन आएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-"गरीब पापी नहीं, जीवित देवता हैं। उनकी सेवा ही ईश्वर की सेवा है।" दूसरी बड़ी बात है कि जब कुछ लोग सब कुछ पा लेते हैं, तो बाकी सब कुछ खो देते हैं। इसलिये सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहल करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक, समता एवं सतुलन के दृश्य स्थापित किये जा सकते हैं। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है।

देश दुनिया से

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही का संकट

नियम मानकों की अनदेखी देश में एक गंभीर समस्या बन चुकी है। भारतीय चिकित्सा क्षेत्र तक लापरवाही से अछूता नहीं। हमारे उपचार केंद्र नागरिक-स्वास्थ्य के प्रति कितने संजीदा हैं, इसका ताज़ा उदाहरण झारखंड के पश्चिम सिंहभूम ज़िले में चाईबासा के सदर अस्पताल में देखने को मिला। कथित तौर पर यहां थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआइवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया। मंझारी प्रखंड के रहने वाले पीड़ित बच्चे के परिजनों द्वारा शिकायत दर्ज़ कराने पर ही मामला प्रकाश में आया। परिजनों के आरोपानुसार, दीर्घकाल से थैलेसीमिया ग्रस्त सात वर्षीय बच्चा रक्त चढ़ाने के क्रम में एचआइवी से संक्रमित हुआ। झारखंड हाईकोर्ट द्वारा विषय का संज्ञान लेने के उपरांत राज्य सरकार हरक़त में आई। रांची से आई विशेष मेडिकल टीम की जांच में चार और बच्चे एचआईवी पॉज़िटिव पाए गए। संख्या संभवतः बढ़ सकती है। रक्त दान, 'महादान' माना गया है चूंकि इसकी समयानुकूल उपलब्धता किसी को जीवनदान देने का सामर्थ्य रखती है। रक्त आधान प्रक्रिया रक्त हानि की भरपाई करने, रक्त कोशिकाओं के उत्पादन संबंधी समस्या ठीक करने अथवा दुर्घटना, सर्जरी आदि कुछ चिकित्सीय स्थितियों का इलाज करने हेतु प्रयुक्त की जाती है। सामान्य तौर पर, रक्त उत्पादों का सावधानीपूर्वक चयन तथा रखरखाव ज़ोख़िम को कम करता है जबकि इस संदर्भ में तनिक सी कोताही घातक सिद्ध हो सकती है। गलत खून चढ़ाने की घटनाएं गंभीर चिकित्सा लापरवाही (मेडिकल नेगलिजेंस) के मामले मानी जाती हैं, जिनके परिणामस्वरूप रोगी की शारीरिक क्षति या मृत्यु तक हो सकती है। इस संदर्भ में दिशानिर्देश बराबर सुनिश्चित करते हैं कि दान किया गया रक्त प्राप्तकर्ता के लिए उपयुक्त हो। विशेषज्ञों के अनुसार, प्राप्तकर्ता के शरीर में किसी गलत रक्त समूह का खून चढ़ाना बेहद ख़तरनाक साबित हो सकता है। रक्त चढ़ाने के 24 घंटे के भीतर या आधान के समय उसे तीव्र हेमोलिसिस हो सकता है। संक्रमित खून चढ़ाने से एलर्जी हो सकती है, जिसका प्रभाव आमतौर पर प्लाज़्मा युक्त रक्त घटकों के आधान के दौरान या उसके तुरंत बाद देखा जा सकता है। रोगी का शरीर दान किए गए प्लाज़्मा में मौजूद प्रोटीन के प्रति प्रतिक्रिया कर सकता है, जिसके लक्षण खुजली तथा पित्ती हो सकते हैं। अन्य लक्षणों में घरघराहट तथा सांस लेने में परेशानी हो सकती है। रक्त आधान के माध्यम से संचारित होने में सक्षम वायरल एजेंटों में मानव इम्यूनोडेफिशिएंशी वायरस (एचआईवी), हेपेटाइटिस वायरस, वेस्ट नाइल वायरस (डब्ल्यूएनवी)

हमारे उपचार केंद्र नागरिक-स्वास्थ्य के प्रति कितने संजीदा हैं, इसका ताज़ा उदाहरण झारखंड के पश्चिम सिंहभूम ज़िले में चाईबासा के सदर अस्पताल में देखने को मिला। कथित तौर पर यहां थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआइवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया। मंझारी प्रखंड के रहने वाले पीड़ित बच्चे के परिजनों द्वारा शिकायत दर्ज़ कराने पर ही मामला प्रकाश में आया। परिजनों के आरोपानुसार, दीर्घकाल से थैलेसीमिया ग्रस्त सात वर्षीय बच्चा रक्त चढ़ाने के क्रम में एचआइवी से संक्रमित हुआ। झारखंड हाईकोर्ट द्वारा विषय का संज्ञान लेने के उपरांत राज्य सरकार हरक़त में आई। रांची से आई विशेष मेडिकल टीम की जांच में चार और बच्चे एचआईवी पॉज़िटिव पाए गए। संख्या संभवत: बढ़ सकती है। रक्त दान, 'महादान' माना गया है चूंकि इसकी समयानुकूल उपलब्धता किसी को जीवनदान देने का सामर्थ्य रखती है। रक्त आधान प्रक्रिया रक्त हानि की भरपाई करने, रक्त कोशिकाओं के उत्पादन संबंधी समस्या ठीक करने अथवा दुर्घटना, सर्जरी आदि कुछ चिकित्सीय स्थितियों का इलाज करने हेतु प्रयुक्त की जाती है।

शामिल हैं, हालांकि रक्त दाताओं और रक्त जांच संबंधी दिशानिर्देशों के मुताबिक़, रक्त आधान से होने वाले एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसे वायरल संक्रमण अत्यंत दुर्लभ हैं। अपने प्रकार की यह पहली घटना नहीं, इससे पूर्व भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जहां गलत खून चढ़ाने के गंभीर परिणाम देखने में आए। जबलपुर सरकारी अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित 16 बच्चों में से कुछ को गलत रक्त चढ़ाने के कारण तीन बच्चों की मृत्यु हो गई थी एवं चार गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे। जोधपुर एम्स में एक 50 वर्षीय मरीज़ को अनुपयुक्त समूह का रक्त चढ़ाना उसकी मौत का सबब बना। कानपुर में गलत खून चढ़ा देने से एक महिला की किडनी फेल हो गई थी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, गलत खून चढ़ाना 'पेशेवर निर्णय की त्रुटि' न होकर, चिकित्सा लापरवाही का एक निश्चित उदाहरण है। चिकित्सा लापरवाही के मामलों में पीड़ित या उनके परिवार के पास दोषी के विरुद्ध आपराधिक या दीवानी शिकायत दर्ज़ करवाने जैसे कानूनी उपाय चुनने का विकल्प उपलब्ध है। आपराधिक मामलों में, भारतीय दंड संहिता की धारा 304ए के तहत 'लापरवाही से मृत्यु' के लिए दंड का प्रावधान है, जबकि दीवानी मामलों में उपभोक्ता फ़ोरम या अदालतों के माध्यम से मुआवज़े की मांग की जा सकती है। उल्लेखनीय है, उपरोक्त तीनों मामलों में, अस्पताल तथा संबंधित कर्मचारियों को जवाबदेह ठहराया गया और उन्हें कानूनी कार्रवाई तथा मुआवज़े का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी घटनाओं का दोहराव न रुकना चिंता बढ़ाता है। कुछ अधिकारियों को निलंबित करने मात्र से समस्या नहीं सुलझ सकती, समूल निराकरण हेतु हमें इसकी जड़ों तक पहुंचना होगा। पूरे सिस्टम में आमूल-चूल परिवर्तन करने के दावे केवल काग़ज़ी आश्वासन तक सीमित रहना ही घटनाओं की पुनरावृत्ति में प्रमुख कारण बनता है। हर बार जांच के दौरान प्रबन्धन संबंधी त्रुटियां सामने आने के बावजूद उनके सुधार के प्रति ईमानदार प्रयास करने की ज़हमत ही नहीं उठाई जाती। वक्त की गर्द में पूर्व की घटनाएं धूमिल पड़ती जाती हैं, हालात यथावत रहते हैं। मीडिया जानकारी अनुसार, राष्ट्रीय ब्लड नीति के पैमानों पर चाईबासा सदर अस्पताल ब्लड बैंक का ख़रा न उतर पाना व्यवस्थाओं, अधिकारियों एवं नीति नियंताओं, सभी को बराबर कटघरे में खड़ा करता है। न परस्पर दोषारोपण से बात बनेगी, न ही दो लाख का मुआवज़ा पीड़ितों की पीड़ा हर सकता है। समस्या तभी सुलझेगी जब नियम-मानकों तथा प्रबन्धन के मध्य स्थित व्यापक अंतर को हर स्तर पर पाटा जाए। चिकित्सा पेशेवरों द्वारा 'देखभाल के मानक' का अक्षरशः पालन किए बिना भी घटनाएं रुकने की उम्मीद कैसे रख सकते हैं?

आप का नजरिया

भयावह असमानता

उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता अपने चरम पर जा पहुंची है। एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। जिस बात की पुष्टि स्वतंत्र विशेषज्ञों के जी-20 पैनल द्वारा किए एक अध्ययन के निष्कर्षों में की गई है। इस अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 और 2024 के बीच दुनिया भर में बनी नई संपत्तियों का बड़ा हिस्सा दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास है। जबकि निचले स्तर की आधी आबादी के हिस्से में एक प्रतिशत ही आया है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब गुरबत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। वहीं दूसरी ओर राज्य के विपक्ष ने भी इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। लेकिन इसके बावजूद राज्य में जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने हजारों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। इसमें दो राय नहीं कि यदि सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहले करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक पहल की जा सकती है। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है। जनता को मुफ्त में सुविधाएं देने के बजाय ऋण व अनुदान से उत्पादकता बढ़ाकर उन्हें स्वावलंबी बनाना होगा। प्रत्येक चिन्हित गरीब परिवार के लिए सूक्ष्म योजनाएं तैयार करना और उन्हें क्रियान्वित करना उचित होगा। निस्संदेह, देश के अन्य राज्य भी अपनी जरूरतों और परिस्थितियों के अनुसार केरल के मॉडल को अपना सकते हैं। इसमें केंद्र व राज्य सरकारों को अनुकूल आंकड़ों का सहारा लेना भी जरूरी होगा। इस साल की शुरुआत में, विश्व बैंक ने बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। केंद्र सरकार ने अपने काम के लिये खुद की पीठ भी थपथपाई थी। हालांकि, गरीबी के अनुमानों की रिपोर्टिंग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाये गए थे। निर्विवाद रूप से सभी हितधारकों को यह तथ्य समझना होगा कि केवल संख्याएं ही पूरी तस्वीर को नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव नजर भी आना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है।

एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। जिस बात की पुष्टि स्वतंत्र विशेषज्ञों के जी-20 पैनल द्वारा किए एक अध्ययन के निष्कर्षों में की गई है। इस अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 और 2024 के बीच दुनिया भर में बनी नई संपत्तियों का बड़ा हिस्सा दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास है। जबकि निचले स्तर की आधी आबादी के हिस्से में एक प्रतिशत ही आया है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब गुरबत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है।

दृष्टि कोण

हैवी लिफ्ट अंतरिक्ष प्रक्षेपण के दरवाजे खुले

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 2 नवंबर को, भारतीय नौसेना के लिए जीसैट-7आर का प्रक्षेपण करके अपनी दक्षता को एक बार फिर से साबित किया है। दक्षता इसलिए क्योंकि देश के सबसे शक्तिशाली रॉकेट लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (एलवीएम-3) का इसमें इस्तेमाल हुआ था, जिसकी भार वहन क्षमता मोटे तौर पर 4000 किलोग्राम की थी, पर उसने जिस उपग्रह का प्रक्षेपण किया, उसका भार 4,410 किलोग्राम था। भारतीय धरती से प्रक्षेपित यह अब तक का सबसे भारी संचार उपग्रह है। सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) सैन्य संचार उपग्रह है, जिसका वित्तपोषण पूरी तरह से रक्षा मंत्रालय ने किया है। इसे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षित, मल्टी-बैंड संचार लिंक प्रदान करने के लिए भारतीय नौसेना के उपयोग के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है। यह उपग्रह पोतों, पनडुब्बियों और विमानों के बीच आवाज, डेटा और वीडियो लिंक के लिए संचार नेटवर्क का काम करेगा। मुख्य मिशन के रूप में इसका काम समुद्री सुरक्षा और निगरानी है। यह पुराने जीसैट-7 (रुक्मिणी) की जगह लेगा, जो 2013 से सेवा में है। जीसैट-7 और जीसैट-7ए देश के समर्पित सैन्य संचार उपग्रह हैं। दिसंबर 2018 में प्रक्षेपित जीसैट-7ए, मुख्यतः वायुसेना के लिए डिज़ाइन किया गया है। थलसेना आंशिक रूप से इसकी लगभग 30 प्रतिशत क्षमता का उपयोग करती है। हमारे संचार उपग्रह अपेक्षाकृत भारी होते हैं। इसरो की कोशिश होती है कि एक ही उपग्रह में व्यापक कवरेज, उच्च शक्ति और लंबी सेवा अवधि का मेल हो। पूरे देश और आसपास के समुद्रों की कवरेज के लिए, संचार पेलोड को कई आवृत्ति बैंडों में कई चैनलों की आवश्यकता होती है। इसके लिए कई बड़े एंटेना, उच्च-शक्ति एम्प्लीफायर, वेवगाइड, फ़िल्टर, स्विच कई एनालॉग ट्रांसपोंडरों या लचीले डिजिटल प्रोसेसर की आवश्यकता होती है। करीब 12 से 15 साल तक कई किलोवाट बिजली की आपूर्ति के लिए, उपग्रहों में बड़े सौर पैनल, पर्याप्त बड़ी बैटरियां और पावर कंडीशनिंग इकाइयां होती हैं। इस

वजह से वजन बढ़ता है। चार हजार किलोग्राम से अधिक वज़न वाला जीसैट-7आर इसरो का यह पहला उपग्रह है, जिसे देश की धरती से दूरस्थ भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापित किया गया है। इस प्रक्षेपण ने उस बाधा को तोड़ा, जो अपने प्रक्षेपकों की मदद से भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण से हमें रोकती थी। पिछले साल 19 नवंबर को एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के फैल्कन-9 रॉकेट का उपयोग करके इसरो ने जब जीसैट-एन2 या जीसैट-20 का प्रक्षेपण किया, तब उस बाधा का उल्लेख भारतीय मीडिया में हुआ था। भारत ने हालांकि 430 से अधिक विदेशी उपग्रहों को लॉन्च किया है, लेकिन जीसैट-20 इतना भारी था कि भारतीय प्रक्षेपण यान इसे अंतरिक्ष में ले जाने में असमर्थ थे। इस कारण इसरो को स्पेसएक्स के साथ साझेदारी करनी पड़ी। हमारे पास 4700 किलोग्राम के उस उपग्रह के प्रक्षेपण लायक रॉकेट नहीं है। स्पेसएक्स का फैल्कन-9 रॉकेट 8,300 किलोग्राम तक के पेलोड को संभाल सकता है। भारत का रॉकेट 'द बाहुबली' या एलएमवी-3 अधिकतम 4000 से 4100 किलोग्राम तक के वजन को जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक ले जा सकता है। बहरहाल यह उपलब्धि ज़रूर है कि हमने 4000 किलोग्राम वजन की क्षमता वाले रॉकेट से 4410 किलोग्राम के उपग्रह का प्रक्षेपण करने में सफलता हासिल कर ली। ऐसा करने के लिए रॉकेट के इंजन में कुछ परिवर्तन किए गए और उपग्रह को अपेक्षाकृत निचली कक्षा में स्थापित किया गया, जहां से वह अपने थ्रस्ट इंजन की सहायता से निर्धारित भूस्थिर कक्षा में चला जाएगा।

जर्मन जनरल का दावा : रूस कभी भी नाटो देशो पर 'सीमित' हमला कर सकता है

बर्लिन, 07 नवंबर (एजेंसियां) ।

जर्मनी के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर सोल्फ्रैंक ने दावा किया है कि रूस उत्तर अटलांटिक संधि संगठन(नाटो) के सदस्य देशों पर कभी भी एक 'सीमित' हमला कर सकता है, लेकिन ऐसा करने का उसका फैसला पश्चिमी देशों के 'व्यवहार' पर निर्भर करेगा। जनरल सोल्फ्रैंक ने एक मीडिया संगठन को गुरूवार को दिए साक्षात्कार में कहा, 'यदि आप रूस की वर्तमान क्षमताओं और युद्ध शक्ति पर नजर डालें, तो रूस कल से ही नाटो क्षेत्र पर छोटे स्तर का हमला शुरू कर सकता है। वह फिलहाल यूक्रेन में उलझा है, इसीलिए वह एक छोटा, त्वरित, क्षेत्रीय रूप से सीमित हमला ही करेगा।' सोल्फ्रैंक, जर्मनी के संयुक्त संचालन कमांड का नेतृत्व करते हैं और रक्षा योजना की देखरेख करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि रूस हथियार जुटाने के प्रयासों को जारी रखता है, तो वह 2029 तक 32 सदस्यीय नाटो गठबंधन पर बड़े पैमाने पर हमला करने की क्षमता विकसित कर सकता है। हालांकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आक्रामक इरादों से इनकार करते हुए कहते हैं कि रूस का 2022 का यूक्रेन पर आक्रमण करने का उद्देश्य नाटो की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं से 'रक्षा' करना था। सोल्फ्रैंक ने कहा कि यूक्रेन में कुछ ''झटकों' के बावजूद, रूस की वायु सेना में पर्याप्त युद्ध शक्ति बरकरार है, और उसके परमाणु तथा मिसाइल बल मजबूत हैं। उन्होंने कहा, 'रूस की थल सेना को नुकसान हो रहा है, लेकिन रूस कहता है कि वह अपनी कुल सैनिक संख्या को 15 लाख सैनिकों तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है और उसके पास इतने मुख्य युद्धक टैंक हैं कि कल से ही नाटों देशों पर सीमित हमला हो सकता है।' सोल्फ्रैंक ने कहा कि रूस का नाटो पर हमला करने का फैसला तीन कारकों पर निर्भर करेगा जो रूस की सैन्य शक्ति, सैन्य रिकॉर्ड और नेतृत्व हैं। उन्होंने कहा, 'ये तीन कारक मुझे इस निष्कर्ष पर ले जाते हैं कि रूसी हमला संभव है। क्या यह होगा या नहीं, यह काफी हद तक हमारे अपने व्यवहार पर निर्भर करता है।' सोल्फ्रैंक ने 2024 में संयुक्त संचालन कमांड की स्थापना के बाद से ही इसका नेतृत्व किया है। वर्तमान पदभार संभालने से पहले, सोल्फ्रैंक ने जर्मनी के दक्षिणी शहर उल्म में नाटो की 'लॉजिस्टिक्स कमांड' जेसेक का संचालन किया था।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वां में सात विद्रोही और एक पुलिस अधिकारी की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वां प्रांत के बन्नू शहर में पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के एक संयुक्त अभियान में सात विद्रोही मारे गए हैं। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी के मारे जाने की भी खबर है। जानकारी के अनुसार, बन्नू के छावनी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मैमंदखेल इलाके में पुलिस और विद्राही लड़ाकों के बीच गुरूवार को हुई एक भीषण मुठभेड़ में सात विद्रोही मारे गए । इस दौरान एक पुलिस अधिकारी भी मारा गया । बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) के अनुसार, विद्रोहियों ने सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला किया, जिसके बाद त्वरित जवाबी कार्रवाई में सभी सात विद्रोही मारे गए। मुठभेड़ के दौरान, आबिद खान नामक एक पुलिस अधिकारी भी मारा गया , जबकि दस अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके अलावा, गोलीबारी की चपेट में आने से चार नागरिक भी घायल हुए हैं। अभियान के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने समूचे क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी है और विद्रोहियों के मददगारों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

इस्लामाबाद पुलिस ने सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल प्रमुख साहिबजादा मोहम्मद हामिद रजा को गिरफ्तार किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रमुख नेता और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) प्रमुख साहिबजादा मोहम्मद हामिद रजा को इस्लामाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार एसआईसी के कार्यवाहक अध्यक्ष और उनके भाई साहिबजादा हसन रजा ने शुक्रवार को फैसलाबाद अदालत के बाहर मीडिया से बातचीत में अपने भाई की गिरफ्तारी की पुष्टि की। हामिद रजा को इसी अदालत में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि एसआईसी प्रमुख ने अदालत के गिरफ्तारी आदेश पर फैसलाबाद की आतंकवाद-रोधी अदालत (एटीसी) के समक्ष पेश होने जा रहे थे। इस्लामाबाद पुलिस ने उन्हें इस्लामाबाद बाईपास रोड पर एक धरनास्थल के पास से गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता उमर अयूब ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि रजा को कल देर रात इस्लामाबाद से अगवा कर लिया गया। वह हमारे सहयोगी हैं। उन्होंने रजा की गिरफ्तारी की निंदा की है। पीटीआई नेता ने कहा कि साहिबजादा हामिद रजा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबी हैं। रजा की याचिका दो दिन पहले पेशावर उच्च न्यायालय ने खारिज कर दी थी। उन्होंने एक मामले में जमानत मांगी थी। इस मामले में उन्हें फैसलाबाद स्थित एक एटीसी ने दोषी ठहराया था। बाद में पाकिस्तान चुनाव आयोग ने उन्हें नेशनल असेंबली के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया था। 31 जुलाई को दोष सिद्धि की घोषणा की गई और रजा सहित अन्य पीटीआई नेताओं को नौ मई के दंगों में शामिल होने के लिए 10 साल कैद की सजा सुनाई गई। दंगों के बाद पीटीआई नेताओं सहित हजारों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। बाद में, चुनाव आयोग ने पीटीआई से उसका बल्ला चुनाव चिह्न छीन लिया। इस वजह पीटीआई नेताओं को 2024 का चुनाव स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद पीटीआई ने आरक्षित सीटें पाने के लिए एसआईसी के साथ गठबंधन किया। यह सीटें पार्टी के आधार पर आवंटित की जाती हैं।

पाकिस्तान में जनजातीय समूहों के बीच गोलीबारी और पुलिस कार्रवाई में 15 लोग मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में घोटकी जिले के उबाउरो शहर में तीन जनजातीय समूहों के बीच हुई गोलीबारी के बाद सशस्त्र समूहों के खिलाफ पुलिस एवं रेंजर्स की संयुक्त कार्रवाई के दौरान कम से कम 15 लोग मारे गए हैं। विभिन्न समाचार पत्रों में पुलिस के हवाले से शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। इस बीच पुलिस के अनुसार, उबाउरो में तीन जनजातीय समूहों के बीच सशस्त्र संघर्ष के बाद, पुलिस और रेंजर्स का एक संयुक्त अभियान जारी है। गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी के भी मारे जाने की खबर है। गोलीबारी में सैलरा और डोंडो जनजातियों के छह लोग मारे गए हैं, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान, शार जनजाति समूहके नौ लोग मारे गए हैं।

ट्रंप प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट से राहत, पासपोर्ट नीति में बदलाव को अनुमति

जन्म के समय का ही जेंडर दर्ज करना होगा अनिवार्य, बाकी विकल्प होंगे खत्म

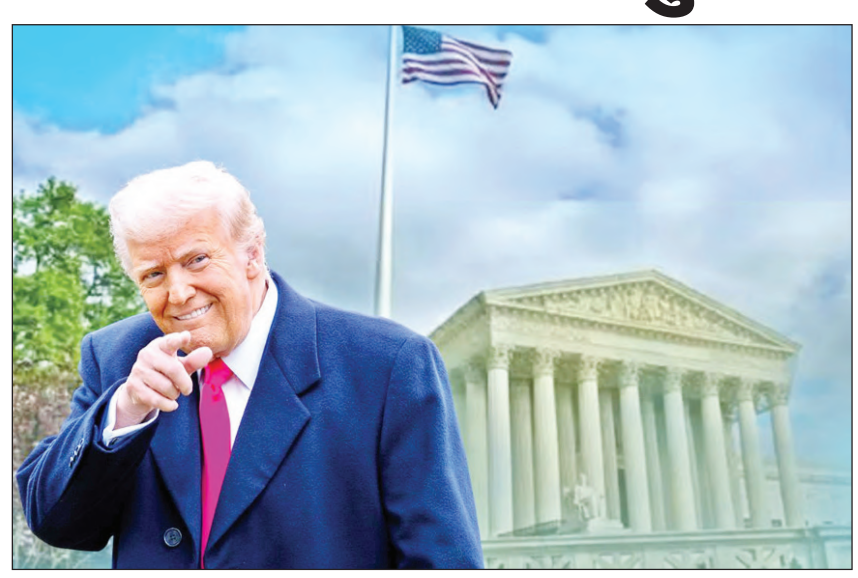

वाशिंगटन, 07 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत प्रदान करते हुए उसे पासपोर्ट में बदलाव की अनुमति प्रदान कर दी। न्यायालय ने गुरुवार को अपने फैसले में कहा कि नई पासपोर्ट नीति किसी के भी अधिकारों का हनन नहीं करती। नई पासपोर्ट नीति लागू होने के बाद अमेरिकी नागरिकों को पासपोर्ट के आवेदन के समय जन्म के समय का ही जेंडर (स्त्री या पुरुष) दर्ज करना होगा। पासपोर्ट के आवेदन दस्तावेज में और कोई विकल्प नहीं होगा। ट्रंप प्रशासन को पासपोर्ट नीति में बदलाव के लिए काफी समय से कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ रहा था।

सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को ट्रंप प्रशासन को ट्रांस और नॉन-बाइनरी अमेरिकियों के लिए पासपोर्ट पर पहचान के विकल्प को सीमित करने की अनुमति दे दी। इस फैसले को ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी अमेरिकियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। यह वर्ग शुरू से इस नीति को असंवैधानिक ठहराता रहा है। दरअसल, ट्रांस और नॉन-बाइनरी अलग-अलग शब्द हैं। हालांकि कुछ लोग खुद को दोनों मानते हैं। ट्रांस (ट्रांसजेंडर) ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसकी पहचान जन्म के समय दिए गए जेंडर से भिन्न होती है। नॉन-बाइनरी व्यक्ति खुद को पूरी तरह से पुरुष या महिला के रूप में नहीं मानता। उच्चतम न्यायालय के इस आदेश को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक और जीत एवं एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीर) अधिकारों के लिए एक और झटका माना जा रहा है, क्योंकि कई न्यायाधीश ट्रांस अमेरिकियों से जुड़े राज्य कानूनों से जुड़े कई मामलों पर विचार कर रहे हैं। अदालत ने आदेश में कहा, 'पासपोर्ट धारकों के जन्म के समय के जेंडर का प्रदर्शन करना उनके जन्म के देश को प्रदर्शित करने से अधिक समान सुरक्षा सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं करता है। दोनों ही मामलों में प्रशासन किसी के साथ भेदभाव किए बिना केवल एक ऐतिहासिक तथ्य की पुष्टि कर रही है। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति केतनजी ब्राउन जैक्सन ने इस आदेश पर तीखी असहमति व्यक्त की है। न्यायालय के अन्य दो उदारवादी न्यायाधीशों ने जैक्सन के विचारों का समर्थन किया है। केतनजी ब्राउन जैक्सन को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने न्यायालय में नामित किया था। जैक्सन ने कहा कि यह न्यायसंगत नीति की बेतुकी अनदेखी और दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है।' उन्होंने कहा कि इस अदालत ने एक बार फिर बिना किसी पर्याप्त औचित्य के लोगों को चोट पहुंचाई है।' ट्रंप प्रशासन की नई पासपोर्ट नीति को न्यायालय में चुनौती देने वाले अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने फैसले को स्वतंत्रता के लिए एक हृदयविदारक झटका बताया। ऐसे मामलों के वकील जॉन डेविडसन ने कहा, 'ट्रांसजेंडर लोगों को उनकी इच्छा के विरुद्ध पासपोर्ट रखने के लिए मजबूर करने से उनके उत्पीड़न और हिंसा का खतरा बढ़ जाता है।' अमेरिकी पासपोर्ट में पहली बार 1976 में जेंडर चिह्न अंकित किए गए थे। 1992 में विदेश विभाग ने नागरिकों को जन्म के समय निर्धारित जेंडर के विपरीत चिह्न चुनने की अनुमति दी थी।

2021 में तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन प्रशासन ने लोगों को अपने पासपोर्ट पर अतिरिक्त जेंडक चिह्न चुनने की अनुमति दी थी। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के चुनाव में जनता से वादा किया था कि वह पुरानी पासपोर्ट नीति को बदल देंगे। इस साल की शुरुआत में पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद उन्होंने नई पासपोर्ट नीति की घोषणा की।

इस पर हंगामा खड़ा हो गया। मैसाचुसेट्स के एक संघीय न्यायाधीश ने एक सामूहिक मुकदमा दायर करके सरकार को इस नीति को देशव्यापी स्तर पर लागू करने से रोक दिया। बोस्टन की एक संघीय अपील अदालत ने इस न्यायाधीश के आदेश को रोकने के प्रशासन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इसके फौरन बाद ट्रंप प्रशासन ने तुरंत उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और आपातकालीन अपील दायर की। प्रशासन ने तर्क दिया कि निचली अदालत के आदेश का कानूनन कोई आधार नहीं है। प्रशासन ने यह भी तर्क दिया कि अदालतें राष्ट्रपति की उन नीतियों की समीक्षा नहीं कर सकतीं जो प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियम के विरुद्ध हों। यह एक ऐसा कानून है जो संघीय एजेंसियों को संघीय नियमों को अपनाने या बदलने के लिए आवश्यक कदम निर्धारित करता है।

नेपाल में वोट डालने की उम्र दो साल घटाने के बावजूद युवाओं में कोई खास उत्साह नहीं

काठमांडू, 07 नवंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल में मतदान करने की उम्र 18 से घटाकर 16 करने के बाद भी युवाओं में मतदाता सूची को लेकर कोई खास उत्साह नहीं दिखाई दे रहा है, इसलिए युवा वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। अब अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और निर्वाचन आयोग ने आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए युवाओं से मतदाता नामावली में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है।

प्रधानमंत्री कार्की ने अपने 'एक्स' एकाउंट पर लिखा, 'आपका मत ही आपकी आवाज है। मतदाता पहचानपत्र के लिए पंजीकरण कराने के लिए अब केवल 9 दिन बचे हैं। इसी तरह निर्वाचन आयोग ने आगामी फागुन मार्च 5 को होने वाले चुनाव के लिए मतदाता नामावली में नाम दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 नवंबर तय की है। आयोग ने राजनीतिक दलों से मतदाता नामावली पंजीकरण के प्रचार-प्रसार में सहयोग करने का आग्रह किया है। आयोग के सहसचिव एवं प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई ने आम संचार माध्यमों और संबंधित पक्षों से भी इस अभियान में सहयोग की अपील की है। निर्वाचन आयोग के अनुसार गुरुवार रात 8 बजे तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार अब तक 1,36,060 नए मतदाता जोड़े जा चुके हैं। केवल गुरुवार के दिन ही 11 हजार से अधिक नए मतदाताओं ने नाम दर्ज कराया।

प्रधानमंत्री कार्की और निर्वाचन आयोग ने मतदाता नामावली में नाम दर्ज कराने की अपील की

नेपाल में 2021 की जनगणना के मुताबिक 16 से 18 वर्ष तक की आयु के युवाओं की संख्या 16.5 लाख है, लेकिन सिर्फ 1.36 लाख युवाओं ने ही मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराया है, जो सरकार के लिए चिंता की बात है।

इंडोनेशिया में एक मस्जिद में हुए विस्फोट में 54 लोग घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में एक स्कूल परिसर में स्थित मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान विस्फोट होने से 54 लोग घायल हुए हैं । इनमें से कईयों की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक उत्तरी जकार्ता के केलापा गांडग इलाके में हुए इस विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है। इस बीच शहर पुलिस प्रमुख असेफ एडी सुहेरी ने टेलीविजन पर प्रसारित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सभी 54 घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सुहेरी ने कहा कि अस्पताल में भर्ती लोगों में से कुछ की हालत गंभीर है। अन्य लोगों को मामूली चोंटे आई हैं जिसमें जलने के कारण होने वाले घाव शामिल हैं। मीडिया चैनलों में स्कूल के आसपास पुलिस की घेराबंदी और एम्बुलेंस का इंतजार करते लोगों की वीडियो फुटेज दिखाई जा रही है।

युगांडा के खूंखार युद्ध सरगना जोसेफ कोनी पर युद्ध अपराधों के आरोप तय

हेग, 07 नवंबर (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने युगांडा के कुख्यात युद्ध सरगना जोसेफ कोनी पर युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों की औपचारिक पुष्टि कर दी है। अदालत ने कोनी पर 39 मामलों में आरोप तय किए हैं, जिनमें हत्या, बलात्कार, बाल सैनिकों का इस्तेमाल, यौन दासता और जबरन गर्भधारण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं।

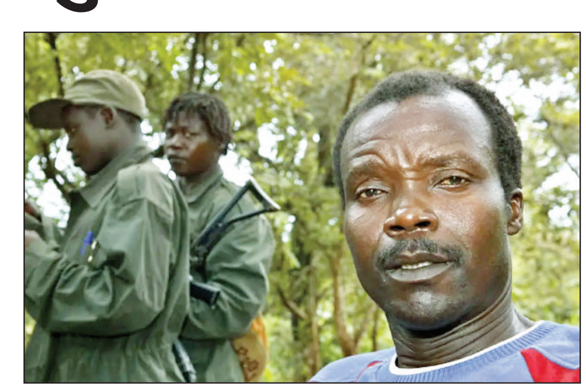

कोनी, जो लॉर्ड्स रेसिस्टेंस आर्मी (एलआरए) का नेता है, पिछले दो दशकों से फरार है। उस पर 2002 से 2005 के बीच किए गए अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। आईसीसी ने 2005 में ही उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, जिससे वह अदालत का सबसे पुराना फरार अपराधी बन गया है।

अदालत ने कोनी के वकीलों द्वारा सुनवाई स्थगित करने की मांग को खारिज करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के आरोप पर्याप्त प्रमाणों के मानक पर खरे उतरते हैं। न्यायाधीशों ने अपने निर्णय में कहा, 'अदालत को पर्याप्त आधार मिला है कि जोसेफ कोनी ने नागरिकों पर हमले करने, उनकी हत्या, उत्पीड़न, संपत्ति की लूट और महिलाओं व बच्चों के अपहरण के आदेश दिए थे।'

न्यायालय ने यह भी कहा कि कोनी पर व्यक्तिगत रूप से भी अपराधों के 10 आरोप हैं, जो उसकी दो जबरन पत्नियों से जुड़े हैं। इन अपराधों में दासता, जबरन विवाह, जबरन गर्भधारण, यातना और आयु एवं लिंग के आधार पर उत्पीड़न शामिल हैं।

अभियोजकों ने अदालत के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह फैसला कोनी को न्याय के कटघरे में लाने की दिशा में 'महत्वपूर्ण कदम' है। अभियोजन पक्ष ने कहा, 'यह सुनिश्चित करता है कि जोसेफ कोनी की गिरफ्तारी होते ही उन पर मुकदमा चलाया जा सकेगा।'

जोसेफ कोनी ने 1980 के दशक के उत्तरार्ध में सरकार को उखाड़ फेंकने के इरादे से एलआरए की स्थापना की थी। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, उसकी अगुवाई में युगांडा में लगभग एक लाख लोग मारे गए और हजारों नागरिक विस्थापित हुए। हालांकि अब एलआरए लगभग समाप्त हो चुकी है, मगर कोनी अभी भी न्याय से दूर है।

ट्रंप का दावा : ईरान अमेरिकी प्रतिबंध हटाने की गुजारिश कर रहा है

वाशिंगटन, 07 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने हाल ही में उनसे संपर्क करके पूछा है कि क्या अमेरिका उसके खिलाफ लगाए गए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों को हटा सकता है। एक साक्षात्कार में यह खुलासा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रतिबंध हटाने के लिए पहले ईरान को अपनी 'आक्रामक गतिविधियों' को रोकना होगा। उन्होंने कहा, 'ईरान के लोग फोन कर रहे हैं, वे कह रहे हैं कि क्या हम प्रतिबंध हटा सकते हैं वे परेशान हैं। लेकिन देखिए, मैंने पहले ही बता दिया है , जब तक वे मिसाइलें बनाना बंद नहीं करते या फिर परमाणु समझौते का पालन नही करते, हम अपने फैसले पर अडिग हैं।'

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान की अर्थव्यवस्था अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ये प्रतिबंध 2018 में ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान परमाणु समझौते (जेसीपीओए) से अमेरिका के बाहर निकलने के बाद फिर से लगाए गए थे। इन प्रतिबंधों ने ईरान के तेल निर्यात को आधे से भी कम कर दिया है और देश में मुद्रास्फीति को 40 प्रतिशत से ऊपर पहुंचा दिया है।

ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप के दावे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन ईरान ने लंबे समय से लगें इन प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' करार दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची ने पिछले महीने कहा था कि अगर प्रतिबंध नहीं हटाए गए तो उनका देश 'सभी विकल्प खुले रखेगा।' गौरतलब है कि ट्रंप ने अपने पहली कार्यकाल के दौरान ईरान पर 'अधिकतम दबाव' नीति अपनाई थी, जिसके तहत प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया गया था। ट्रंप ने 2020 में ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या का आदेश भी दिया था। वर्तमान में, ट्रंप प्रशासन पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के प्रयासों में लगा है, लेकिन इजरायल-हमास संघर्ष और ईरान-समर्थित समूहों की भूमिका ने इस दिशा में जटिलताएं बढ़ा दी हैं। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, 'किसी भी वार्ता के लिए ईरान को पहले कदम उठाना होगा। हम उनके मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय अस्थिरता को सहन नहीं करेंगे।' उधर विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का बयान 'अमेरिकी जनता' के लिए है, जहां रिपब्लिकन समर्थक ईरान-विरोधी रुख की सराहना करते हैं। ईरान ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का संकेत दिया है, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंध में राहत के बिना इस बाबत कोई प्रगति मुश्किल है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने चेतावनी दी है कि ईरान का यूरेनियम संवर्धन 60 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो हथियार बनाने के लिए पर्याप्त है।

हांगकांग सिक्सेस : रोबिन उथप्पा की तूफ़ानी पारी, भारत ने पाकिस्तान को 2 रन से हराया

हांगकांग, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर शुक्रवार को खेले गए हांगकांग सिक्सेस 2025 के मुकाबले में भारत ने रोमांचक अंदाज़ में पाकिस्तान को 2 रन से हराया। बारिश से बाधित इस पूल 'सी' मैच का परिणाम डकवर्थ लुईस (डीएलएस) पद्धति से तय हुआ। दिन का आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

बारिश के कारण मैच को छोटा किया गया, लेकिन भारतीय टीम ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भारत ने 6 ओवर में 4 विकेट पर 86 रन बनाए। रोबिन उथप्पा ने सिर्फ़ 11 गेंदों में 28 रनों की तेज़तर्रार पारी खेली, जबकि भरत चिपली ने 13 गेंदों में 24 रन जोड़े। कप्तान दिनेश कार्तिक ने अंत में 6 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाकर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

पाकिस्तान ने जवाब में तेज़ शुरुआत की और 3 ओवर में 1 विकेट पर 41 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने मैच रोक दिया। खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका और डीएलएस गणना के अनुसार पाकिस्तान निर्धारित लक्ष्य से 2 रन पीछे रह गया। भारत के लिए स्टुअर्ट बिन्नी ने शानदार गेंदबाज़ी की, उन्होंने सिर्फ़ 7 रन देकर 1 विकेट हासिल किया और अंत में वही निर्णायक साबित हुए।

अन्य मुकाबले:

पूल बी: ऑस्ट्रेलिया ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा। 88 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ़ 3 ओवर में जीत हासिल कर ली। जैक वुड ने 11 गेंदों पर 55 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि निक हॉब्सन 5 गेंदों पर 26 रन बनाकर नाबाद रहे।

पूल ए: अफगानिस्तान ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दक्षिण अफ्रीका को 49 रनों से हराया। कप्तान गुलबदिन नैब ने 12 गेंदों पर 50 रन ठोके, जबकि करीम जनत ने 11 गेंदों पर 46 रन जोड़े। अफगानिस्तान ने 6 ओवर में 148/2 का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 99/2 ही बना सका।

पूल डी: बांग्लादेश ने श्रीलंका को 14 रनों से हराकर अपनी जीत दर्ज की। कप्तान अकबर अली ने 9 गेंदों पर 32 रन बनाए, वहीं मोसाद्देक हुसैन ने 3 विकेट लेकर (3/20) श्रीलंका को 61/6 पर रोक दिया। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी हार रही।

न्यूज ब्रीफ

महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी पहुंची चंडीगढ़, हुआ स्वागत

चंडीगढ़। महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की खिलाड़ी हरलीन देओल और अमनजोत कौर का शुक्रवार को घर लौटने मोहाली स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। पंजाब सरकार की तरफ से वित्त मंत्री हरपाल चीमा तथा सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने उनका स्वागत किया। हरलीन और अमनजोत शुक्रवार सुबह चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरीं। यहां परिवार और प्रशंसकों की भारी भीड़ ने दोनों का स्वागत किया। हवाई अड्डे के बाहर सडक़ों पर भी लोग दोनो महिला खिलाडिय़ों के स्वागत के लिए खड़े थे। अमनजोत और हरलीन को फूलों और पोस्टर से सजाई खुली जिप्सी में चंडीगढ़ एयरपोर्ट से मोहाली में उनके घर तक छोड़ा जाएगा। हवाई अड्डे पर हरलीन ने कहा कि उन्हें परिवार का काफी सहयोग रहा है। जिससे उन्हें आगे खेलने की आजादी मिली है। उन्होंने कहा कि मेरे साथ ड्रीम डू कम टू हुआ है। सबको मेहनत करनी चाहिए। अमनजोत ने कहा कि हमें पूरा पंजाब लेने आया है। इससे अधिक मान-सम्मान की बात हमारे क्या ही होगी। फैमिली के बिना हम कुछ नहीं है। उन्होंने काफी सपोर्ट किया।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स: सबालेंका ने मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

रियाद। विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने धीमी शुरुआत के बावजूद शानदार वापसी करते हुए मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ को 7-6(5), 6-2 से हराया और सीज़न-एंडिंग डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ही सबालेंका ने जेसिका पेगुला के लिए भी अंतिम-चार में जगह सुनिश्चित कर दी। तीन साल पहले फाइनल तक पहुंच चुकी बेलारूस की सबालेंका इस टूर्नामेंट में अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। उन्होंने स्टेफी ग्राफ ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और अब उनका सामना अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनीसिमोवा से होगा, जो यूएस ओपन फाइनल की पुनरावृत्ति होगी। वहीं, अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला का मुकाबला फॉर्म में चल रहीं कज़ाख खिलाड़ी एलेना राइबाकिना से होगा, जिन्होंने सेरेना विलियम्स ग्रुप से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गॉफ का सर्व पहले मैच में पेगुला के खिलाफ हार के बाद से ही चिंता का विषय था, लेकिन सबालेंका के खिलाफ उन्होंने आक्रामक रिटर्न गेम से शुरुआत करते हुए ब्रेक हासिल किया और 4-2 की बढ़त बनाई।

विश्व विजेता बनकर लौटीं सिलीगुड़ी की बेटी ऋचा घोष का ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत

सिलीगुड़ी। विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य ऋचा घोष शुक्रवार दोपहर नई दिल्ली से अपने गृह शहर सिलीगुड़ी लौटीं। बागडोर एयरपोर्ट से ऋचा के बाहर निकलते ही माहौल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। बड़ी संख्या में पहुंचे प्रशंसकों ने अपनी चहेती क्रिकेटर ऋचा को फूल मालाओं, उत्साह भरे नारों और ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट पर ऋचा के पिता मानवेंद्र घोष, सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव, डिप्टी मेयर रंजन सरकार, सिलीगुड़ी महकमा परिषद के सभाधिपति अरुण घोष सहित कई गणमान्य लोगों ने ऋचा का स्वागत किया। लोगों में ऋचा के साथ तस्वीरें खिंचवाने और इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने की होड़ सी लगी रही। एयरपोर्ट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ऋचा के टर्मिनल से बाहर निकलते ही उन्हें विशेष गाड़ी में बैठाया गया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ऋचा की गाड़ी रोड शो के माध्यम से सिलीगुड़ी की और रवाना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाघाजतिन एथलेटिक क्लब में ऋचा का समारोह पूर्वक स्वागत किया जाएगा। क्लब से ऋचा के घर तक रेड कारपेट बिछाया गया है।

ध्यानचंद स्टेडियम में मनाया गया भारतीय हॉकी के 100 गौरवशाली वर्षों का जश्न

डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा- हॉकी ने ओलंपिक में दिलाई भारत को पहचान

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत में हॉकी के 100 गौरवशाली वर्षों का जश्न शुक्रवार को नई दिल्ली के ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में भव्य रूप से मनाया गया। यह आयोजन भारतीय हॉकी की 1925 से लेकर आज तक की 100 वर्ष की गौरवगाथा 'संघर्ष, सफलता और पुनर्जागरण' को समर्पित था। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और हॉकी इंडिया की ओर से आयोजित इस विशेष समारोह में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यवंशी सूरज, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष डेटो तय्यब इकराम, सहित कई गणमान्य अतिथियों, दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों के सदस्यों ने शिरकत की।

इस अवसर पर डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, 'हॉकी ने ओलंपिक में भारत को गर्व का स्थान दिलाया। हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या कर सकता है। आज पूरा भारत इस गौरवशाली यात्रा का जश्न मना रहा है। देशभर में आज एक हजार से अधिक मैच खेले जा रहे हैं, जो हमारी एकता और खेल भावना का प्रतीक है। सरकार आगे भी खिलाड़ियों और इस खेल को हर संभव सहयोग देती रहेगी।' संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि इस ऐतिहासिक दिन पर हॉकी के महान खिलाड़ियों के बीच खड़ा हूं। यह खेल भारत की गौरवशाली परंपरा और भविष्य की प्रेरणा दोनों है।' एफआईएचअध्यक्ष डेटो तय्यब इकराम ने कहा, 'भारत ने पिछले 100 वर्षों में विश्व हॉकी को दिशा दी है। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत की वापसी इस खेल की ताकत को दिखाती है। आने वाले 100 वर्ष और भी उज्जवल होंगे।'

स्पोर्ट्स मिनिस्टर 11ने जीता प्रदर्शनी मैच – इस अवसर पर डॉ. मांडविया की अगुवाई वाली स्पोर्ट्स मिनिस्टर 11 और डॉ. दिलीप तिर्की की कप्तानी वाली हॉकी इंडिया 11 के बीच एक प्रदर्शनी मैच खेला गया। मुकाबले में स्पोर्ट्स मिनिस्टर 11 ने 3-1 से जीत दर्ज की। ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और कृष्णा पाठक ने विजेता टीम के लिए गोल दागे, जबकि मनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया 11 के लिए एकमात्र गोल किया।

हॉकी के दिग्गजों का सम्मान और स्मारक पुस्तक का विमोचन – कार्यक्रम के दौरान हॉकी इंडिया ने देश के महान खिलाड़ियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। सम्मानित खिलाड़ियों में गुर्बक्स सिंह, हरबिंदर सिंह, अजीत पाल सिंह, अशोक कुमार, बी.पी. गोविंदा, असलम शेर खान, ज़फर इकबाल, ब्रिगेडियर हरचरण सिंह , वीनीत कुमार, रोमियो जेम्स, असुंता लकड़ा और सुभद्रा प्रधान शामिल थे। इस अवसर पर '100 इयर्स ऑफ इंडियन हॉकी' शीर्षक से एक स्मारक पुस्तक भी जारी की गई, जो हॉकी के सौ साल के सफर, ओलंपिक की ऐतिहासिक झलकियों और स्मृतियों को समेटे हुए है। एक विशेष फोटो प्रदर्शनी में 1928 एम्स्टर्डम ओलंपिक से लेकर वर्तमान युग तक की दुर्लभ तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

ट्रॉफी टूर और संगीत कार्यक्रम ने बढ़ाया उत्सव का रंग – कार्यक्रम के दौरान एफआईएच हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 की ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया, जो अब 20 शहरों के ट्रॉफी टूर पर जाएगी। प्रसिद्ध गायक और संगीतकार सिद्धार्थ महादेवन ने अपने ऊर्जावान प्रदर्शन से समारोह में रंग भर दिया।

पूरा देश हॉकी महोत्सव में शामिल – देशभर में इस जश्न को एक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाया गया। 500 जिलों में आयोजित 'नेशनल हॉकी फेस्टिवल' में 36,000 से अधिक खिलाड़ी और 1,000 से ज्यादा मैच खेले गए। स्कूलों, पूर्व खिलाड़ियों और स्थानीय टीमों की भागीदारी ने इस आयोजन को एक सच्चे जनोत्सव का रूप दिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, 'यह वही स्टेडियम है जहाँ मैंने अपना पहला कैंप और पहला बड़ा टूर्नामेंट खेला था। आज यह समारोह उन सभी के प्रति श्रद्धांजलि है जिन्होंने भारतीय हॉकी की नींव रखी। सरकार और सभी हितधारकों के समर्थन से हमें यकीन है कि आने वाले वर्षों में और भी गौरव के पल मिलेंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व कप्तान जहांआरा आलम के यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू की

ढाका,07 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पूर्व महिला टीम कप्तान जहांआरा आलम के उन यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू कर दी है, जो उन्होंने बीसीबी के वर्तमान और पूर्व अधिकारियों पर लगाए थे।

बांग्लादेश की 32 वर्षीय तेज गेंदबाज जहांआरा ने हाल ही में एक यूट्यूब इंटरव्यू में आरोप लगाया था कि बीसीबी के वर्तमान और पूर्व अधिकारी, जिनमें उस समय के चयनकर्ता और मैनेजर मंजुरुल इस्लाम भी शामिल हैं, ने 2022 महिला विश्व कप (दक्षिण अफ्रीका) के दौरान उनके साथ अनुचित व्यवहार किया। जहांआरा ने दावा किया था कि मंजुरुल इस्लाम ने 'प्रोत्साहन देने के बहाने महिला खिलाड़ियों को गले लगाने या अपनी छाती से दबाने' जैसी हरकतें कीं। उन्होंने कहा कि यह व्यवहार कई खिलाड़ियों के साथ हुआ था।

वर्तमान में चीन में मौजूद मंजुरुल इस्लाम ने इन आरोपों को 'बेबुनियाद' बताया। उन्होंने कहा, 'यह सब झूठ है। आप टीम की दूसरी लड़कियों से पूछ सकते हैं।'

46 वर्षीय मंजुरुल 1999 से 2004 के बीच बांग्लादेश के लिए 12 टेस्ट और 34 वनडे खेले थे और बाद में कोचिंग और मैनेजमेंट की भूमिकाओं में सक्रिय रहे।

जहांआरा आलम ने अपने करियर में 48 वनडे और 60 टी20 विकेट लिए हैं और देश के लिए 135 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले भी बोर्ड को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बीसीबी ने कहा है कि इस मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है, जो 15 कार्यदिवसों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। बोर्ड ने एक बयान जारी कर कहा, 'हम एक सुरक्षित, सम्मानजनक और पेशेवर माहौल बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' बीसीबी उपाध्यक्ष शखावत हुसैन ने कहा, 'यह गंभीर मामला है, इसलिए इसकी गहन जांच जरूरी है।

यूरोपा लीग: एस्टन विला ने मकाबी तेल अवीव को 2-0 से हराया

बर्मिंघम। एस्टन विला ने गुरुवार को यूरोपा लीग में इज़राइली क्लब मकाबी तेल अवीव को 2-0 से हराया। यह मुकाबला भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ, जिसमें संभावित विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए 700 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। पहले हाफ के इंजरी टाइम में मॉर्गन रोजर्स ने आयन माटसन को पास दिया, जिन्होंने मुश्किल कोण से गोल दागकर विला को बढ़त दिलाई। इसके बाद 60वें मिनट में डोन्येल मालेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। यह विला की प्रतियोगिता में तीसरी जीत रही। राजनीतिक विवाद और सुरक्षा तनाव: विला पार्क में यह मैच राजनीतिक विवादों का केंद्र बन गया था क्योंकि मकाबी तेल अवीव के प्रशंसकों को स्टेडियम में आने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने मैच को 'हाई-रिस्क' बताया और पिछले वर्ष एम्स्टर्डम में मकाबी और अजाक्स के बीच हुए हिंसक घटनाक्रम का हवाला दिया। इस प्रतिबंध की ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित कई लोगों ने आलोचना की और इसे 'गलत निर्णय' बताया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, मैट हेनरी की वापसी

वेलिंगटन, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

तेज गेंदबाज मैट हेनरी की न्यूजीलैंड वनडे टीम में वापसी हुई है। वे हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए अंतिम दो वनडे मैचों से पिंडली की चोट (कैल्फ स्ट्रेन) के कारण बाहर थे। हेनरी इस समय पुनर्वास कार्यक्रम से गुजर रहे हैं ताकि वे वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट हो सकें।

वहीं, ब्लेयर टिकनर ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर अपनी जगह बरकरार रखी है। 32 वर्षीय टिकनर ने दूसरे और तीसरे वनडे में लगातार 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार जीते थे। उन्होंने दो मैचों में 12.25 की औसत से 8 विकेट हासिल किए। यह सीरीज से पहले 2023 के बाद उनका पहला वनडे प्रदर्शन था। हालांकि, न्यूजीलैंड की चोटों की सूची लगातार लंबी होती जा रही है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी — मोहम्मद अब्बास (पसलियां), फिन एलन (पैर), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), विल ओ'रूर्क (पीठ), ग्लेन फिलिप्स (जांघ), और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) — सभी चोट के कारण अनुपलब्ध रहेंगे। वहीं, कप्तान केन विलियमसन को चयन के लिए नहीं माना गया है क्योंकि वे 2 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी में जुटे हैं। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने हेनरी की वापसी और टिकनर के प्रदर्शन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'मैट हमारे तेज आक्रमण के सीनियर लीडर हैं, इसलिए उन्हें टीम में वापस देखना शानदार है। वे अब पूरी तरह ताजगी और फिटनेस के साथ लौटेंगे और सफेद व लाल गेंद से अगले पांच हफ्ते हमारे लिए बेहद अहम होंगे।' टिकनर की तारीफ करते हुए कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ टिकनर ने जबरदस्त ऊर्जा और तेजी दिखाई। उनकी गेंदों की उछाल ने विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को भी परेशान किया। इतने कम नोटिस पर आकर उस स्तर पर प्रदर्शन करना उनके कठिन परिश्रम का नतीजा है।' न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 3-0 की क्लीन स्वीप के बाद अब लगातार अपनी 11वीं वनडे सीरीज जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मैच 16 नवंबर को क्राइस्टचर्च, दूसरा 19 नवंबर को नेपियर, और तीसरा 22 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम:

मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे, जैकब डफी, ज़ैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम (विकेटकीपर), डैरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

ओलंपियन फिलिप गोल्डबर्ग बने सूरमा हॉकी क्लब के नए हेड कोच

अर्जेंटीना के इग्नासियो भी एनालिटिकल कोच के रूप में जुड़े

नई दिल्ली,07 नवंबर (एजेंसियां)।

सूरमा हॉकी क्लब ने शुक्रवार को घोषणा की कि बेल्जियम के ओलंपियन फिलिप गोल्डबर्ग को आगामी हॉकी इंडिया लीग सीज़न 2 के लिए पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनके साथ अर्जेंटीना के ओलंपियन इग्नासियो रिकार्डो बर्गनर को एनालिटिकल कोच की भूमिका सौंपी गई है। क्लब के मौजूदा कोच जेरोन बार्ट अब सलाहकार की भूमिका में रहेंगे और पूरे सीजन के दौरान टीम की रणनीति व तकनीकी योजना में योगदान देंगे।

पिछले सीजन में सूरमा हॉकी क्लब ने अपने पदार्पण वर्ष में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए लीग में तीसरा स्थान हासिल किया था। टीम ने अपने अधिकतर मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा है ताकि टीम की मजबूती बनी रहे। वहीं युवा खिलाड़ी जीतपाल और अनुभवी फॉरवर्ड आकाशदीप सिंह टीम में शामिल किए गए हैं, जिनसे टीम के प्रदर्शन में नए जोश और अनुभव के जुड़ने की उम्मीद है।

जेएस डब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीईओ दिव्यांशु सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'हम फिलिप और इग्नासियो का सूरमा हॉकी क्लब परिवार में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। दोनों अपने-अपने क्षेत्र में विश्वस्तरीय अनुभव और उच्चस्तरीय रणनीतिक सोच लेकर आए हैं। फिलिप की टैक्टिकल समझ और अंतरराष्ट्रीय स्तर का नेतृत्व अनुभव टीम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि इग्नासियो का एनालिटिकल दृष्टिकोण हमारी तैयारी और निरंतर प्रदर्शन को और मजबूत बनाएगा। जेरोन के सलाहकार के रूप में जुड़े रहने से टीम का संतुलन और गहराई दोनों बनी रहेंगी।'

सूरमा हॉकी क्लब के टेक्निकल डायरेक्टर अर्जुन हलप्पा ने कहा, 'फिलिप और इग्नासियो का जुड़ना हमारे सफर में एक बड़ा कदम है। फिलिप का टीम बिल्डिंग का तरीका और उनका स्ट्रक्चर्ड लेकिन एक्सप्रेसिव खेलने का नजरिया हमारे खेल दर्शन से मेल खाता है। इग्नासियो की एनालिटिकल क्षमता हमारी रणनीतिक तैयारी को नए स्तर पर ले जाएगी। अनुभव और नवाचार का यह मेल हमें आने वाले सीजन में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगा।'

फिलिप गोल्डबर्ग और इग्नासियो बर्गनर दोनों ओलंपिक स्तर के अनुभवी कोच हैं। गोल्डबर्ग, बेल्जियम के पूर्व अंडर-21 और सीनियर टीम कोच रह चुके हैं और उन्होंने ब्रेक्सगाटा हॉकी क्लब में अपने कार्यकाल के दौरान बेल्जियम हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वहीं, इग्नासियो बर्गनर ने बेल्जियम के साथ 2016 वर्ल्ड कप और 2017 यूरोपीय चैंपियनशिप में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने अर्जेंटीना की पुरुष और महिला (लास लियोनास) राष्ट्रीय टीमों को कोच किया। डेटा-आधारित विश्लेषण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध इग्नासियो अब सूरमा की रणनीति और प्रदर्शन विश्लेषण को नई दिशा देंगे।

फिलिप गोल्डबर्ग ने कहा, 'सूरमा हॉकी क्लब से जुड़ना मेरे लिए भारत की विकसित होती हॉकी संस्कृति का हिस्सा बनने का एक रोमांचक अवसर है। टीम ने एक मजबूत नींव तैयार की है, और मेरा लक्ष्य है इसे और सशक्त बनाना — अनुशासन, रचनात्मकता और निरंतर प्रदर्शन के साथ। हम मिलकर एक ऐसा खेल विकसित करेंगे जो साहसी, समझदार और पूरी तरह से 'सूरमा' ब्रांड का हो।' इस सीजन टीम का नेतृत्व हरमनप्रीत सिंह करेंगे। यूरोपीय तकनीक, दक्षिण अमेरिकी जोश और भारतीय मार्गदर्शन का यह संयोजन सूरमा हॉकी क्लब को एक संतुलित और दूरदर्शी टीम के रूप में प्रस्तुत करेगा।

क्यूरिस लाइफसाइंसेज का आईपीओ खुला, 14 नवंबर को होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली,07 नवंबर (एजेंसियां)। फार्मास्यूटिकल कंपनी क्यूरिस लाइफसाइंसेज लिमिटेड का 27.52 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 14 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 128 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। क्यूरिस लाइफसाइंसेज लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 2 लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,56,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 21,50,000 शेयर जारी हो रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 6 नवंबर को क्यूरिस लाइफसाइंसेज लिमिटेड ने 6 एंकर इनवेस्टर्स से 7.8 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में सांशी फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इसने कंपनी से 1,57,000 शेयर खरीदे। इसके अलावा, मैक ग्रोथ स्कीम, स्ट्रैटेजिक सिक्स्थ सेंस कैपिटल फंड, विनेय ग्रोथ फंड, जेटा ग्लोबल फंड और मनीवाइज फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.37 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.29 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.32 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए फिनैक्स कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जबकि आरएस वेल्थ मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.87 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 6.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले चार महीने यानी अप्रैल से जुलाई 2025 में कंपनी को 2.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई के नियामक सुधारों से एसबीआई 100 अरब डॉलर की कंपनी बनी : संजय मल्होत्रा

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक

सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन हाल ही में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दी गई है। उन्होंने कहा कि आरबीआई के नियामक सुधारों के कारण एसबीआई 2018 में घाटे से उबरकर 100 अरब डॉलर की कंपनी बन गई है। संजय मल्होत्रा ने आर्थिक राजधानी मुंबई में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बैंकिंग बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नियामकों को ऋण और जमा विस्तार, बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता और लाभप्रदता के साथ-साथ परिसंपत्तियों और इक्विटी पर रिटर्न में वृद्धि को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें विनियमित संस्थाओं को प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने की अनुमति देनी चाहिए। कहा, हाल ही में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दी गई संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय बैंक आज एक दशक पहले की तुलना में कहीं अधिक परिपक्व हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक का उद्देश्य चीजों का सूक्ष्म प्रबंधन करना नहीं है। भारत के बैंकिंग क्षेत्र में परिवर्तन एक मजबूत नियामक ढांचे और आरबीआई और सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रमुख नीतिगत उपायों से संभव हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी नियामक को बोर्डरूम के फैसले का स्थान नहीं लेना चाहिए और प्रत्येक मामले को एक विनियमित संस्था द्वारा योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए।

बीएचईएल को एनटीपीसी का 6,650 करोड़ का ईपीसी ठेका

नई दिल्ली। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को एनटीपीसी लिमिटेड ने ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में दर्लीपाली सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट (एसटीपीपी) के दूसरे चरण के लिए 1 गुणित 800 मेगावाट इकाई स्थापित करने का ठेका दिया है। यह ठेका 6,650 करोड़ रुपये का है और इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) श्रेणी में आता है। इसका मतलब है कि बीएचईएल परियोजना के डिजाइन, इंजीनियरिंग, उपकरणों की आपूर्ति, निर्माण और चालू करने की पूरी जिम्मेदारी निभाएगी। ठेका मिलने की तारीख से परियोजना 48 महीने में पूरी करनी है। यह ठेका बीएचईएल के लिए बड़ा व्यावसायिक अवसर है और ओडिशा में ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा ।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से भी कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव रहा। एशियाई बाजार में आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है। अमेरिका में बेरोजगारी और महंगाई के आंकड़े आने के बाद पिछले सत्र के दौरान बाजार में निराशा का माहौल रहा। वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 1.12 प्रतिशत टूट कर 6,720.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 446.04 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,053.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,947.71 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.42 प्रतिशत लुढ़क कर 9,735.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 109.46 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,964.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 315.72 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,734.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पुख्ता की गई...

चौड़ा है। यही गलियारा पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को भारत के मुख्य भूभाग से जोड़ता है। यहां किसी भी प्रकार की बाधा भारत के आठों पूर्वोत्तर राज्यों को देश के मुख्य भूभाग से अलग-थलग कर सकती है। इससे सैन्य आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा और अरबों रुपए का व्यापार ठप्प हो सकता है।सेना के एक बड़े अधिकारी का कहना है कि यह भारत की कमजोरी नहीं बल्कि मजबूती है। क्योंकि यहां पर तीन तरफ से हमारी सेना तैनात है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि किसी भी अप्रत्याशित संघर्ष की स्थिति में भारत-विरोधी ताकतें इस महत्वपूर्ण कॉरिडोर को निशाना बना सकती हैं। इसलिए इस क्षेत्र की सुरक्षा संरचना को पहले से कहीं अधिक मजबूत किया जा रहा है। बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद जिस तरह वहां राजनीतिक घटनाक्रम में बदलाव हुआ है, उसे भारत के सैन्य हलकों में काफी गंभीरता से लिया जा रहा है।भारत की यह तैयारी उस समय तेज हुई है, जब बांग्लादेश के नए अस्थायी मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने हाल ही में ढाका में पाकिस्तान के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के प्रमुख जनरल साहिर शमशाद मिर्जा से मुलाकात की। इस मुलाकात में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग पर चर्चा हुई, जिसे भारत केवल कूटनीतिक शिष्टाचार के रूप में नहीं, बल्कि उभरते क्षेत्रीय समीकरणों के संकेत के रूप में देख रहा है।पाकिस्तानी सेना के जनरल मिर्जा आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ 24 अक्टूबर को बांग्लादेश पहुंचे थे। इस दौरे में उन्होंने बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज़-जमां से मुलाकात की थी और सैन्य सहयोग गहरा करने पर बातचीत की। मिर्ज़ा ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात की थी। यूनुस ने मिर्जा को आर्ट ऑफ ट्रायम्फ नाम की एक किताब भेंट की थी, जिसके कवर पेज पर छपे नक्शे में पूर्वोत्तर के हिस्सों को बांग्लादेश का भाग दिखाया गया था।बांग्लादेश सिलीगुड़ी कॉरिडोर से सटे अपने लालमोनिरहाट एयरबेस को फिर से शुरू करने जा रहा है। ब्रिटिश काल में बना यह एयरबेस लंबे समय से वीरान पड़ा था। बांग्लादेश सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने 16 अक्टूबर को ही 1931 में बने इस पुराने एयरबेस का दौरा किया था। यहां लड़ाकू विमान रखने के लिए विशाल हैंगर बनवाया जा रहा है। एयरबेस शुरू करने के पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है। इन स्थितियों को देखते हुए भारत सरकार ने सेना की तैनाती कर पूरे सिलीगुड़ी कॉरिडोर में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था कर ली है।

वंदे मातरम् मां...

जब भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, तो भारत माता की जय, वंदे मातरम् स्वतः ही हमारे मुंह से निकलता है। पीएम मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में दुनिया ने भारत के इसी स्वरूप का उदय देखा है। हमने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे हैं और जब दुश्मन ने आतंकवाद के माध्यम से भारत की सुरक्षा और सम्मान पर प्रहार करने का दुस्साहस किया, तो पूरी दुनिया ने देखा कि नया भारत अगर मानवता की सेवा के लिए कमला और विमला का स्वरूप है, तो आतंकवाद के विनाश के लिए 10 प्रहर धारिणी दुर्गा बनना भी जानता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम् की भावना ने पूरे राष्ट्र को आलोकित किया, लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में इसकी आत्मा का एक हिस्सा, वंदे मातरम् के महत्वपूर्ण पदों को अलग कर दिया गया। वंदे मातरम् को खंडित किया गया, उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए। वंदे मातरम् के इसी विभाजन ने देश के विभाजन के बीज भी बोए। आज की पीढ़ी के लिए यह जानना जरूरी है कि यह अन्याय क्यों हुआ, क्योंकि वही विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए चुनौती बनी हुई है।दूसरी तरफ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वंदे मातरम् आज भी हर भारतीय के दिल में राष्ट्रभक्ति की अमर ज्वाला प्रज्वलित करता है। यह गीत देश में एकता, देशभक्ति और युवाओं में नई ऊर्जा का प्रतीक बना हुआ है। अमित शाह ने कहा, वंदे मातरम् सिर्फ शब्दों का समूह नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा की आवाज है। अंग्रेजी शासन के खिलाफ इस गीत ने देश को एकजुट किया और आजादी की चेतना को प्रबल किया। इसने देश के वीर क्रांतिकारियों में मातृभूमि के प्रति गर्व, समर्पण और बलिदान की भावना जगाई। अमित शाह ने कहा कि यह गीत आज भी देशवासियों के दिलों में राष्ट्रप्रेम की लौ जलाए हुए है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने परिवार के साथ मिलकर वंदे मातरम् का पूरा संस्करण गाएं, ताकि यह भाव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बना रहे।

मोदी महान...

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका जल्द ही व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। हालांकि, इस बीच उन्होंने आयात शुल्क को अमेरिका की ताकत के तौर पर भी दर्शाया। ट्रंप ने एक बार फिर पुराना राग अलापते हुए कहा, अगर आप भारत-पाकिस्तान को देखें तो मैं भारत के साथ व्यापार समझौता करने वाला हूं और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बेहद सम्मान करता हूं।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने आठ युद्ध खत्म कराए, जिनमें से पांच से छह केवल टैरिफ (आर्थिक प्रतिबंधों) की वजह से रुके। ट्रंप ने कहा अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो वे आपस में लड़ने लगे थे। दोनों परमाणु हथियार वाले देश हैं। उस समय आठ विमान गिराए गए थे। तब मैंने दोनों से कहा, अगर आप लोग लड़ाई जारी रखोगे, तो मैं टैरिफ लगा दूंगा। वे इस बात से खुश नहीं थे, लेकिन 24 घंटे के भीतर मैंने वह युद्ध खत्म करा दिया। ट्रंप ने कहा अगर मेरे पास टैरिफ का विकल्प नहीं होता, तो मैं यह युद्ध नहीं रोक पाता। ट्रंप के इस दावे का भारत पहले ही खंडन कर चुका है। डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच लंबे समय से अच्छे संबंध रहे हैं। 2020 में ट्रंप ने भारत का दौरा किया था, जहां अहमदाबाद में आयोजित नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की तारीफ की थी। अब एक बार फिर ट्रंप के इस बयान ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।दोनों देशों के बीच अभी भी व्यापार को लेकर बातचीत चल रही है। अमेरिका ने भारत के रूसी तेल खरीदने पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है, जिसमें 25 फीसदी एक्स्ट्रा ड्यूटी भी शामिल है। ये कदम कथित रूस-यूक्रेन तनाव के बीच उठाया गया। लेकिन ट्रंप का कहना है कि बातें आगे बढ़ रही हैं। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा था, राष्ट्रपति ट्रंप भारत-अमेरिका रिश्ते को लेकर काफी पॉजिटिव हैं। कुछ हफ्ते पहले उन्होंने ओवल ऑफिस में दिवाली मनाई, जहां कई हाई-रैंकिंग इंडियन-अमेरिकन अफसरों के साथ पीएम मोदी से सीधे बात की। ये बातें ट्रंप के हालिया एशिया टूर के दौरान भी आईं, जहां उन्होंने कहा कि भारत रूसी तेल के मामले में बहुत अच्छा कर रहा है।ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने रूस से कच्चा तेल आयात कम कर दिया है। एशिया टूर के दौरान उन्होंने कहा, नई दिल्ली इस मुद्दे पर बहुत अच्छी है। पीएम मोदी ने मुझे आश्वासन दिया कि वो रूस से क्रूड इंपोर्ट कम करेंगे या बंद कर देंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को महान व्यक्ति कहा और यह भी जोड़ा कि वो मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं। वो चाहते हैं कि मैं वहां जाऊं, तो हम ये जल्दी फिक्स करेंगे।इस बीच, भारत सरकार ने ट्रंप के बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि देश के ऊर्जा स्रोतों के फैसले राष्ट्रीय हितों और उपभोक्ताओं के हित पर आधारित हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत तेल और गैस का बड़ा आयातक है। मौजूदा परिवर्तनशील ऊर्जा परिदृश्य हमारा फोकस हमेशा भारतीय उपभोक्ता के हितों को संरक्षित करना रहा है। हमारी आयात नीति इसी मूल सिद्धांत पर आधारित है। भारत सरकार का यह बयान ट्रंप के दावों के जवाब में आया, जो यह दिखाता है कि भारत अपनी नीतियों पर अडिग है। कुल मिलाकर, दोनों तरफ से रिश्ते मजबूत रखने की कोशिश साफ दिख रही है, चाहे वह व्यापार हो या व्यक्तिगत।

सैन्य प्रतिष्ठानों ने...

लिए 2,71,842 वर्ग फुट जगह प्रभावी रूप से खाली हुई है। विभाग ने जन शिकायतों और संसदीय आश्वासनों के निपटान में 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया और कुल 450 जन शिकायतों का निपटारा किया गया, जबकि 46 सांसदों के संदर्भों का जवाब दिया गया।

अभियान के दौरान किए गए प्रयासों से कई सर्वोत्तम तौर-तरीके सामने आए। इनमें भारतीय सेना द्वारा वाराणसी सैन्य स्टेशन पर पैदल मार्गों पर रौशनी के लिए टरबाइन की 2 किलोवाट उत्पादन क्षमता वाली सूक्ष्म जल विद्युत प्रणाली के माध्यम से अपशिष्ट जल से बिजली उत्पन्न करना शामिल है। इस प्रणाली में शून्य कार्बन उत्सर्जन, कम रखरखाव के साथ साल भर निरंतर संचालन के लिए एक कम-हेड, पर्यावरण-अनुकूल जनरेटर सेटअप का उपयोग किया गया और बिना किसी लागत के बिजली उत्पन्न की गई। गंगटोक में हाइड्रोपोनिक्स के माध्यम से नवीन कृषि तकनीक के प्रयोग से, सैनिकों को साल भर ताजा सब्जियां उपलब्ध कराई जाती है। इससे दूरदराज के स्थानों से ताजा सब्जियां लाने के काम में कुछ हद तक कम हो जाती है और इससे कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आती है।

सार्वजनिक स्थानों ...

को छोड़कर बाकी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पशु कल्याण विभाग (एनिमल वेलफेयर बोर्ड) को भी वादी बनाने को कहा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया था कि अधिकांश राज्यों ने अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल कर दिए हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर को फैसला सुनाने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि अगर आदेश के अनुपालन में कोई कमी की जाती है तो वह फिर से मुख्य सचिवों को पेशी के लिए बुलाएगा।

एसवीएल श्रेणी के ...

कार्यक्रम में राष्ट्रगान के साथ नौसेना ध्वज फहराया गया और चालक दल द्वारा कलर गार्ड की औपचारिक सलामी दी गई। इसके साथ ही, सक्रिय नौसेना सेवा में शामिल होने के प्रतीक जहाज के कमीशनिंग पताका भी फहराया गया। यह पताका तब तक फहराती रहेगी जब तक जहाज राष्ट्र की सेवा में रहेगा। नौसेना प्रमुख ने कमीशनिंग पट्टिका का अनावरण किया।

नौसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में आईएनएस इक्षक की भारतीय नौसेना, भारतीय उद्योगों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के बीच प्रभावी सहयोग के प्रमाण के रूप में सराहना की, जो आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह जहाज अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक और समुद्र विज्ञान प्रणालियों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर सहायता से लैस है इसलिए दोहरी भूमिका क्षमता के साथ बेजोड़ परिचालन बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करता है। यह जहाज, एक सर्वेक्षण पोत और मानवीय सहायता तथा आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों के साथ-साथ आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल जहाज के रूप में भी कार्य करता है। समर्पित महिला आवास के साथ डिजाइन किया गया इक्षक पहला एसवीएल है। यह समावेशिता और आधुनिकीकरण के लिए नौसेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। आईएनएस इक्षक के नौसेना में शामिल होने से भारत की हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण क्षमता और स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आईएनएस इक्षक अनदेखे समुद्री क्षेत्र का मानचित्रण करने, समुद्री सुरक्षा बढ़ाने और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तैयार है।कमीशनिंग समारोह के बाद, नौसेना प्रमुख ने जहाज के विभिन्न खंडों का दौरा किया और निर्माण प्रक्रिया और स्वदेशी प्रणालियों के एकीकरण के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कमीशनिंग क्रू और जीआरएसई के अधिकारियों से बातचीत की और साथ ही आईएनएस इक्षक को भारतीय नौसेना में सफलतापूर्वक शामिल करने में उनके व्यावसायिक कार्य व्यवहार, समर्पण और योगदान की सराहना की।

राजद-कांग्रेस का...

गाने चुनाव प्रचार के वायरल हो रहे हैं। राजद वालों का एक गाना है कि आएगी भैया की सरकार, बनेंगे रंगदार। अब सोचिए कि राजद वाले इंतजार कर रहे हैं कि कब उनकी सरकार आए और अपहरण-रंगदारी फिर से शुरू हो जाए। राजद वाले आपको रोजगार नहीं देंगे, यह तो आपसे रंगदारी वसूलेंगे।पीएम मोदी ने कटाक्ष कसते हुए कहा कि राजद वालों का एक और गाना है। वह गाना है, भैया के आबे दे सत्ता, कट्टा सटा के उठा लेब घरवा से। उन्होंने कहा कि राजद वालों को जनता की सेवा नहीं करनी है। उन्हें केवल जनता को लूटना है। उन्हें घर से उठवा लेना है। राजद का एक और गाना चल रहा है। वह गाना है- मारब छिक्सर के छह गोली छाती में। यही इनका तौर तरीका है। यही उनका प्लान है। यही जंगलराज की आहत है। बहनों और बेटियों को गरीब, दलित, महादलित, पिछड़े और अतिपिछड़े समाज को डराने का प्लान है। वह भय पैदा करना चाहते हैं। जंगलराज वाले कभी भी कोई निर्माण कर ही नहीं सकते हैं। वह तो बदहाली और बदनामी के प्रतीक है। डालमिया नगर में इनलोगों ने क्या किया? सबने देखा। अंग्रेजों के जमाने में डालमियानगर की नींव पड़ी थी। दशकों के प्रयास के बाद एक औद्योगिक नगर फलने-फूलने लगा। लेकिन, जंगलराज की सरकार आ गई। देखते ही देखते जंगलराज ने सबकुछ तबाह कर दिया।पीएम मोदी ने कहा कि देश-विदेश के लोग बिहार में निवेश के लिए तैयार हैं। लेकिन, उन्हें लालटेन, पंजे और लाल झंडे की तस्वीर भी नहीं दिखनी चाहिए। नहीं तो, वह लौट जाएंगे। इस चुनाव में राजद और कांग्रेस की लड़ाई को सबके सामने ला दिया। इनके संबंधों की खाई गहरी होती जा रही है। कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर की राजनीति खत्म कर दी। कांग्रेस ने बिहार के दिग्गज नेताओं को अपमानित किया। भाजपा ने सबको सम्मान दिया। हम तो गौरव से कहते हैं कि हमें लाल मुनि चौबे जैसे वरिष्ठों ने सिखाया है। भभुआ में चंद्रमौली मिश्रा हमारे प्रेरणा हैं। एनडीए सरकार ने बाबा साहेब से जुड़े स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया। पीएम मोदी ने एनडीए सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया। उन्होंने एनडीए प्रत्याशी को वोट देने की अपील की।

जो आजादी की ...

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय (1838-1894) बंगाल के महान साहित्यकार और विचारक थे। उन्होंने दुर्गेशनंदिनी, कपालकुंडला, देवी चौधरानी जैसी रचनाओं के माध्यम से समाज में स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम का भाव जगाया। वंदे मातरम् के जरिए उन्होंने भारतीय जनमानस को यह सिखाया कि मातृभूमि ही सर्वोच्च देवी है। उनका यह गीत आधुनिक भारत के राष्ट्रवाद की वैचारिक नींव बन गया।उपन्यास आनंदमठ में संन्यासियों का एक समूह मां भारती की सेवा को अपना धर्म मानता था। उनके लिए वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, बल्कि पूजा का प्रतीक था। उपन्यास में मां की तीन मूर्तियां भारत के तीन स्वरूपों को दर्शाती हैं। अतीत की गौरवशाली माता, वर्तमान की पीड़ित माता और भविष्य की पुनर्जीवित माता। इस पर महर्षि अरविंदो ने लिखा है कि यह मां भीख का कटोरा नहीं, बल्कि सत्तर करोड़ हाथों में तलवार लिए भारत माता है। 1905 के स्वदेशी आंदोलन में यह गीत आजादी का नारा बन गया। कोलकाता से लेकर लाहौर तक लोग सड़कों पर वंदे मातरम् के जयघोष से ब्रिटिश शासन को चुनौती देने लगे। बंगाल में वंदे मातरम् एक समाज बना। इसमें रवींद्रनाथ ठाकुर जैसे महाकवि भी शामिल हुए। ब्रिटिश सरकार ने जब स्कूलों और कॉलेजों में इस गीत पर रोक लगाई, तो विद्यार्थियों ने गिरफ्तारी और दंड की परवाह किए बिना इसे गाना जारी रखा। यही वह दौर था जब वंदे मातरम् हर भारतीय के दिल की आवाज बन गया।साल 1907 में जर्मनी के स्टुटगार्ट में भीकाजी कामा ने जब पहली बार भारत का तिरंगा फहराया, तो उस पर वंदे मातरम् लिखा था। इंग्लैंड में फांसी से पहले मदनलाल धींगरा के अंतिम शब्द थे वंदे मातरम्। दक्षिण अफ्रीका में गोपालकृष्ण गोखले का स्वागत भी इसी गीत से किया गया। विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने भी इसे स्वतंत्रता का संदेश मानकर अपनाया। इन दिनों ये गीत हर उस भारतवासी के दिल में बस गया था, जो भारत को गुलामी की बेड़ियों से आजाद कराना चाहते थें। 1950 में संविधान सभा ने सर्वसम्मति से वंदे मातरम् को भारत का राष्ट्रीय गीत घोषित किया। तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था, वंदे मातरम् ने स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है, इसे जन गण मन के समान सम्मान दिया जाएगा। इसके बाद से यह गीत देश के गौरव, एकता और राष्ट्रभावना का प्रतीक बन गया।इस वर्ष केंद्र सरकार पूरे भारत में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रही है। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्तर पर स्मरणोत्सव का उद्घाटन समारोह होगा। देशभर में सात नवंबर को जिला और तहसील स्तर तक विशेष आयोजन हुए। इस अवसर पर डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी हुआ और वंदे मातरम् पर आधारित प्रदर्शनियां भी हुईं। विश्व स्तर पर भी वंदे मातरम् का सम्मान हुआ। भारत के सभी दूतावासों और मिशनों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत उत्सव और वृक्षारोपण अभियान आयोजित होंगे। वंदे मातरम्: सैल्यूट टू मदर अर्थ थीम पर देशभर में वृक्षारोपण और भित्ति चित्र अभियान चलाया जाएगा। भित्ति चित्र का मतलब दीवार या छत जैसी स्थायी सतहों पर सीधे बनाए गए चित्र होते हैं। इस अभियान का उद्देश्य नई पीढ़ी को यह संदेश देना है कि मातृभूमि की सेवा ही सच्ची देशभक्ति है।

वंदे मातरम् से नेहरू...

गीत में देवी दुर्गा का आह्वान करने वाले बाद के छंदों को छोड़ दिया गया।भाजपा नेता सीआर केसवन ने कहा, हमारी युवा पीढ़ी के लिए यह जानना जरूरी है कि किस तरह नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी ने अपने सांप्रदायिक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए 1937 के फैजपुर अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय गीत के रूप में केवल एक संक्षिप्त वंदे मातरम् को अपनाया था। नेहरू और कांग्रेस ने ऐतिहासिक पाप किया। इतिहास के इस दुखद संदर्भ को उजागर किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा, आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम् की भावना ने पूरे राष्ट्र को आलोकित किया, लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में इसकी आत्मा का एक हिस्सा, वंदे मातरम् के महत्वपूर्ण पदों को अलग कर दिया गया। वंदे मातरम् को खंडित किया गया, उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए। वंदे मातरम् के इसी विभाजन ने देश के विभाजन के बीज भी बोए। आज की पीढ़ी के लिए यह जानना जरूरी है कि यह अन्याय क्यों हुआ, क्योंकि वही विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए चुनौती बनी हुई है।

बिहार में नहीं आने...

गृहमंत्री ने उदाहरण दिया कि 150 नक्सलियों ने धनबाद-पटना एक्सप्रेस को हाईजैक कर तीन यात्रियों की हत्या कर दी थी। गया-औरंगाबाद-जमुई में नक्सलियों का दबदबा था, लेकिन मोदी सरकार ने इन्हें समाप्त कर दिया। अब वोटिंग 3 बजे के बजाय 5 बजे तक हो रही है। यहां का चोरमारा गांव 25 साल बाद नक्सलमुक्त हुआ है।अमित शाह ने लालू-राबड़ी के जंगलराज की याद दिलाते हुए कहा कि बारात आती तो कट्टा लेकर उगाही के लिए आते थे। अपहरण और नरसंहार आम थे, बिहार में 20 से ज्यादा नरसंहार हुए। उन्होंने एनडीए की जीत पर वादे किए कि बिहार को बाढ़मुक्त बनाने वाला विभाग बनाएंगे, छोटे-बड़े उद्योग लगाएंगे। वहीं आरजेडी-इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू का बेटा जीता तो अपहरण का विभाग बनेगा, फिरौती-हत्या का मैनेजमेंट होगा। बिहार फिर खून से रक्तरंजित हो जाएगा। हम जंगलराज दोबारा नहीं होने देंगे।

शनिवार का दिन नजर उतारने के लिए है सबसे उत्तम, इन उपायों से भाग्य के खुलेंगे रास्ते

कई बार जीवन बहुत अच्छा चलता है लेकिन फिर अचानक से बनते हुए का काम बिगड़ने लगते हैं, घर में समस्याएं आती हैं, कोई गंभीर रूप से बीमार हो जाता है, काम में मन नहीं लगता या करियर में एक के बाद बाधाएं आती जाती हैं। ये सभी चीजें यूं ही नहीं होती हैं इसके पीछे का कारण आप पर, आपके परिवार, करियर या कारोबार पर किसी की बुरी नजर लगना हो सकता है। हर व्यक्ति में दो प्रकार की ऊर्जाएं होती हैं। किसी में सकारात्मक ऊर्जा अधिक होती है, तो किसी में नकारात्मक ऊर्जा ज्यादा होती है। जब व्यक्ति सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है तो उसके आसपास के लोगों में से कुछ के मन में ईर्ष्या की भावना आने लगती है। ऐसे में उनकी बुरी नजर आपके खुशहाल जीवन को प्रभावित कर सकती है। अगर आप भी नजर दोष से परेशान हैं, तो शनिवार को कुछ उपाय आजमा सकते हैं। शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित माना गया है। ऐसे में इस दिन नजर उतारने के कुछ उपाय करना सबसे उत्तम रहेगा।

हनुमान मंदिर जाकर करें यह उपाय

अगर आपके जीवन में अचानक से सब कुछ बुरा होने लगा है, तो इसका कारण आप पर लगी किसी की बुरी नजर हो सकती है। इससे राहत पाने के लिए शनिवार को आसान उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए शनिवार के दिन हनुमानजी के मंदिर जाकर उनकी विधि-विधान से पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ भी अवश्य करें। इसके बाद, उनके चरणों से सिंदूर लेकर माथे पर लगाएं। जिस व्यक्ति को नजर लगी हो उसके माथे पर यह सिंदूर लगाने से बुरी नजर का प्रभाव दूर होने लगता है और कार्यों में आ रही बाधाएं भी दूर होती हैं।

कारोबार में लगी नजर उतारने के उपाय

कार्यस्थल पर अगर आपके जरूरी कार्यों में बार-बार रुकावटें आ रही हैं या आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं तो शनिवार को एक छोटा सा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए अपने कार्यस्थल के बाहर नींबू-मिर्च लटका दें। जब नींबू मिर्च सूख जाए तो उसे फिर शनिवार को बदल लें। इस उपाय को आप मंगलवार के दिन भी आजमा सकते हैं। ऐसा कई आपने कई लोगों को करते हुए देखा होगा। नींबू मिर्च का यह आसान उपाय कारोबार पर लगी बुरी नजर को दूर कर सकता है और कार्यक्षेत्र में उन्नति प्राप्त करने के नए अवसर मिलते हैं।

परिवार के सदस्य को लगी नजर उतारने का उपाय

गृह क्लेश, बीमारी, काम में मन न लगना और लगातार आने वाली समस्याएं, ये सभी नजर दोष का कारण हो सकते हैं। ऐसे में शनिवार के दिन गेहूं के आटे से एक दीया बना लें। अब उसमें काले धागे बत्ती जलाएं। दीपक में दो लाल मिर्च भी जरूर डालें और फिर नजर लगे हुए व्यक्ति पर से उसे उतारें। जब दीपक पूरी तरह जलकर अपने आप बुझ जाए, तो उसे बहते जल में प्रवाहित कर दें। मान्यता है कि शनिवार के दिन इस उपाय को करने से बुरी नजर दूर हो सकती है और जातक के भाग्य में वृद्धि होने लगती है। इस उपाय से आपको करियर में तरक्की मिल सकती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

घर पर लगी नजर दूर करने का उपाय

नजर लगने पर घर में लगातार समस्याएं आने लगती हैं और परिवार के बीच छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा होना शुरू हो सकता है। ऐसे में नजर बट्टू को लाल धागे में बांधकर अपने घर के मुख्य द्वार पर लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है और भविष्य में भी घर-परिवार को किसी की नजर नहीं लगती है। इसके अलावा, आप पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव कर सकते हैं। ऐसा लगातार कुछ दिनों तक करें और लोबान का धुआं भी पूरे घर में दिखाएं। इस उपाय को करने से घर से बुरी नजर दूर होती है और भाग्य के रास्ते खुल सकते हैं।

मार्गशीर्ष माह में राशि के अनुसार करें ये उपाय

भगवान कृष्ण की कृपा से खुल जाएगी बंद किस्मत

हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष माह को अत्यंत पवित्र माना जाता है। माना जाता है कि इस दौरान किए गए हर शुभ कार्य का फल कई गुना बढ़ जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं। इस महीने में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व है। मार्गशीर्ष मास में दान और व्रत करने से जीवन में धन और समृद्धि आती है। मार्गशीर्ष माह की शुरुआत 06 नवंबर, गुरुवार सो हो चुकी है और 04 दिसंबर, गुरुवार को ये समाप्त होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मार्गशीर्ष मास में राशि अनुसार उपाय करने से व्यक्ति की बंद किस्मत खुल जाती है और जीवन की सभी परेशानियां खत्म होने लगती हैं।

मेष राशि– मार्गशीर्ष माह में मेष राशि के जातकों को रोजाना सुबह सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्पित करना चाहिए। इससे करियर में उन्नति होगी और मान-सम्मान बढ़ेगा। इसके साथ ही आत्मविश्वास में भी इजाफा होगा।

वृषभ राशि–वृषभ राशि के जातकों को इस माह भगवान श्रीकृष्ण को तुलसी दल और मक्खन अर्पित करना चाहिए। इस उपाय से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन लाभ के योग बनेंगे। भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से परिवार में सुख-समृद्धि का वास होगा।

मिथुन राशि–मार्गशीर्ष माह में मिथुन राशि के जातक बुधवार को हरे वस्त्र धारण करें और ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। इस उपाय से मानसिक शांति मिलेगी और जीवन में स्थिरता आएगी।

कर्क राशि–मार्गशीर्ष माह में कर्क राशि वालों को गंगा जल से शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से परिवार में सुख, शांति बनी रहेगी। इसके साथ ही घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का वास होगा।

सिंह राशि–इस माह सिंह राशि के जातक भगवान विष्णु की पूजा करें और मंदिर में पीला दीपक जलाएं। इस दौरान तुलसी के पौधे की परिक्रमा करने से आपा भाग्य मजबूत होगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

कन्या राशि–मार्गशीर्ष माह में कन्या राशि के जातकों को मां लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए और उन्हें कमल पुष्प अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से धन में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति को मजबूत होगी।

तुला राशि–तुला राशि वालों को इस महीने शुक्रवार के दिन मां दुर्गा की पूजा करनी चाहिए। मां को लाल चुनरी अर्पित करने से पति-पत्नी के रिश्तों में मधुरता आएगी। मां दुर्गा की कृपा से पारिवारिक जीवन में शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि–मार्गशीर्ष माह में वृश्चिक राशि के जातकों को भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए और शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाना चाहिए। इस उपाय से आपकी सेहत में सुधार होगा और भगवान शिव की कृपा से रोग और तनाव से मुक्ति मिलेगी।

धनु राशि –इस माह धनु राशि के जातकों को गीता पाठ करना चाहिए। मार्गशीर्ष माह के दौरान जरूरतमंद को दान देने से भाग्य प्रबल होगा और जीवन में सफलता प्राप्त होगी।

मकर राशि–मकर राशि के जातकों को शनिवार के दिन शनि मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। ऐसा करने से शनि दोष को शांत होगा और कार्यों में सफलता मिलेगी। इसके साथ ही आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी

कुंभ राशि–कुंभ राशि के जातकों को मार्गशीर्ष माह में भगवान विष्णु को पीले फूल अर्पित करने चाहिए। इस दौरान गरीबों को भोजन कराने से आर्थिक उन्नति प्राप्त होगी और जीवन में नए अवसर मिलेंगे।

मीन राशि–मीन राशि के जातकों को भगवान कृष्ण को मक्खन का भोग लगाने और ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करने से जीवन में सुख, शांति और सौभाग्य की प्राप्ति होगी।

माघ मेला 2026 में कौन-सा पर्व कब पड़ेगा, जानें माघ मास के पर्वों का महत्व

3 जनवरी 2026, दिन शनिवार, पौष पूर्णिमा, माघ स्नान का शुभारम्भ- पौष पूर्णिमा पर्व का विशेष महत्व शास्त्रों में वर्णित है, इस दिन से माघ मास के पवित्र स्नान का शुभारम्भ हो जाता है। संगम के पवित्र जल में प्राणदायिनी शक्ति विद्यमान है, पौष पूर्णिमा के सुअवसर पर ग्रह नक्षत्रों की विशेष स्थिति, चंद्र आदि ग्रहों के माध्यम से अमृत वर्षा कर स्नान आदि करने वालों को निरोगी काया सहित पुण्य लाभ प्रदान करती है।

15 **जनवरी 2026, दिन गुरुवार, मकर संक्रांति–** 'मकर संक्रान्ति' भारत के वैदिक कालीन पर्वों में से एक है। सूर्य के राशि परिवर्तन कर मकर राशि में प्रवेश का उत्सव मकर संक्रांति है। धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन स्नान, पुण्य, दान, जप, धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व है। इस अवसर पर दिया हुआ दान 'पुनर्जन्म' होने पर सौ गुणा होकर प्राप्त होता है।

18 **जनवरी 2026, दिन रविवार, मौनी अमावस्या–** माघ मास, कृशणपक्ष की अमावस्या, मौनी अमावस्या कहलाती है, मौनी अमावस्या, माघ के महीने का सबसे बड़ा स्नान पर्व है, मौनी अमावस्या का स्नान अन्य सभी स्नान पर्वों में सर्वोत्तम कहा गया है। मौनी अमावस्या के विषेश पुण्यकाल पर स्वयं का उद्धार तथा पितरों को तारने के लिए दान, पुण्य, स्नान का विषेश विधान षास्त्रों में वर्णित है।

23 **जनवरी 2026, दिन शुक्रवार, बसंत पंचमी–** बसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा के पीछे कई मान्यताएं हैं। इस दिन मां सरस्वती का स्मरण, पूजन एवं मां सरस्वती के नाम से स्नान, दान कर ध्यान करने से अंतः करण में स्थित सरस्वती जिह्वा पर विराजमान हो जाती हैं।

1 **फरवरी 2026, दिन रविवार, माघी पूर्णिमा**
माघ मास की पूर्णिमा अर्थात माघी पूर्णिमा माघ स्नान पर्वों की श्रृंखला का अंतिम स्नान पर्व है। वैसे तो हर पूर्णिमा का अपना अलग महत्व होता है, पर माघी पूर्णिमा की बात ही निराली होती है। इस दिन स्नान-ध्यान करने से मनोकामनाएं तो पूर्ण होती ही हैं, साथ ही मोक्ष भी मिलता है।

15 **फरवरी 2026, दिन रविवार, महाशिवरात्रि**
शिव और शक्ति की समन्वित ऊर्जा महाशिवरात्रि पर भक्तों का कल्याण करती है। मानव शरीर के भीतर शिव और शक्ति दोनों तत्व उपस्थित हैं, इनको एकाकार करने के लिए महाशिवरात्रि पर शिव-पार्वती का स्मरण कर स्नान, ध्यान, पूजन, उपासना, व्रत करना अनिवार्य है।

आंखों और चेहरे से जानें लोगों के दिल का राज

कई बार व्यक्ति बिना कुछ कहे ही बहुत कुछ कह जाता है, बस सामने वाले को इसे भांपना आना चाहिए। नीति शास्त्र की ज्ञान भरी बातें लक्षणों के आधार पर व्यक्ति के मन का भेद बताती हैं, जिन्हें जानकर बिना जन्मकुण्डली या ग्रहदशा देखे ही यह अनुमान लगाया जा सकता है कि व्यक्ति का कार्य सामने वाले व्यक्ति से बनेगा या नहीं। अक्सर हम किसी से कुछ मांगते हैं या कोई आग्रह करते हैं, पर सामने वाला व्यक्ति 'हां' कहेगा या 'न', यह उसकी आंखों, मुखमुद्रा और व्यवहार से पहले ही समझा जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति को किसी को कुछ देने की भावना होती है, तो उसके चेहरे पर सहज सौम्यता दिखाई देती है, उसकी आंखों में स्नेह और प्रसन्नता झलकती है। ऐसा लगता है मानो मन की सहमति चेहरे से प्रकट हो रही हो। यह वही क्षण होता है जब हमें विश्वास हो जाता है कि हमारी इच्छा पूरी होने वाली है।

नयना देत बताय सब, जियको भेद अभेद।
जैसे निर्मल आरसी, भली बुरी कहि देत।।

आंखें मन की बातों को प्रकट कर देती हैं, जैसे दर्पण मुख की हर विकृति को साफ़ दिखा देता है। जब व्यक्ति 'ना' कहना चाहता है, तब उसका व्यवहार एकदम बदल जाता है। प्राचीन ग्रंथों में न कार षट् लक्षणम, यानी 'न' के छह लक्षण बताए गए हैं, मौन हो जाना, कल परसों आना, आसमान को देखना, आंखें नीची कर लेना, चलने को उद्यत हो जाना, अन्य व्यक्ति से बात प्रारम्भ कर देना।

मौनं काल विलम्बश्च, भृकुटि भूमि-दर्शनम्।
प्रयाणान्य वार्ता च, न कार षट् लक्षणम्।।

इनमें से एक भी लक्षण यदि दिख जाए, तो समझ लेना चाहिए कि व्यक्ति का मन 'ना' कह चुका है, चाहे उसके होंठ अब तक मौन हों। वास्तव में, मनुष्य का मौन, दृष्टि और आचरण में उसके मनोभावों की सच्ची अभिव्यक्ति छिपी होती है। शब्द तो केवल औपचारिकता हैं, निर्णय तो चेहरे की झलक, आंखों की भाषा और व्यवहार के संकेत पहले ही दे देते हैं। यही मनोविज्ञान की वह सूक्ष्म कला है, जो हमें दूसरों को समझने की शक्ति प्रदान करती है।

आज द्विग्रह योग से जागेगी मेष, मिथुन समेत अन्य राशियों की सोई किस्मत

आज यानी 8 नवंबर, 2025 को तुला राशि में शुक्र और सूर्य की युति हो रही है। इस दौरान वृश्चिक राशि में मंगल और बुध के आने से बेहद ही शुभ द्विग्रह योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष के अनुसार, जन्म कुंडली में दो ग्रहों के एक ही भाव में स्थित होने से द्विग्रह योग बनता है। इस योग के प्रभाव से मेष राशि के जातकों का रुका हुआ कार्य पूरा होगा और राजनीतिक क्षेत्र में उम्मीद के मुताबिक सफलता मिलेगी। मिथुन राशि वालों को कुल देवी की कृपा प्राप्त होगी और इस दौरान किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। कन्या राशि के जातकों का पुण्य कार्यों पर धन खर्च होगा। वहीं, वृश्चिक राशि वालों का आर्थिक पक्ष आज मजबूत होगा और इससे धन और कीर्ति में वृद्धि होगी।

मेष राशि : उम्मीद के मुताबिक सफलता मिलेगी

मेष राशि के जातकों को खान-पान का विशेष ध्यान रखना होगा। इस दौरान आप प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। लंबे समय से रुका हुआ कार्य भी आज के दिन सम्पन्न होगा। राजनीतिक क्षेत्र में उम्मीद के मुताबिक सफलता मिलेगी। समाज के प्रति दायित्व भी आज के दिन पूरे होंगे। आंखों से जुड़ी कोई समस्या के उभरने की संभावना नजर आ रही है। शाम से लेकर रात का समय प्रियजनों के साथ हास्य परिहास में व्यतीत होगा।

वृष राशि : भाग्य का साथ मिलेगा

वृष राशि वालों का आज का दिन परिवार के लोगों के साथ बीतेगा। दोपहर तक आपको भाग्य का साथ मिलेगा और कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। इस दौरान आपको अपनी सेहत के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। शाम के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन का हर्ष हो सकता है। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशि : बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति होगी

मिथुन राशि के जातकों के ऊपर आज इष्टदेव का आशीर्वाद बना हुआ दिख रहा है। आज के दिन कुलदेवी की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। दिन थोड़ा व्यस्तता से भरा रहने वाला है। अपने खर्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। शाम से लेकर रात तक वाहनों का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। दिन के खत्म होते-होते किसी महान पुरुष के दर्शन से आपको मनोबल बढ़ेगा। पत्नी पक्ष से भी वांछित सिद्धि हो सकती है।

कर्क राशि : बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति के योग

राशि स्वामी की उत्तम स्थिति आज के दिन कर्क राशि के जातकों के लिए लाभदायक सिद्ध होने वाली है। बृहस्पति का मिथुन राशी में परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा सकता है। इस दौरान व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी और आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है। शाम से लेकर देर रात तक देव दर्शन का लाभ प्राप्त होगा।

सिंह राशि : दिन परोपकार में व्यतीत होगा

आपको दूसरों की मदद करने से सुकून मिलता है इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इसकी वजह से आपके कुछ साथियों का मूड खराब हो सकता है। हालांकि आप अपने व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। रात के समय में भाई का स्वास्थ्य छ परेशानी का कारण बन सकता है।

कन्या राशि : पुण्य कार्यों पर धन खर्च होगा

राशि का स्वामी बुध वृश्चिक में तृतीय मंगल के साथ एक राशि में संचार कर रहे हैं। इसके फलस्वरूप कन्या राशि के जातकों को वृद्धजनों की सेवा में मन लगेगा। इस दौरान पुण्य कार्यों पर धन खर्च होने से मन में हर्ष रहेगा। विरोधियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। दांपत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी।

तुला राशि : आय के नए स्रोत बनेंगे

आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि का योग है। इस दौरान तुला राशि के जातकों के लिए आय के नए स्रोत बनेंगे। वाक्पटुता आपको समाज में विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। ऐसे में आपको सावधान रहने की जरूरत है। आज के दिन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। यात्रा आपके लिए सुखद व लाभप्रद रहेगी।

वृश्चिक राशि : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा

वृश्चिक राशि के लोगों का आर्थिक पक्ष आज के दिन मजबूत नजर आ रहा है। इस दौरान आपके धन और कीर्ति में वृद्धि होगी। लंबे समय से रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा। प्रियजनों से मुलाकात हो सकती है। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। शाम के समय प्रियजनों से भेंट एवं रात्रि में सैर सपाटे मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

धनु राशि : लेन-देन में सावधानी बरतें

धनु राशि के जातकों के खर्चों में आज के दिन बढ़ोतरी होती दिख रही है। आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। इस दौरान अधीनस्थ कर्मचारियों या किसी परिचित के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें। धन फंसने की संभावना नजर आ रही है। दिन में राज्य कार्य कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। हालांकि आखिर में आपकी ही विजय होगी। आपके विरूद्ध सभी षड़यंत्र विफल हो जाएंगे।

मकर राशि : आर्थिक स्थिति मजबूत होगी

मकर राशि वालों को आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ प्राप्त होता दिख रहा है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इसके साथ ही व्यवसाय परिवर्तन की योजना भी बनती हुई दिख रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी और पारिवारिक दायित्व भी पूरे होंगे। शाम के समय में धार्मिक स्थानों की यात्रा का के योग प्रबल होकर स्थगित हो सकते हैं। इस दौरान वाहन प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। वाहन के खराब होने से खर्चों में इजाफा हो सकता है।

कुंभ राशि : संपत्ति से जुड़ी डील फाइनल होगी

राशि स्वामी शनि की वक्री स्थिति के कारण कुंभ राशि के जातकों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान भाई को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ का स्थिति बन सकती है। आपके लिए अधिक खर्चे की स्थिति बन सकती है। संपत्ति से जुड़ी किसी भी डील को फाइनल करने से पहले हर पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। शाम के समय स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

मीन राशि : वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा

मीन राशि के जातकों का वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। आज आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बिजनेस में लाभ से आपको काफी खुशी मिलेगी। विद्यार्थियों को आज के दिन मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिल सकता है। शाम का समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आज आपका दिमाग भी रिलेक्स रहेगा। माता-पिता की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

विक्की-कैट के घर आया नन्हा राजकुमार

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में खुशियों का माहौल है। कई चर्चित सेलेब्रिटीज माता-पिता बनने की राह पर हैं। इनमें सबसे ताजा खुशखबरी अभिनेत्री कैटरीना कैफ और उनके पति विक्की कौशल के घर से आई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर जोड़े ने बताया कि उनके घर नन्हें राजकुमार ने जन्म ले लिया है। वहीं, शेयर की गई तस्वीर में लिखा है, ढेरों प्यार और आशीर्वाद के साथ हमारे खुशियों का बंडल आ चुका है। हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं। कैटरीना ने पिछले महीने सितंबर 2025 में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। विक्की-कैट को फैंस के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने बड़ी खुशखबरी के लिए बधाई दीं।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, गुनीत मोंगा, प्रियंका चोपड़ा, माधुरी दीक्षित, सोनम कपूर समेत फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने विक्की कौशल और कैटरीना कैफ को शुभकामनाएं दीं। बता दें कि कैटरीना कैफ और विक्की कौशल के बाद अब लिस्ट में और भी सितारे हैं, जिनके घर नन्हे मेहमान का आगमन होने वाला है। इसी कड़ी में अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा भी अपने पहले बच्चे का इंतजार कर रहे हैं। इस जोड़े ने जुलाई 2025 में सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वे जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं।

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सोनारिका भदौरिया भी इस लिस्ट में शामिल हैं। 'देवों के देव महादेव' फेम सोनारिका ने सितंबर 2025 में मैटरनिटी फोटोशूट कराते हुए अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी साझा की थी। यह उनका पहला बच्चा होगा।कॉमेडी क्वीन के नाम से लोकप्रिय भारती सिंह भी दूसरी बार मां बनने वाली हैं। भारती और उनके पति हर्ष लिंबाचिया पहले से बेटे गोला (लक्ष्य लिंबाचिया) के माता-पिता हैं। भारती ने हाल ही में घोषणा की है कि वे 2026 में अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगी।

कियारा, प्रियंका और परिणीति चोपड़ा ने विक्की-कैटरीना को दी बधाई, सनी कौशल बोले- मैं चाचा बन गया

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री कैटरीना कैफ माता-पिता बन गए हैं। कैटरीना ने एक बेबी बॉय को जन्म दिया है। यह खबर सुनते ही मनोरंजन जगत में खुशी की लहर दौड़ गई। बता दें, कैटरीना के मां बनने की जानकारी अभिनेता विक्की कौशल ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करके दी। इसके बाद कई सेलेब्स ने दोनों को बधाई दी। कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया के जरिए दोनों कपल्स को बधाई दी। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर कार्ड शेयर कर नोट लिखा, दिल से बधाई हो नए-नए मम्मी-पापा को।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा भी हाल ही में मां बनी है। उन्होंने उत्साहित होते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक मजेदार नोट शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, प्ले डेट्स को अपना नया मेंबर मिल गया। विक्की और कैटरीना को ढेर सारी शुभकामनाएं। 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा ने भी खबर सुनते ही तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर लिखा, मम्मी-पापा बनने पर कैटरीना कैफ और विक्की कौशल को ढेर सारी बधाइयां।विक्की के भाई, अभिनेता सनी कौशल ने चाचा बनने की खुशी में इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक कार्ड शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, मैं चाचा बन गया। इसके अलावा, मनोरंजन जगत के कई सेलेब्स ने भी बधाईयां दी।

इससे पहले, 23 सितंबर को विक्की-कैटरीना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि कैटरीना पहले बच्चे की उम्मीद से हैं। कैटरीना और विक्की की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों एक-दूसरे को कई समय से जानते थे, लेकिन साल 2019 में स्क्रीन अवार्ड्स के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। इसके बाद कुछ दिनों तक बातचीत के बाद दोनों ने साल 2021 में परिवार और खास दोस्त के सामने राजस्थान के सिक्स सेंसेस फोर्ट बरवारा में साथ फेरे लिए थे।

पवन सिंह और नीलम गिरी के गीतों पर थिरकीं त्रिशा कर मधु

भोजपुरी सिनेमा और म्यूजिक इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री त्रिशा कर मधु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गुरुवार को अपने फैंस के लिए दो खास वीडियो पोस्ट किए, जिनमें डांस के साथ-साथ उनका एक्टिंग टैलेंट भी देखने को मिला। इस बार उन्होंने दो बेहद लोकप्रिय भोजपुरी गानों पर अपने डांस के जलवे दिखाए। उनका यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस कमेंट्स और लाइक्स के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पहली वीडियो में त्रिशा कर मधु पवन सिंह के हिट गाने 'राजा जी' पर शानदार डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने गाने के बीट के मुताबिक अपने डांस मूव्स और एक्सप्रेशन को बखूबी पेश किया। वीडियो में उनका आत्मविश्वास साफ नजर आ रहा है।बता दें कि गाने 'राजा जी' को पवन सिंह और शिवानी सिंह ने गाया है और बोल कुंदन प्रीत ने लिखे हैं, जबकि संगीत श्याम सुंदर ने दिया है।

दूसरे वीडियो में त्रिशा कर मधु नीलम गिरी के गाने 'राजा जी खून कईद' पर डांस करती दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो में उनका डांस स्टाइल थोड़ा अलग है। पहले वह कुर्सी पर बैठे-बैठे गाने के बोल पर एक्सप्रेशन देती है और बैठे-बैठे डांस करती है।

वीडियो के आखिर में वह गाने के रिदम पर अपने डांस मूव्स दिखाती है। वीडियो में उनकी एनर्जी को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि 'राजा जी खून कईद' गाने को शिल्पी राज ने गाया है और इसके बोल विजय चौहान ने लिखे हैं, जबकि संगीत आर्य शर्मा का है।

त्रिशा कर के ये दोनों वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब देखे जा रहे हैं। फैंस कमेंट्स में तारीफों की झड़ी लगा रहे हैं।

त्रिशा कर सिर्फ फिल्म अभिनय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डांस और सोशल मीडिया कंटेंट में भी अपनी खास पहचान बना चुकी हैं।

अनुष्का शेट्टी : महिला केंद्रित फिल्मों के जरिए बनाई अलग पहचान

फिल्मस्टार अनुष्का शेट्टी ने अपनी अदाकारी और मेहनत के दम पर हर किसी का दिल जीता है। हिंदी सिनेमा के दर्शक उन्हें सबसे ज्यादा फिल्म 'बाहुबली' से पहचानते हैं, लेकिन दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अनुष्का ने कई सालों से अपनी अलग पहचान स्थापित की है। सिर्फ बड़े सितारों के साथ रोमांस या हिट फिल्में करना ही उनका मकसद नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने दम पर महिला केंद्रित फिल्मों में भी नाम कमाया। 'साइज जीरो', 'रूद्रमादेवी' और 'घाटी' जैसी फिल्मों में उन्होंने यह साबित कर दिया कि एक मजबूत किरदार और कड़ी मेहनत से किसी भी हीरोइन के लिए अपने दम पर फिल्म हिट करना संभव है। अनुष्का शेट्टी का जन्म 7 नवंबर 1981 को कर्नाटक के मंगलुरु में हुआ था। उनका असली नाम स्वीटी शेट्टी है। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं था। वह बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में आगे थीं। उनकी खूबसूरती और व्यक्तित्व ने उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाया। फिल्मों में आने से पहले अनुष्का योगा इंस्ट्रक्टर के रूप में काम करती थीं। उनकी फिटनेस और स्टाइल को देखकर एक डायरेक्टर ने उन्हें फिल्म का ऑफर दिया और इसी से उनका सिनेमा का सफर शुरू हुआ।

अनुष्का ने साल 2005 में तेलुगू फिल्म 'सुपर' से अपने करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्हें नागार्जुन जैसे बड़े अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता हासिल की, लेकिन अनुष्का की एक्टिंग और उपस्थिति ने इंडस्ट्री में उन्हें एक पहचान दिला दी। इसके बाद उन्होंने साल 2008 में 'शौर्यम' में हिट स्टार गोपीचंद के साथ काम किया। इस फिल्म में उनकी केमिस्ट्री और अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

साल 2009 में आई फिल्म 'अरुंधति' ने अनुष्का की प्रतिभा को पूरी तरह सामने लाया। इसके बाद 2010 में उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म 'वेदम' में काम किया। इस फिल्म में उनका किरदार एक वेश्या का था, जो अपने जीवन में बदलाव की कोशिश करती है। भले ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता पाई, लेकिन अनुष्का के अभिनय की जमकर तारीफ हुई।

महिला केंद्रित फिल्मों में उन्होंने अपने दमदार अभिनय को साबित किया और 2015 में 'रूद्रमादेवी' फिल्म पेश की। इस फिल्म में उन्होंने एक मजबूत महिला शासक का किरदार निभाया। इसके पहले उन्होंने 'साइज जीरो' फिल्म के लिए अपना 20 किलो वजन बढ़ाया था, ताकि उनके किरदार को सही ढंग से पेश किया जा सके। इन महिला प्रधान फिल्मों के जरिए उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया।

अनुष्का शेट्टी को उनकी मेहनत और अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। उन्हें तीन बार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुका है। इसके अलावा उन्हें नंदी पुरस्कार, तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार और कई अन्य सम्मान भी मिल चुके हैं।

संजय खान की पत्नी जरीन खान का निधन

मशहूर अभिनेता ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान की मां जरीन का निधन हो गया है। ये खबर सुनकर पूरे मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर, सुजैन खान के पिता और अभिनेता संजय खान, भाई जायद खान, टीना अंबानी, रोनित रॉय और फैजल खान समेत कई सेलेब्स उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए अंतिम विदाई में शामिल हुए। जरीन लंबे समय से बीमार थीं और शुक्रवार सुबह उन्होंने अपने मुंबई स्थित आवास पर अंतिम सांस ली। संजय खान की पत्नी जरीन 60-70 के दशक की प्रसिद्ध अभिनेत्री, मॉडल, कॉस्ट्यूम डिजाइनर और कुकबुक की लेखिका भी थीं। वह 1963 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे घर के सामने' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ देव आनंद मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद फिल्म 'एक फूल दो माली' में जरीन ने बतौर कॉस्ट्यूम डिजाइनर काम किया था। जरीन अपने ऑन-स्क्रीन काम के अलावा एक्टर-डायरेक्टर संजय खान से शादी के बाद भी खूब चर्चा में रहीं। दोनों ने साल 1966 में शादी की। उनके चार बच्चे-सुजैन खान, जायद खान, सिमोन और फराह खान अली हैं। अपनी मां की तरह सुजैन खान सिनेमा में जाने के लिए हाथ-पैर नहीं मारे।

उन्होंने ब्रुक्स कॉलेज, कैलिफोर्निया से इंटीरियर डिजाइन में एसोसिएट आर्ट की डिग्री ली। कुछ साल प्रैक्टिस करने के बाद 26 फरवरी, 2011 को उन्होंने खुद की इंटीरियर डिजाइनर कंपनी 'द चारकोल प्रोजेक्ट' की स्थापना की। सुजैन ने पुराने डिजाइनों को नए तरीके से पेश किया। उन्होंने गौरी खान के साथ मिलकर कई बड़े प्रोजेक्ट में हिस्सेदारी निभाई है। सुजैन ने ओबेरॉय रियल्टी, पंचशील रियल्टी, लोढ़ा ग्रुप, रुस्तमजी और ट्रिबेका डेवलपर्स के लिए शानदार प्रोजेक्ट्स के साथ काम किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए । आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जी–वनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह
परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ कर दिखाने की ज़रूरत है। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
रुपये–पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएँ तनाव का कारण साबित हो सकती हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में आपसी समझ नहीं रहती । लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक होने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन–शक्ति घटाती है, बल्कि आपके विवेक को भी ज़ंग लगा देती है और रिश्तों में हमेशा के लिए दरार डाल देती है। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन खुशनुमा हो सकता हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
आज खेल–कूद में हिस्सा लेने की ज़रूरत है । आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। शादी के ठीक पहले के ख़ूबसूरत दिनों की याद ताज़ा हो सकती है ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
अपने ऊर्जा–स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 नवंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 11:07 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 12:34 तक
योग : परिघ रात्रि 10:27 तक
करण : गर प्रातः 11:07 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 09:17 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी

अंता उपचुनाव 2025 में सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम

जयपुर, 07 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि अंता विधानसभा उपचुनाव–2025 के तहत निर्वाचन विभाग ने स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं ताकि 11 नवम्बर को मतदान और 14 नवम्बर को मतगणना सुचारू रूप से हो सके। अंता विधानसभा क्षेत्र में कुल 268 मतदान केन्द्रों पर मतदान होगा। क्षेत्र में 2,28,264 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 1,16,783 पुरुष, 1,11,477 महिलाएं और 4 अन्य मतदाता शामिल हैं।

निर्वाचन विभाग द्वारा प्रत्येक मतदान दल के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है। संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) के जवान तैनात रहेंगे। इसके साथ ही क्षेत्र में 12 क्विक रेस्पॉन्स टीम, 43 मोबाइल पार्टियां, 43 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 12 पुलिस सुपरवाइजरी अधिकारी, 12 एरिया मजिस्ट्रेट, 4 वरिष्ठ पुलिस पर्यवेक्षक तथा 4 वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।चुनाव अवधि के दौरान 13 अन्तर्राज्यीय नाके और 5 अन्तर जिला नाके सक्रिय रहेंगे, जहां सशस्त्र बलों की निगरानी में लगातार चेकिंग की जा रही है।

भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए अंता क्षेत्र में 4,262 शस्त्र जमा कराए गए हैं। नाकाबंदी के दौरान 8 अवैध हथियार और 5 कारतूस जब्त किए गए हैं। असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण हेतु 1,134 व्यक्तियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गई है, वहीं 2,716 व्यक्तियों को मुचलकों पर पाबंद किया गया है। चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक कुल ₹21 करोड़ 21 लाख 12 हजार 312 रुपये की जब्ती की गई है, जिसमें अवैध शराब: ₹19.27 लाख, नशीले पदार्थ: ₹35.46 लाख, फ्रीबीज व अन्य सामग्री: ₹20.55 करोड़, नगद राशि: ₹11.34 लाख शामिल है।प्रत्येक मतदान केन्द्र पर मोबाइल फोन जमा करने के लिए जूट बैग उपलब्ध कराए गए हैं और प्रत्येक केंद्र पर दो वॉलंटियर तैनात किए गए हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। इसके लिए जिला मुख्यालय व रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जिनमें आईटी विभाग, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की टीम 24 घंटे निगरानी रखेगी। ईवीएम बैलेट पेपर पर अभ्यर्थियों की रंगीन फोटो अंकित की गई है ताकि मतदाताओं को पहचान में आसानी हो।मतदान केन्द्र से 100 मीटर की दूरी तक राजनीतिक प्रचार पर रोक रहेगी। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा सभी दलों, प्रत्याशियों व एजेंटों को इसकी सूचना दे दी गई है।मतदाता सूचना पर्चियां (तखड) रिटर्निंग अधिकारी को उपलब्ध करा दी गई हैं। अधिकारियों की टीमें घर–घर जाकर वितरण और क्रॉस चेकिंग कर रही हैं। हर टीम प्रतिदिन कम से कम 15 घरों में जाकर सत्यापन कर रही है।

अशोक गहलोत वंदे मातरम् के इतिहास पर फैला रहे है भ्रम : तिवाड़ी

जयपुर, 07 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वंदे मातरम् पर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत इतिहास को तोड़–मरोड़ कर पेश कर रहे हैं और राष्ट्रगीत को भी राजनीति के दायरे में घसीट रहे हैं।

तिवाड़ी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत देश के स्वतंत्रता सेनानियों में आज़ादी की चेतना जगा रहा था, यह गीत तभी से भारत के क्रांतिकारियों के लिए एक मंत्र और प्रेरणा का स्रोत बन गया। कांग्रेस के अधिवेशन में मौलाना अली, शौकत अली जैसे नेताओं ने इसका विरोध किया था। इसके बाद में वंदे मातरम् को धर्म से जोड़ने की कोशिश की गई, जो कि पूरी तरह गलत और दुर्भाग्यपूर्ण था। तिवाड़ी ने कहा कि 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम् गीत की रचना की। 1882 में आनंदमठ में प्रकाशित हुआ, जिसमें इस गीत को प्रमुख स्थान मिला। 1905 बंग–भंग आंदोलन के समय यह गीत स्वदेशी आंदोलन का प्रेरणास्रोत बन गया।

अप्रधान खनिज प्लाटों की नीलामी का कैलेण्डर तैयार कर लगभग प्रत्येक कार्यदिवस में होगी नीलामी

जयपुर, 07 नवंबर (एजेंसियां)। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने राज्य में अभियान चलाकर अप्रधान खनिज ब्लॉक तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में प्रधान और अप्रधान खनिज ब्लाकों व प्लाटों की मिशन मोड़ पर ई–नीलामी का कैलेण्डर बनाकर क्रियान्विति की जाएं। चालू वित्तीय वर्ष में राज्य में 251 अप्रधान खनिज ब्लॉकों की ई–नीलामी की जा चुकी है। शेष अवधि में अप्रधान खनिज प्लॉटों के नीलामी का मासिक कैलेण्डर तैयार किया जा रहा है और लगभग प्रत्येक कार्य दिवस को नीलामी की प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन पर रोक और वैध खनन को बढ़ावा देने के लिए मिनरल क्षेत्रों में प्लॉट तैयार कर नीलामी किया जाने की आवश्यकता है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त शुक्रवार को खनिज भवन में डीएमजी महावीर प्रसाद मीणा और वरिष्ट अधिकारियों के साथ हाईब्रिड मोड पर रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑक्शन कैलेण्डर बनाते समय मेजर मिनरल प्लॉटों में मिनरल विविधिकरण पर जोर दिया जाए ताकि विविधिकृत मिनरलों के ऑक्शन से बहुआयामी निवेश, रोजगार और रेवेन्यू प्राप्त हो सके। गौरततलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मिनरल एक्सप्लोरेशन से लेकर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी पर जोर दिया जा रहा है जिससे माइंस सेक्टर में राजस्थान देश में अव्वल प्रदेश बन सके।

रविकान्त ने कहा कि दो दिनों में फील्ड अधिकारियों को डेलिनियेशन के काम में जुटना होगा और गंभीरता से क्षेत्र का अध्ययन कर प्लॉट तैयार कर मुख्यालय को भिजवाने होंगे। अवैध खनन गतिविधियों पर कार्रवाई में तेजी लाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए उन्होंने अधीक्षण खनि अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र में अवैध खनन क्षेत्रों को चिन्हित करने, क्षेत्र में खनिज खनन उत्पादन, निर्गमन और रेवेन्यू का विश्लेषण करेंगे तो लीकेज का स्वतः पता चलेगा और फिर औचक कार्रवाई करेंगे तो सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

स्वतंत्रता आंदोलन में कांग्रेस के त्याग तपस्या और कुर्बानी को भुलाना चाहते हैं आरएसएस और भाजपा: गहलोत

जयपुर, 07 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर सभी को शुभकामनाएं दी। इसके तहत किए जा रहे कार्यक्रमों के राजनीतिकरण एवं केंद्र की भाजपा सरकार पर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगाँठ के ऐतिहासिक मौके का उपयोग स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत को कमजोर करने के प्रयास पर चिंता व्यक्त की है। शुक्रवार को जयपुर स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में गहलोत ने कहा, मेरा आरोप है कि ये लोग विरासत को समाप्त करना चाहते हैं, आज़ादी की शानदार विरासत त्याग, तपस्या और कुर्बानी की परंपरा को भुलाने की कोशिश की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को धर्म के नाम पर सत्ता में आने का मौका मिला है पर उसके मायने ये नहीं कि कांग्रेस की विरासत को समाप्त करने का काम करें। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस का स्वतंत्रता आंदोलन से कोई संबंध नहीं रहा। अंग्रेज़ों के शासन में वे उनसे मिले हुए थे, उन्होंने दशकों तक तिरंगा नहीं लगाया, संविधान को नहीं माना, और महात्मा गांधी व डॉ. अंबेडकर के पुतले जलाए। सरदार पटेल ने स्वयं आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था और अब ये सरदार पटेल पर अपना अधिकार जमा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की विरासत वही है जो देश के स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत है जिसका उन्हें गर्व है तथा स्पष्ट किया किया कि किसी को अधिकार नहीं कि वह इस विरासत को समाप्त कर दे और आने वाली पीढ़ियाँ केवल आरएसएस या भाजपा को ही इतिहास में याद रखें। यह हमें मंजूर नहीं होगा।

चुनाव आयोग ने नहीं निभाई अपनी जिम्मेदारी भाजपा ने वोट चोरी से बनाई सरकार : भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 07 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि चुनाव आयोग ने अपनी जिम्मेदारी निष्पक्ष तरीके से नहीं निभाई और उसने वोट चोरी कर भाजपा की सरकार बनवाई है। हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा किए गए खुलासे से स्पष्ट हो गया है कि भाजपा और आयोग ने मिलकर जनादेश का अपमान किया है। अपने चंडीगढ़ आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए हुड्डा ने कहा कि वोटर लिस्ट में इस हद तक गड़बड़ियां थीं कि ब्राजील की मॉडल के अलावा भी एक बूथ पर एक ही महिला के 223 वोट बना रखे थे। 1,22,000 मतदाताओं की तो तस्वीरें फर्जी पाई गई हैं। खुद मीडिया ने राहुल गांधी के खुलासे के बाद जब पड़ताल की तो तमाम आरोप सच पाए गए। एक भाजपा नेता के 300 गज के मकान में 501 लोगों के वोट बना दिए गए, जबकि वहां सिर्फ सात लोग रहते हैं। बाकायदा तस्वीरें दिखाकर राहुल गांधी ने बताया है कि कुछ लोग तो ऐसे हैं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश में भी वोट बनवाई हुई है और हरियाणा में भी वोट बनवाई हुई है, और वे भाजपा के नजदीकी हैं। वोटर लिस्ट में जिस तरह की गड़बड़ियां पकड़ी गई हैं, उसके चलते जनता का चुनाव आयोग पर से विश्वास डगमगा गया है। इसी लिए कांग्रेस ने लोकतंत्र की रक्षा की ठान ली है। इसके लिए कांग्रेस हर संभव कदम उठाएगी।

हुड्डा ने कहा कि 5 अक्टूबर 2024 को वोटिंग के बाद चुनाव आयोग ने बताया था कि हरियाणा में कुल 61.19 प्रतिशत मतदान हुआ है। 6 तारीख को इसे बढ़ाकर 65.65 प्रतिशत कर दिया गया और 7 तारीख को फिर से इसमें बदलाव करके वोटिंग प्रतिशत को 65.9% बताया गया। क्या चुनाव आयोग इस बात का जवाब देगा कि लगातार तीन दिनों तक अपने आप वोट कैसे बढ़ रही थीं? फास्ट इंटरनेट और टेलीकॉम क्रांति के युग में ईवीएम से हुई वोटिंग की गिनती में इतनी देरी आखिर कैसे लगी?

इसी लिए चुनाव का नतीजा आते ही हमने तुरंत चुनाव आयोग में जाकर शिकायत दर्ज करवाई थी। हमने बार–बार अपील की है कि चुनाव बैलट पेपर पर होने चाहिए, क्योंकि सभी ने देखा कि पोस्टल बैलट की गिनती में कांग्रेस 73 सीटों पर जीत रही थी, लेकिन ईवीएम की गिनती में 37 सीटों पर सिमट गई। पिछले पांच चुनावों के नतीजे बताते हैं कि वही पार्टी सरकार बनती है, जो पोस्टल बैलट की गिनती में जीतती है।

सीबीआई ने अक़ील अख्तर हत्या मामले में दर्ज की एफआईआर

पंचकूला, 07 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 6 नवम्बर 2025 को अक़ील अख्तर हत्या मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह मामला चार लोगों – मृतक के पिता एवं पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा, मां एवं पंजाब की पूर्व लोक निर्माण मंत्री रज़िया सुल्ताना, पत्नी और बहन – के खिलाफ दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, अक़ील अख्तर, जो मोहम्मद मुस्तफा और रज़िया सुल्ताना के पुत्र थे और पंचकूला के सेक्टर–4, मांसा देवी मंदिर के पास रहते थे, की मृत्यु 16 अक्टूबर 2025 को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। बताया गया है कि मृतक और उसके परिवार के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 27 अगस्त को अक़ील अख्तर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर अपने पिता और पत्नी के बीच अवैध संबंधों का आरोप लगाया था। वीडियो में उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी मां, बहन और पूरा परिवार उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं तथा उन्हें झूठे मामले में फंसाने या उनकी हत्या करने की योजना बना रहे हैं।

इससे पहले, हरियाणा सरकार ने इस मामले की जांच – जो प्रारंभ में थाना मांसा देवी कॉम्प्लेक्स, जिला पंचकूला में एफआईआर संख्या 131, दिनांक 20 अक्टूबर 2025 के तहत दर्ज थी – सीबीआई को सौंप दी थी।सीबीआई ने अब यह मामला भारतीय न्याय संहिता (इछड), 2023 की धारा 103(1) और 61 के अंतर्गत दर्ज करते हुए जांच अपने हाथ में ले ली है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लोग लाभ उठाएं : विज

चंडीगढ़, 07 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी अपने आवास पर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अम्बाला छावनी के 23 लाभार्थियों को 25.23 लाख रुपए सब्सिडी के चैक वितरित किए। इस दौरान उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाएं ताकि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार ग्रीन एनर्जी युक्त भारत को विकसित कर सकें। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत अच्छी योजना है जिसके तहत 60 हजार रुपए केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से 50 हजार के यानि कुल 1.10 लाख रुपए की सब्सिडी के चैक आज हमने प्रत्येक लाभार्थी को दिए हैं। योजना के तहत 1.80 लाख रुपए से कम जिसकी आय है उसे दो किलोवॉट तक 1.10 लाख रुपए सब्सिडी के तौर पर दिए गए हैं। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि लाभार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य यह है कि वो और भी लोगों को बताएं और दिखाएं की सोलर पैनल लगने के बाद बिजली लगभग मुफ्त हो जाती है। सोलर से जितनी बिजली दिन में पैदा होगी उससे एक घर का गुजारा चल सकता है व बिजली का बिल खत्म हो सकता है। यह योजना दो किलोवॉट तक ही नहीं ज्यादा किलोवॉट लोड पर भी दी जा रही है, जिसके तहत 3 किलोवॉट लोड तक वालों को 78 हजार रुपए सब्सिडी दी जा रही है। ऊर्जा मंत्री ने आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग योजना का लाभ उठाए। मंत्री विज ने कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वह सोलर पैनल लगाने बारे ज्यादा से ज्यादा लोगों को जानकारी देकर यह पैनल लगाए।

'वंदे मातरम्' राष्ट्र की आत्मा, पहचान और गौरव का प्रतीक है: सैनी

चंडीगढ़, 07 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा, धड़कन और पहचान है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को मां अम्बा की पावन धरती अम्बाला में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान नई दिल्ली में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित मुख्य उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में वंदे मातरम् की अमर भावना को नमन किया। उन्होंने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष भर चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया तथा स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश वासियों को 'वंदे मातरम' गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर हार्दिक बधाई देते हुए उपस्थित जनसमूह को 'स्वदेशी संकल्प' भी दिलाया, साथ ही सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा वंदे मातरम् की गौरव गाथा को प्रदर्शित करने वाली लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत के स्वराज्य आंदोलन की चेतना का उदगार है। इस गीत ने गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारतवासियों में आत्मबल, अनुशासन और त्याग की भावना जगाई थी। उन्होंने कहा कि यह गीत वह दिव्य शक्ति है जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को हिला दिया था और युवाओं के भीतर क्रांति की ज्योति प्रज्वलित की। अंग्रेज़ इस गीत से डरते थे क्योंकि इसमें हथियारों से करोड़ गुना अधिक शक्ति थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम' गीत हमारी नदियों की कल–कल, खेतों की हरियाली और धरती के गौरव की गूंज है। यह शिवरात्रि की तपस्या में, वैसाखी के उल्लास में, होली के रंगों में और दीपावली के दीपों में रचा–बसा है। यह गीत हमारी एकता का अमृत मंत्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम' का रचना वर्ष 1875 में श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। वर्ष 1896 में रवि–न्द्रनाथ टैगोर ने इसे कोलकाता में सार्वजनिक रूप से वाचन किया था। 1905 में बंगाल विभाजन आंदोलन के दौरान यह गीत राग देश मल्हार में स्वरबद्ध होकर आंदोलन का प्रेरणास्रोत बना। ब्रिटिश शासन के खिलाफ यह गीत राष्ट्रवाद और एकता का प्रतीक बन गया।

गन्ना किसानों के विरोध से सरकार नाराज, किसान नेता सीएम की बैठक से दूर रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गन्ना किसानों की समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा बुलाई गई बैठक का किसान नेताओं द्वारा बहिष्कार किए जाने से समस्या और भी जटिल हो गई है। दिन-ब-दिन बिगड़ते हालात को देखते हुए सिद्धरामैया ने खुद मोर्चा संभाला और दोपहर 1 बजे विधान सभा भवन में किसान नेताओं की एक बैठक बुलाई थी। मुख्यमंत्री ने खुद विभिन्न किसान नेताओं से व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया था। लेकिन किसान बैठक से दूर रहे और आरोप लगाया कि सरकार गन्ने का निश्चित मूल्य घोषित न करके चीनी मिल मालिकों की मांगों के आगे झुक रही है। यह सरकार के लिए एक मुश्किल स्थिति बन गई है। किसानों ने मांग की है कि गन्ने का मूल्य 3,500 रुपये प्रति टन तय किया जाए। साथ ही, किसानों की मांग है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया खुद इसकी आधिकारिक घोषणा करें। मुख्यमंत्री चीनी मिल मालिकों और किसान नेताओं के साथ बैठक के बाद सरकार के रुख की आधिकारिक घोषणा करने की योजना बना रहे थे। लेकिन किसान नेता मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई बैठक से दूर रहे और जोर देकर कहा कि जब तक आधिकारिक घोषणा नहीं हो जाती, वे बैठक में नहीं आएंगे। प्रदर्शन नौवें दिन में प्रवेश कर

चुका है और किसानों ने कहा है कि पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है, इसलिए सरकार को कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ रहा है। गन्ने के उचित मूल्य की घोषणा के लिए चल रहा किसानों का संघर्ष नौवें दिन में प्रवेश कर गया है और उन्होंने कहा है कि जब तक सरकार कोई घोषणा नहीं करती, वे विरोध प्रदर्शन से पीछे नहीं हटेंगे। बागलकोट, बीजापुर और बेलगावी समेत चार जिलों में किसानों का संघर्ष एक नाजुक मोड़ पर पहुंच गया है और आज उन्होंने अपना रोष व्यक्त करने के लिए कुछ जगहों पर राष्ट्रीय राजमार्गों को जाम कर दिया। एफआरपी के अनुसार, सरकार को 3,500 रुपये प्रति क्विंटल की कीमत घोषित करनी चाहिए और इसकी आधिकारिक घोषणा स्वयं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा की जानी चाहिए। किसानों ने जोर देकर कहा है कि वे तब तक अपना विरोध प्रदर्शन नहीं छोड़ेंगे। छात्रों, कन्नड़ समर्थक संगठनों, मजदूर संगठनों और कई अन्य संगठनों ने इस विरोध प्रदर्शन में हाथ मिलाया है, जो सरकार के लिए एक बड़ी मुसीबत बन गया है। बागलकोट में किसानों ने रायचूर को हैदराबाद से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। इस दौरान कुछ किसानों ने सड़क पर लेटकर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया, तो कुछ ने वाहनों पर चढ़कर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बेलगावी जिले के गुरलापुरा क्रॉस पर किसानों ने अपना गुस्सा निकालने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया। हम किसी भी कारण से विरोध प्रदर्शन नहीं छोड़ेंगे। जब तक 3,500 रुपये की कीमत तय नहीं हो जाती और आधिकारिक घोषणा नहीं हो जाती, वे यहां से नहीं हटेंगे। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। मुझे नहीं पता कि केंद्र सरकार ने कितनी कीमत की घोषणा की है। लेकिन किसान इस बात पर अड़े हैं कि गन्ने की कीमत 3,500 रुपये प्रति टन तय की जाए। दूसरी ओर, गोकक में भी विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। सैकड़ों किसानों ने अथानी और गोकक को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया है और सरकार को कोसा है। हर साल, जब गन्ने की कटाई होती है, तो हमें विरोध प्रदर्शन करना चाहिए और सरकार पर इसे खरीदने का दबाव बनाना चाहिए। राज्य सरकार केंद्र सरकार पर आरोप लगा रही है। किसान सवाल कर रहे हैं कि हम किस पर भरोसा करें। कुछ जगहों पर हजारों किसान हाईवे पर आकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे यातायात बाधित हो गया है। सुबह से ही सरकारी और निजी वाहन सड़कों पर रोक दिए गए हैं। जब किसानों ने उनसे हमारी समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने का अनुरोध किया, तो कुछ मंत्री और विधायक अहंकार से बोल रहे हैं। वे कह रहे हैं कि प्रदर्शनकारी किसान नहीं हैं। वे कह रहे हैं कि हम किसान नहीं हैं।

अगले चुनाव में ऐसे लोगों को सबक सिखाएंगे

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि वे अगले चुनाव में ऐसे लोगों को सबक सिखाएंगे। दूसरी ओर, मंत्री शिवानंद पाटिल के घटनास्थल का दौरा करने और बातचीत करने के बावजूद, किसान विरोध प्रदर्शन से पीछे नहीं हटे हैं। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने देर रात गुरलापुर में धरना स्थल का दौरा किया और किसानों से प्रस्तावित सड़क जाम वापस लेने की अपील की। मंत्री ने किसानों को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का आश्वासन दिया कि शुक्रवार शाम तक इस मुद्दे का स्थायी समाधान कर दिया जाएगा। हालांकि, किसान विरोध प्रदर्शन से पीछे हटने को तैयार नहीं हुए हैं। पाटिल ने प्रदर्शनकारियों से कहा था कि मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि सड़कें जाम न करें। मुख्यमंत्री ने स्थायी समाधान के लिए सिर्फ एक दिन का समय मांगा है। हालांकि, मंत्री की अपील न मानने वाले किसानों ने कसम खाई है कि जब तक गन्ने का मूल्य 3,500 रुपये प्रति टन तय नहीं किया जाता, तब तक विरोध प्रदर्शन समाप्त नहीं होगा।

राहुल गांधी ने कर्नाटक में कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए दस्तावेजों को एक दस्तावेज माना: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए दस्तावेजों को एक दस्तावेज माना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने पलटवार करते हुए कहा है कि इसमें कोई दम नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ऐसे बात कर रहे हैं जैसे उन्होंने कोई चीज काटकर ढेर लगा दी हो। चुनाव आयोग पहले ही स्पष्टीकरण दे चुका है। उन्होंने सवाल किया कि उन्होंने उठाए गए सवालों का जवाब क्यों नहीं दिया। राहुल गांधी एक विपक्षी नेता हैं। उनकी अपनी जिम्मेदारी है। उन्हें मूर्खों की तरह अपनी लिखी बातें पढ़कर मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। अगर मतदान में कोई गड़बड़ी हुई है, तो आयोग या अदालत में अब तक यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया? राहुल गांधी ने दिल्ली में कहा कि कर्नाटक में भी कई चुनावों में मतदाता सूची में अनियमितताएं हुई हैं। फर्जी मतदाताओं को शामिल किया गया है। राहुल गांधी के बयान के बाद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मूर्खों की तरह प्रधानमंत्री से इस्तीफा मांग रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि महादेवपुर विधानसभा क्षेत्र में गड़बड़ी हुई है। अरविंद लिंबावली इस बारे में बोलते हैं। चुनाव आयोग फर्जी मतदाताओं के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए एक एसआईआर कर रहा है। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची को सही करने के लिए कहा है। फिर आपने चुनाव आयोग से अपील क्यों की? जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब ममता बनर्जी कहती थीं कि अवैध मतदाता हैं और एक सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए। उस समय सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष थे। उन्होंने उल्लेख किया है कि ममता बनर्जी ने उनके चेहरे पर कागज फेंका था, और यह कांग्रेस को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि राहुल गांधी हार की हताशा में ऐसा बोल रहे हैं। यह हार की हताशा में मतदाताओं का अपमान है। वह मतदान समाप्त होने और नतीजे आने के बाद आरोप लगा सकते थे। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वह ऐसे बात कर रहे हैं जैसे उन्हें कुछ मिल गया हो। जिस निर्वाचन क्षेत्र में अल्पसंख्यकों की बहुलता है, वहां कितने फर्जी मतदाता हैं? इसकी भी जांच होनी चाहिए। उनमें लोकसभा में इसका सामना करने की ताकत नहीं है। उन्होंने यह कहते हुए आवाज उठाई है कि उनमें लोकसभा में बहस करने का साहस नहीं है। चिक्कबल्लापुर के सांसद डॉ. के. सुधाकर के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर प्रतिक्रिया देते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि ऐसी जानकारी है कि चिक्कबल्लापुर में महिला ने सुधाकर का नाम नहीं लिया। सुधाकर में इसका सामना करने की ताकत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश रची गई है। धर्मस्थल दंगों और एसडीपीआई के दौरे के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हिंदू धार्मिक केंद्रों को इस तरह बदनाम किया जाएगा, तो हम चुपचाप बैठकर नहीं देख पाएंगे।

आंतरिक आरक्षण पर विशेष कैबिनेट बैठक 16 नवंबर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधि मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण और आंतरिक आरक्षण के संबंध में उचित निर्णय लेने के लिए 16 नवंबर को एक विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित की जाएगी। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि कैबिनेट बैठक में न्यायमूर्ति एच.एन. नागमोहन दास की अध्यक्षता वाले आयोग द्वारा अनुसूचित जातियों और आंतरिक आरक्षण के संबंध में सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई है। रिपोर्ट की प्रतियां सभी मंत्रियों को अध्ययन के लिए दे दी गई हैं। उन्होंने कहा कि 92 प्रतिशत सर्वेक्षण कम समय में वैज्ञानिक तरीके से किया गया है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने कर्नाटक राज्य के नागरिकों की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति का सर्वेक्षण करने के लिए, मतदाता सूची का उपयोग करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति नागमोहन दास आयोग की तर्ज पर डिजिटल प्रारूप में सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया है। कृषि विभाग की 13 शीत भंडारण इकाइयों के निर्माण के लिए 171.91 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान को प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत नव स्वीकृत छात्रावासों के लिए 40 करोड़ रुपये की लागत से 15 दो-स्तरीय बिस्तरों और 10 करोड़ रुपये की लागत से 15 हजार गद्दे खरीदने की स्वीकृति प्रदान की गई है। पिछड़ा वर्ग के बेरोजगारों के लिए भोजन कियोस्क शुरू करने हेतु देवराज उर्स विकास निगम के माध्यम से 33.09 करोड़ रुपये की लागत से 103 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों की खरीद के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्रिमंडल ने कित्तूर और मोलाकल्मूर में 100-100 बिस्तरों वाले अस्पतालों को 200 बिस्तरों वाले अस्पतालों में उन्नत करने को मंजूरी दी है। बीदर आयुर्विज्ञान संस्थान में 36 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरों वाला कैंसर अस्पताल स्थापित करने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। तलकाड ग्राम पंचायत को नगर पंचायत, भटकल और हिंदी नगर पालिकाओं को नगर पालिकाओं और मस्तेनाहल्ली ग्राम पंचायत को नगर पंचायत में उन्नत करने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने वृहद बेंगलूरु प्रशासन (संशोधन) विधेयक, 2025 समेत 18 विभिन्न विधेयकों को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि वृहद बेंगलूरु प्रशासन विधेयक राज्य चुनाव आयोग को चुनाव कराने के लिए मतदाता सूची तैयार करने की अनुमति देगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने कर्नाटक देवदासी प्रथा (रोकथाम, निषेध, निवारण और पुनर्वास) विधेयक 2025 को मंजूरी दे दी है, जो देवदासी के पुत्र या पुत्री को पिता का नाम बताने से छूट देता है। एच.के. पाटिल ने कहा कि जीएसटी परिषद में की गई सिफारिशें चिंताजनक हैं और इस संबंध में मुख्यमंत्री को अधिकार दिए गए हैं।

राज्य सरकार जिम्मेदारी से काम लेकर गन्ना किसानों के मुद्दे पर बातचीत करे: प्रहलाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि राज्य सरकार को जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए और गन्ना किसानों के मुद्दे पर बातचीत करनी चाहिए। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, कुछ मंत्री और मुख्यमंत्री गन्ना मूल्य निर्धारण को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। केंद्र गन्ना वर्ष शुरू होने से पहले एफआरपी तय करता है। अब हमने एफआरपी 350 रुपये तय कर दिया है। इसके अलावा, इथेनॉल खरीद शुरू होने के बाद, भुगतान 3-4 साल से लंबित था। अब, यह आखिरी चीनी वर्ष है, और 97.2 प्रतिशत भुगतान हो चुका है। राज्य सरकार को मिल मालिकों और किसानों से बात करनी चाहिए और उचित मूल्य तय करनी करनी चाहिए। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि वे बयानबाजी न करें और स्थिति को और खराब

न करें। गन्ना मिल मालिकों ने निर्यात की अनुमति मांगी है। उन्होंने घोषणा की कि अनुमानित 15 से 20 लाख टन चीनी अधिशेष है, जिसमें से 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने गुड़ के निर्यात की भी अनुमति मांगी है, जो हमने पहले ही दे दी है। किसान 3,500 रुपये प्रति टन की मांग कर रहे हैं, और केंद्र सरकार ने 350 रुपये दिए हैं। इसके साथ ही, निर्यात की भी अनुमति दी है। राज्य सरकार को उचित मांग का समाधान करना चाहिए। मुख्यमंत्री और मंत्रियों को हस्तक्षेप करके समस्या का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक बयानों के माध्यम से देरी करने से राज्य सरकार की प्रतिष्ठा नहीं बढ़ती। पिछली बार, इथेनॉल मिश्रण 35 लाख मीट्रिक टन था। यानी 20 प्रतिशत। इसकी बदौलत चीनी मिलों ने बहुत बड़े पैमाने पर स्थिरता हासिल की है। सरकार को बातचीत करके समस्या का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को सड़क पर बैठने देना उचित नहीं है। जब कर्नाटक के मंत्री समस्या के बारे में बात करने आए, तो हमने उसका समाधान कर दिया। इसमें भी हमने एफआरपी 340 से बढ़ाकर 350 कर दिया है। उन्होंने मांग की कि किसानों को एक पल के लिए भी सड़क पर नहीं बैठने दिया जाना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री बैठक बुलाते हैं तो उन्हें बहुत खुशी होती है। उन्होंने मांग की कि बातचीत बुलाकर समस्या का समाधान किया जाए। राज्य सरकार ने घी और मक्खन के दाम बढ़ा दिए हैं। जीएसटी कम करने के बाद, उन्होंने हमारी आलोचना की। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह राहुल गांधी की गलतफहमी के कारण है। राज्य सरकार ने मूल्य वृद्धि की आग में घी डालने का काम किया है। उन्होंने मांग की कि इसे तुरंत कम किया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने एक और वोट-हेराफेरी वाला भाषण दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें हार के लिए लोगों को दोष देना बंद करना चाहिए। वह हरियाणा चुनाव के एक साल बाद उस राज्य की बात कर रहे हैं। हरियाणा, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र के चुनाव हुए थे। इसके बाद उन्हें झारखंड, फिर जम्मू-कश्मीर, फिर महाराष्ट्र के चुनावों की बात करनी है। उन्होंने विश्लेषण किया कि यह एक बड़ी समस्या है। उन्हें पता है कि वह बिहार में हार जाएंगे। उन्होंने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बिहार में हार पक्की है। मैं पिछले दिनों बिहार गया था। मुकाबला 61 सीटों का है। पिछली बार उन्होंने 71 में से 19 सीटें जीती थीं। उन्होंने बताया कि महागठबंधन के घोषणापत्र में राहुल गांधी की तस्वीर पिछले लाल चार पैसे वाले टिकट से भी छोटी है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद है कि देश में विपक्ष का नेता इतना हास्यास्पद व्यक्ति बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता को परिपक्व होना चाहिए। उन्होंने आपत्ति जताई कि जनता के फैसले को स्वीकार किए बिना जनता का अपमान करना उनका काम है।

बेंगलूरु में मतदान में धांधली के खिलाफ राहुल गांधी के नेतृत्व में विशाल विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले 15 दिनों से चल रही मतदान में धांधली पर गरमागरम बहस में एक तार्किक कदम उठाते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में बेंगलूरु में एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, राज्य सरकार के मंत्री और प्रमुख कांग्रेस नेता शामिल हुए। गुरुवार को राहुल गांधी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 5 तरीकों से एक लाख से ज्यादा वोट चुराए जाने का गंभीर आरोप लगाया। इसके अलावा, दस्तावेज जारी किए गए और एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में विस्तृत स्पष्टीकरण दिया गया। इस पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से कुछ सवाल पूछे और उन्हें स्पष्टीकरण देने को कहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में मतदान में धांधली हुई है। संबंधित राज्यों के मुख्य चुनाव आयुक्तों ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर आरोपों को प्रमाणित रूप में प्रस्तुत करने को कहा है। मुख्य चुनाव आयुक्तों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रमाणित प्रपत्र में लगाए गए आरोप साबित नहीं होते हैं, तो उन पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को चुनाव आयोग पहुंचा और 8 नवंबर को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक मिलने का समय मांगा। मुख्य चुनाव आयुक्तों ने इस पर सहमति जताई है। राहुल गांधी के आयोग दौरे के दौरान, उन्हें प्रमाणित प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने की गंभीर सलाह दी गई। राहुल गांधी ने आयोग के आग्रह पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं एक निर्वाचित प्रतिनिधि हूं, मेरे शब्द ही मेरा वादा हैं। नए प्रमाणित प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

कुमारस्वामी ने आधार नंबर को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि मतदाता पहचान पत्र को आधार संख्या से जोड़ना इस बात की गारंटी है कि मतदाता धोखाधड़ी का खेल नाकाम हो जाएगा। अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि मतदाता धोखाधड़ी का यही एकमात्र इलाज है। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग से कांटे से ही कांटा निकालने की मांग की है और कांग्रेस पर लोकतंत्र को लटकाने की जानबूझकर की गई कोशिश के तहत झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। इस दौर के लोकतंत्र में जहर घोलने की एक घिनौनी साजिश। उन्होंने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए इसे संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप लगाकर संदेह का लाभ उठाने की एक दुर्भावनापूर्ण साजिश बताया है। उन्होंने इसे चुनावों में किए गए पाप को कांटे से ढकने की राजनीति करार दिया है।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने केम्पेगौड़ा बस स्टैंड का अचानक दौरा किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने गुरुवार को केम्पेगौड़ा बस स्टैंड (केएसआरटीसी) का औचक निरीक्षण किया और कार्यों का निरीक्षण किया। यात्रियों ने मंत्री के ध्यान में लाया कि केम्पेगौड़ा बस स्टैंड पर वाहनों की पार्किंग के लिए आरक्षित क्षेत्र समतल नहीं था और बारिश के दौरान पानी जमा हो जाता था, जिससे वाहनों की सुचारू आवाजाही में समस्या आ रही थी। मंत्री ने इस संबंध में तुरंत कार्य शुरू करने और बसों की सुचारू आवाजाही के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में उठाए गए कदमों की समीक्षा के लिए

बस स्टैंड का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पहले चरण का कार्य पूरा करने और अगले चरण में दो अन्य स्थानों पर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर, उन्होंने बस स्टैंड के सभी टर्मिनलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आम यात्रियों को पर्याप्त परिवहन सुविधाएं प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि व्यावसायिक दुकानें खाली न रहें। उन्होंने आम यात्रियों और संचालन कर्मचारियों को पेयजल, बिजली और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का उचित रखरखाव करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीएमटीसी बस स्टैंड का भी दौरा किया और इमारत पर उगे पौधों को हटाने और उसे साफ करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर केएसआरटीसी के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय कार्यालय के विभागाध्यक्ष, केम्पेगौड़ा बस स्टैंड डिवीजन के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com